सेंसेक्स	~	82,176.45
निफ्टी	~	25,001.15
सोना	~	97,640
चांदी	~	100000
डॉलर	~	85.12

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 27 मई 2025
ज्येष्ठ कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 241
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया ज्योति मल्होत्रा को

हिसार। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा को सोमवार को हिसार की अदालत में पेश किया। जहां से कोर्ट ने ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इसके पहले उसे पहले पांच दिन और फिर चार दिन की पुलिस रिमांड पर रखा गया था। चार दिन की मौजूदा रिमांड अवधि पूरी होने के बाद ज्योति को कोर्ट में पेश किया गया।

बृजभूषण पर पॉक्सो एक्ट का केस बंद

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इस रिपोर्ट में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह पर नाबालिग होने पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक पहलवान द्वारा दायर मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। पुलिस ने साल 2023 में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गोमती मनोचा ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पॉक्सो मामले में दिल्ली पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा, क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार की गई। एक अगस्त, 2023 को एक इन-चैंबर कार्यवाही के दौरान नाबालिग पहलवान ने न्यायाधीश को बताया कि वह दिल्ली पुलिस की जांच से संतुष्ट है और क्लोजर रिपोर्ट का विरोध नहीं करती।

मप्र में स्टेडियम उड़ाने का एडिटेड वीडियो वायरल, आरोपी गिरफ्तार

श्योपुर। सोशल मीडिया अब मेल-मिलाप से ज्यादा विवाद का मंच बन गया है। इसकी बानगी मध्य प्रदेश के श्योपुर में देखने को मिली, जहां एक युवक स्टेडियम ब्लास्ट करने का एडिटेड वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर फंस गया। वीडियो जैसे ही वायरल हुआ, सनसनी फैल गई और लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने इसे विध्वंसक मानसिकता बताते हुए युवक को गिरफ्तार करने की मांग शुरू कर दी। देर रात पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक रविवार दोपहर अचानक सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें शहर के वीर सावरकर स्टेडियम के मुख्य गेट के पास एक युवक खड़ा नजर आता है और स्टेडियम की ओर बायां हाथ उठाकर रिवॉल्वर चलाने जैसी हरकत करता है। इसके बाद वीडियो एडिटेड होता है, जिसमें स्टेडियम में ब्लास्ट होता नजर आता है। यह वीडियो वायरल होने पर लोग भड़क गए।

तेज बारिश में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 का शेड ढहा, फिर उठे सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर गत रात हुई एक अप्रत्याशित घटना ने एक बार फिर हवाई यात्रा के सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तेज बारिश और आंधी के दौरान टर्मिनल की छतरीनुमा संरचना (कैनोपी) का ऊपरी हिस्सा टूट गया, जिससे पानी अचानक यात्रियों पर गिरने लगा।

राहत की बात यह रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने व्यवस्थागत कमियों की ओर साफ इशारा किया है।

दाहोद और भुज में अरबों रूपए की सौगात देने के साथ ही पीएम मोदी की आतंकियों और उनके आकाओं को चेतावनी

भारत पर आंख उठाई तो बख्शेंगे नहीं

पाकिस्तान को चेतावनी- सुख-चैन से जियो, अपनी रोटी खाओ, वर्ना मेरी गोली तो है ही

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। भुज में उन्होंने कहा कि भारत पर आंख उठाने वाले को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पाकिस्तान को चेतावनी दी कि सुख-चैन से जियो, अपने हिस्से की रोटी खाओ, नहीं तो मेरी गोली तो है ही। इससे पहले, दाहोद में पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया था। कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। हमने भी आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। मोदी ने कहा कि आप बताइए... ऐसे हालात में क्या मोदी चुप बैठ सकता था। जब कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है। कार्यक्रम में कर्नल सोफिया कुरैशी के परिजनों ने पीएम मोदी पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया।

मोदी सोमवार सुबह पहले वडोदरा, फिर दाहोद और इसके बाद भुज पहुंचे। तीनों जगह उन्होंने रोड शो किया। दाहोद और भुज में जनसभा की। पीएम ने भुज में 53,400 करोड़ रुपए के 31 प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और ई-लोकार्पण भी किया। पीएम ने कहा कि भारत विश्व की चौथी बड़ी इकोनॉमी बन गया है। आज पाकिस्तान की हालत क्या हैं। आज पाकिस्तान के बच्चों-लोगों को सोचना होगा कि आपकी सेना, आपके हुक्मरान आतंक के साए में पल रहे हैं। आपकी सरकार आतंकवाद को समर्थन दे रही है। उनकी सेना के लिए यह पैसा कमाने का जरिया बन गया है। वे आपके भविष्य को नष्ट कर रहे हैं। आपको अंधेरे में धकेल रहे हैं। पाकिस्तान की अवाम को आगे आना होगा। मोदी ने पाकिस्तान सरकार से कहा कि सुख-चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ, वर्ना मेरी गोली तो है ही। हमने शांति और समृद्धि का रास्ता चुना है।

नर्मदा के पानी से बदली कच्छ की किस्मत

पीएम मोदी ने कहा कि एक समय था जब गुजरात में पानी सैकड़ों फीट नीचे चला गया था। आज नर्मदा नदी का पानी यहां पहुंचने से स्थिति बदल गई है। कच्छ की किस्मत बदल गई है। आज कच्छ के आम, खजूर, अनाज और ड्रैगन फ्रूट की पैदावार बहुत अच्छी है। एक समय था, जब कच्छ से पलायन होता था। आज कच्छ के लोग कच्छ में ही रोजगार पा रहे हैं और बाहर के लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं।

पाकिस्तान के लिए टेररिज्म ही टूरिज्म

मोदी ने कहा कि आज कच्छ का टूरिज्म दुनिया में फेमस है। हम टूरिज्म को बढ़ावा भी दे रहे हैं। वहीं, एक पाकिस्तान जैसा देश भी है, जो टेररिज्म को ही टूरिज्म मानता है, जो दुनिया के लिए बहुत बड़ा खतरा है पीएम मोदी ने भुज में कहा कि एक समय था, जब मांडवी जहाज निर्माण के लिए प्रसिद्ध था। आज भी वह शक्ति मांडवी में देखने को मिलती है। अब हम एक आधुनिक जहाज पर सवार होकर विश्व की यात्रा करना चाहते हैं। हम इसका विनिर्माण और निर्यात करना चाहते हैं। भावनगर के अलंग में जहाज तोड़ने का सबसे बड़ा यार्ड है। अब हमने जहाज निर्माण में भी निवेश किया है।

कच्छ ने दुनिया के ऊर्जा मानचित्र पर जगह बनाई

पीएम मोदी ने कहा कि कच्छ के जो रेगिस्तान कभी हमें धूल और नमक से घिरे रहते थे, वही रेगिस्तान आज पूरे देश को ऊर्जा देने वाले बन गए हैं। कच्छ ने दुनिया के ऊर्जा मानचित्र पर अपनी जगह बना ली है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि आपको पर्याप्त बिजली मिले और बिल भी शून्य हो जाए। इसके लिए हमने पीएम सूर्य घर योजना भी शुरू कर दी है। पीएम मोदी ने कहा कि जब कच्छ में भूकंप आया तो दुनिया को ऐसा लगा कि सबकुछ खत्म हो गया। अब कुछ नहीं हो सकता। उस समय कच्छ मानो मौत की चादर तले सो रहा था, लेकिन मैंने कभी अपना विश्वास नहीं खोया। मुझे कच्छ के लोगों पर भरोसा था। मुझे विश्वास था कि कच्छ इस संकट से उबर जाएगा। मेरा कच्छ फिर से खड़ा हो जाएगा और आपने ठीक वैसा ही किया।

आपका दिया सिंदूर का पौधा पीएम हाउस में लगेगा

मोदी ने कहा कि 9 मई की रात को कच्छ की सीमा पर भी ड्रोन आए थे। वे (पाकिस्तान) 1971 की जंग भूल गए। कच्छ की माताओं-बहनों ने धूल चटा दी थी। कुछ घंटों में उन्होंने यह रनवे तैयार कर दिया था। कच्छ की उन्हीं माताओं-बहनों ने मुझे आशीर्वाद दिया है। मुझे उन्होंने सिंदूर का पौधा दिया है। आपका दिया हुआ यह पौधा अब पीएम हाउस में लगेगा। अब यह वटवृक्ष बनेगा। पीएम ने कहा कि मैंने देश की सेना को खुली छूट दे दी है। सेना के निशाने पर आतंकियों के हेडक्वॉर्टर थे। हमारी सेना ने अगल-बगल में नुकसान पहुंचाए बिना वापस भी आ गए। यह दिखाता है कि हमारी सेना कितनी सक्षम और अनुशासित है। हमने दिखाया कि आतंकवादियों के ठिकानों को मिट्टी मे मिला सकते हैं। यह हमारी सेना की ही ताकत थी कि आज भी पाकिस्तान के सारी एयरबेज आईसीयू में पड़ी हैं।

कच्छ गुजरात का तोरण

पीएम ने कहा कि कांडला देश के तीन ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट्स में से एक है। आज भी एक कारखाने का शिलान्यास हुआ है। इसमें जो टेक्नोलॉजी लगी है, वह भी मेड इन इंडिया का है। दुनिया के सबसे बड़े सोलर पॉवर प्रोजेक्ट्स में से एक यहीं कच्छ में बन रहा है। लोग कच्छ को रण कहते थे, लेकिन मैं इसे कच्छ का रण नहीं, बल्कि गुजरात का तोरण कहता हूं। भुज में मोदी ने कहा कि अभावों के बीच का आत्मविश्वास से भरे हुए कच्छ के लोग हमेशा मेरे जीवन को दिशा देते रहे हैं। जो पुरानी पीढ़ी के लोग हैं, वे जानते हैं। वर्तमान पीढ़ी को पता नहीं होगा। आज तो यहां के जीवन बहुत आसान हो गया है, लेकिन पहले हालात कुछ और थे। मुख्यमंत्री के रूप में नर्मदा का पानी जब कच्छ की धरती पर आया तो वह दिन कच्छ की दिवाली बन गया था। कच्छ ने पहली बार वो दिवाली देखी थी। मेरा सौभाग्य है कि सूखी धरती पर पहुंचाने के कार्य में निमित्त बनने का मुझे अवसर मिला।

हर राज्य सीएम डॉ. यादव की पहल का करेगा अनुकरण

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर में तीन दिवसीय कृषि उद्योग समागम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। मैं अभिभूत हूं कि मेरे सामने बैठे युवा, नारी शक्ति और सभी लोग अन्नदाता हैं, देश के भाग्यविधाता हैं। किसान की जितनी पूजा की जाए, उतनी कम है। किसान भारत की रीढ़ की हड्डी है। किसान समरसता का प्रतीक है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मनमोहक हैं, कार्यशील हैं। वे हर पल गांव और किसान की चिंता करते हैं। इनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश सबसे बड़ी छलांग लगाएगा। ये मैं अपने सामने देख रहा हूं। क्योंकि, आज की कृषि को उद्योग से जोड़ने की जो पहल है वो बहुत बड़ी सोच का परिणाम है।

उप-राष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता किसान के खेत से जाता है, विकसित भारत का रास्ता गांव से निकलता है, विकसित भारत की कुंजी किसान के पास है। उस किसान को डॉ. मोहन यादव सृजित कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा उछाल आएगा। पूरे देश में विकसित भारत के लिए महायज्ञ चल रहा है। यह महायज्ञ हर किसी की आहुती मांगता है। सबसे निर्णायक आहुती किसान की है। मेरे किसान भाई पूरी तरह सजग हैं। यह लक्ष्य हम हासिल करके रहेंगे। मैं किसान भाइयों से अपील करूंगा कि आप अपने आपको उत्पाद तक सीमित मत रखिए, आपको इसकी मार्केटिंग से जुड़ना चाहिए। किसान को व्यापार-उद्योग में आना चाहिए, तभी उसकी तरक्की होगी। मैं मानकर चलता हूं कि मध्यप्रदेश में किसान-उद्यमी ज्यादा से ज्यादा होंगे। किसानों की राष्ट्रभक्ति और मेहनत से हम विकसित राष्ट्र का लक्ष्य 2047 से पहले ही हासिल कर लेंगे।

1300 करोड़ के कृषि उद्योग आकार लेंगे- सीएम

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में 2002-03 से आज तक एक लाख 32 हजार रुपए प्रति व्यक्ति आय हुई है। आने वाले समय में बिजली बिल से मुक्ति मिल जाएगी। 32 लाख किसानों को सोलर पंप देने की योजना लागू की है। यहां प्रदर्शनी के माध्यम से आधुनिक कृषि यंत्र आए हैं। फसल का उत्पादन बढ़ेगा। कृषि आधारित फूड प्रोसेसिंग कम है। इसी के उद्देश्य से किसान मेला चालू किए हैं। इसी सिलसिले में तीन दिन तक प्रदर्शनी लगेगी। किसानों को सब्सिडी के माध्यम से जो यंत्र चाहेंगे, सरकार देगी। नरसिंहपुर में 102 हेक्टेयर में नए कृषि आधारित फूड पार्क तैयार किया जा रहा है। 1300 करोड़ से ज्यादा के उद्योग के नए संकल्प लेकर आकार लेंगे। किसान को 5 रुपए में परमानेंट बिजली कनेक्शन देने का निर्णय किया है। किसानों को पटवारी के पास जाने की जरूरत नहीं है। बंटवारा, रजिस्ट्री और नामांतरण को ऑनलाइन किया गया है। पूरे प्रदेश में किसान मेले लगाए जाएंगे। इसके बाद सीहोर के पास 12-13 अक्टूबर को बड़ा मेला लगाया जाएगा।

एनआईए ने दिल्ली से सीआरपीएफ के जवान को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में एक सीआरपीएफ के जवान को गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारियों के साथ संवेदनशील जानकारी शेयर करने के आरोप है।

एनआईए ने बताया कि आरोपी मोती राम जाट जासूसी गतिविधि में सक्रिय रूप से शामिल था। जासुस जाट 2023 से पाकिस्तान खुफिया अधिकारियों (पीआईओ) के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी क्लासिफाइड जानकारी शेयर कर रहा था। एनआईए को जांच में पता चला कि वह अलग-अलग माध्यमों से पीआईओ से धन ले रहा था। एनआईए ने मोती राम को दिल्ली से पकड़ा था। आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है। एनआईए ने सोमवार को पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत में पेश किया, जहां से आरोपी 6 जून तक एनआईए की कस्टडी में भेज दिया है।

बता दें कि, पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी जासूसों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

एक और भाजपा नेता के बिगड़े बोल, कहा-

भगवान परशुराम ने अनेकों दफा आतंकवादियों को नष्ट किया

चंडीगढ़। इन दिनों भाजपा के नेता कुछ ऐसा बयान दे रहे हैं, जिससे बार-बार विवाद खड़ा हो जा रहा है। यहां हरियाणा के पूर्व मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रामबिलास शर्मा एक बार फिर अपने बयान को लेकर विवादों में घिर गए हैं। इस बार उन्होंने भगवान परशुराम की महत्ता बताते हुए ऐसा कथन दिया, जिससे क्षत्रिय समुदाय में नाराजगी की लहर दौड़ गई है।

दरअसल भाजपा नेता रामबिलास शर्मा ने एक सभा के दौरान कहा कि, भगवान परशुराम ने पौराणिक कथाओं के अनुसार 21 बार क्षत्रियों का अंत किया। उन्होंने आतंकवाद को खत्म किया। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान परशुराम का फरसा उस समय का परमाणु बम था। उनके इस बयान को क्षत्रिय समाज ने अपमानजनक बताते हुए विरोध दर्ज कराया है। शर्मा का यह बयान ऐसे समय आया है जब पहले ही बीजेपी के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के एक कथन पर विवाद छिड़ा हुआ है। जांगड़ा ने पहलगाम हमले में अपने पति को खो चुकी महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसे लेकर जनता में भारी रोष है। अब रामबिलास शर्मा ने न केवल उस बयान पर चुप्पी साधी, बल्कि उसे अपने 'बड़े भाई का कथन' कहकर समर्थन की बात कही। इसके साथ ही भाजपा नेता शर्मा ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी तीखी टिप्पणी की, जिस पर विपक्ष खासा नाराज है। उन्होंने राहुल को लेकर कहा कि, सोनिया गांधी उन्हें ट्यूशन लगवाती हैं, लेकिन वह हर बार फेल हो जाते हैं।

उन्होंने यह बयान उस वक्त दिया जबकि वो 30 मई को रोहतक में मनाई जाने वाली भगवान परशुराम जयंती की तैयारियों को लेकर भिवानी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे थे। इस दौरान उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और उन्हें जयंती में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया गया।

देश की 140 करोड़ जनता परेशान, 11 सालों में ऐसा रहा कमल का निशान

नई दिल्ली। केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने वाले हैं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार द्वारा अच्छे दिन के अपने वादे को पूरा करने में किए गए प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। एक्स पर खड़गे ने मौजूदा शासन के बारे में कई चिंताओं को उजागर किया है, जिसमें बेरोजगारी, नौकरी और आय के वादे, हाशिए पर पड़े समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियां, बढ़ती मुद्रास्फीति और असमानता, मेक इन इंडिया जैसी पहलों में रुकावटें, तनावपूर्ण विदेशी संबंध और लोकतांत्रिक संस्थानों का कमजोर होना शामिल है।

खड़गे ने लिखा कि 26 मई 2014, 11 सालों में बड़े-बड़े वादों को खोखले दावों में बदलकर मोदी सरकार ने देश की ऐसी दुर्दशा की है कि अच्छे दिन की बात अब एक डरावने सपना लगती है। सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा, असलियत में गायब। किसान की न आय दोगुनी हुई, ऊपर से खाने पड़ी रबर बुलेट। महिला के आरक्षण पर शर्तें लागू, सुरक्षा तार-तार। कमजोर वर्ग एससी/एसटी/माइनोरेटी पर भयावह अत्याचार, हिस्सेदारी खत्म। अर्थव्यवस्था में महँगाई की पराकाष्ठा, बेरोजगारी की बाढ़, मेक इन इंडिया रहा फ्लॉप और असमानता चरम पर उन्होंने आगे लिखा कि विदेश नीति वादा था 5विश्वगुरु5 बनने का, बिगाड़े हर देश से सम्बन्ध। लोकतंत्र हर स्तंभ पर आरएसएस का हमला, ईडी/सीबीआई का दुरुपयोग, संस्थानों की स्वायत्तता उजाड़ दी। 140 करोड़ जनता का हर तबका परेशान। 11 सालों में ऐसा रहा कमल का निशान!!

केंद्र में बीजेपी का निर्बाध अभियान 2014 में शुरू हुआ जब भगवा पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। इसने 2019 और 2024 के आम चुनावों में सत्ता बरकरार रखी, जिससे लगातार तीन कार्यकाल पूरे हुए। 2014 में अपनी पार्टी की जीत के बाद पीएम मोदी ने कहा था कि भारत जीत गया है भारत विजयी है। अच्छे दिन आने वाले हैं।

फिर सुर्खियों में नीतीश का अजीब व्यवहार, आईएएस अधिकारी के सिर पर रख दिया गमला

राजद ने वीडियो शेयर कर सीएम नीतीश की दिमागी हालात पर उठाए सवाल

पटना। पटना के कृषि भवन में आयोजित सरकारी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अजीब व्यवहार करते दिखे। कैबिनेट अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ के स्वागत के लिए लाए गमले को नीतीश ने अचानक उनके सिर पर रख दिया। सिद्धार्थ ने तुरंत गमला हटाया, लेकिन तब तक वह पल कैमरे में कैद हो चुका था। सीएम के इस व्यवहार को लेकर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। वहीं नीतीश फिर अपने अजीब व्यवहार को लेकर सुर्खियों में हैं।

दरअसल कार्यक्रम के दौरान जैसे ही नीतिश मंच पर पहुंचे,

उनका स्वागत करने के लिए कैबिनेट अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ एक गमला (पौधा सहित) लेकर पहुंचे। नीतीश ने बिना किसी झिझक के गमला अपने हाथ में लेकर सीधे अधिकारी सिद्धार्थ के सिर पर रख दिया। हालांकि सिद्धार्थ ने तुरंत ही गमला हटाकर एक अन्य अधिकारी को सौंप दिया, लेकिन तब तक वहां मौजूद कैमरों ने वह क्षण कैद कर लिया था। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो गया है और नीतीश कुमार के इस व्यवहार को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

इस पूरे घटनाक्रम पर लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने वीडियो शेयर करते हुए तंज कसा, दिमाग पर हो चुका विक्षिप्तपन का हमला, चाचा रख दे रहे हैं अपने अधिकारी के माथे पर गमला।

वीडियो वायरल होने के बाद राजद ने शेयर किया है। पार्टी ने लिखा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश की मानसिक स्थिति! सरकारी कार्यक्रम में एक आईएएस अधिकारी सीएम का स्वागत कर रहे हैं, वहीं सीएम सभी प्रोटोकॉल और मान-मर्यादा को ताक पर रखकर अधिकारी के सिर पर ही गमला रख दे रहे हैं।

खूंखार नक्सली बसवराजू का शव परिवार को नहीं मिलेगा

नई दिल्ली। जिंदगीभर जंगलों में मारकाट मचाने वाले नक्सली नेता नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू का अंतिम संस्कार गुपचुप तरीके से किया जाएगा। 22 मई को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में हुए एनकाउंटर में बसवराजू को मार गिराया गया था। उसके शव को पुलिस परिवार को नहीं देना चाहती है। आतंकवादियों की तरह उसका अंतिम संस्कार करने की तैयारी है। पुलिस नहीं चाहती है कि नक्सली विलेन को हीरो बनाने का कोई मौका उसके समर्थकों को दिया जाए। एक रिपोर्ट के मुताबिक बसवराजू की सौतेली मां और भाई आंध्र प्रदेश के श्रीकुलम जिले में रहते हैं। उसके भाइयों और कुछ रिश्तेदारों ने शव लेने छत्तीसगढ़ पुलिस से संपर्क किया। पुलिस दावों की जांच कर रही है और अंतिम फैसला लेने से पहले हर पहलू पर विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि पुलिस बसवराजू का अंतिम संस्कार उसी तरह करेगी जिस तरह 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के मारे जाने के बाद किया जाता है। एनकाउंटर के बाद शव को परिवार के हवाले नहीं किया जाता है और पुलिस अज्ञात स्थान पर शव का अंतिम संस्कार करती है। परिवार के कुछ सदस्यों को इसमें शामिल होने की इजाजत होती है।

बरसात के पूर्व वार्ड वासियों को सता रहा जलजमाव का डर

कई वार्डो में नही किए गए पानी निकासी के इंतजाम, निचले इलाकों में पानी निकासी तो दूर नालियों तक कि सफाई नही करा पायी नपा, नगर के वार्ड नंबर 4 का मामला, वार्डवासियों ने सौपा ज्ञापन, नपा और पार्षद के खिलाफ जताया आक्रोश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। श्री स्टार का दर्जा प्राप्त करने वाली बालाघाट नगरपालिका का नगर के विभिन्न वार्डो पर कोई ध्यान नही है।जिसके चलते कई वार्डो के हालात बद से ज्यादा बत्तर बने हुए हैं।जहा रहने वाले वार्डवासियों को नपा द्वारा अबतक पक्की सड़क, नाली ,साफ सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नही कराई जा रही है।जिससे वार्डवासियों में नगर पालिका और स्थानीय वार्ड पार्षद के खिलाफ लगातार आक्रोश पनप रहा है।जी हां बात कर रहे हैं नगर के वार्ड नंबर 4 फ्रेंड्स कालोनी कि जहां नपा द्वारा अब तक पक्की सड़क नाली व पानी निकासी की व्यवस्था नहीं की गई है। जिसके चलते बरसात के पूर्व ही वार्डवासियों को जलजमाव का डर सताने लगा है। बताया जा रहा है कि वार्ड की नालियों की साफ सफाई ना होने के चलते अक्सर बरसात में नालियों का गंदा पानी सड़कों पर आ जाता है।जो सड़क से होते हुए घरों के भीतर घुस जाता है। ऐसे में यदि बरसात शुरू हो जाए तो वार्ड का आलम क्या होगा,इसी बात की चिंता अब वार्डवासियों को सत्ता रही है। वही साफसफाई ना होने और पानी निकासी की व्यवस्था ना होने के कारण गंदगी और मच्छर का प्रकोप पूरे वार्ड में है जिस पर नगरपालिका का अब तक कोई ध्यान नहीं है।जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए वार्डवासियों ने सोमवार को नगर पालिका पहुचकर एक ज्ञापन सौपा है जिसमे उन्होंने बरसात के पूर्व वार्ड में पक्की सड़क नाली व रोजाना साफ सफाई की व्यवस्था बनाए जाने की मांग की है। तो वही मूलभूत सुविधाएं ना मिलने पर टैक्स देना बंद करने की बात कहते हुए, आगामी समय मे चुनाव का बहिष्कार भी किए जाने की चेतावनी दी हैं।

कई बार सौंप चुके हैं ज्ञापन,नही हो रही सुनवाई

ऐसा नहीं है कि वार्ड वासियों ने इस एक छोटी सी समस्या को लेकर जिम्मेदारों को आवेदन निवेदन नहीं किया है बल्कि वार्डवासियों ने स्थानीय पार्षद से लेकर जनप्रतिनिधियों नपा के अधिकारियों कर्मचारियों को तक ज्ञापन सौंप चुके है। लेकिन वार्डवासियों के इस आवेदन निवेदन का जिम्मेदारों पर अब तक कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।जहां जिम्मेदारों ने अब तक वार्ड की समस्या पर ध्यान नहीं दिया है जिसका खामियाजा वार्ड वासियों को भुगतना पड़ रहा है।जिसपर वार्डवासियों द्वारा आक्रोश जताते हुए ज्ञापन सौपा गया है।

1 साल से आश्वासन पर चल रहा नपा का काम

वार्डवासियों ने बताया कि फ्रेण्डस कालोनी वासी नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड नं. 04 में निवास करते हैं। हमारी कालोनी में बारीश के मौसम में जल भराव कि समस्या बहुत ज्यादा रहती हैं,यह समस्या निरन्तर वर्ष भर मौसमी बारीश के चलते समय-समय में होते रहती हैं।जिससे स्कूल, कालेज के बच्चों एवं कालोनी में निवासरत कोलोनी वासीयों को निरंतर इन दिक्कतों का सामना करना पड़ता हैं। कालोनी कि इस समस्या को वार्ड पार्षद एवं नगरपालिका को पिछले 1 वर्ष से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन समस्या का किसी प्रकार का निराकरण नहीं हुआ हैं।उन्होंने बताया कि सड़क में लगभग 100 मीटर तक जल भराव बना रहता हैं। जल भराव की समस्या के चलते, स्वच्छता में कमी की वजह से यहाँ मच्छरों जहरिले कीटो एवं अन्य जीव जन्तुओं का खतरा बना रहता हैं।हम एक साल से ज्ञापन सौप रहे है। हर बार हमें सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही मिलता हैं।हमारा निवेदन है कि कालोनी का जायजा लेकर जल्द से जल्द पक्की सड़क व नाली निमार्ण करे, और रोजाना साफ सफाई की व्यवस्था बनाकर समस्याओं का निराकरण करे ताकि कालोनी वासियों की समस्या का समाधान हो सके।

ना पक्की सड़क, ना पक्की नाली,पानी निकासी की तक व्यवस्था नहीं - शकील

वार्डवासी शकील खान ने बताया कि वार्ड नंबर 4 पार्षद को कई बार सड़क नाली साफ सफाई की व्यवस्था करने कहा गया है। लेकिन वह इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। वार्ड में रोजाना कचरा गाड़ी भी नहीं आती और ना ही रोजाना साफ सफाई होती है तीन-चार दिनों में एक बार कचरा गाड़ी आती है वह भी पूरा कचरा नहीं ले जाती। वार्ड में मच्छरों का प्रकोप है जगह-जगह गंदगी है। जब भी सड़क नाली निर्माण की बात करो तो वह आश्वासन पर आश्वासन देते हैं लेकिन व्यवस्था नहीं बनाई जाती हमारी मांग है कि रोजाना नालियों की साफ सफाई की जाए ,वार्ड से कचरा उठाया जाए ,घर-घर कचरा गाड़ी भेजी जाए और जल्द से जल्द या हो सके तो बरसात के पूर्व पक्की सड़क व नाली का निर्माण कार्य कराया जाए ताकि वार्ड वासियों को राहत मिल सके।

सुविधा ही नहीं मिल रही ही, इसलिए हमने टैक्स देना बंद कर दिया है- यूनुस

वार्डवासी यूनुस कुरैशी ने बताया कि हमारे मोहल्ले में पक्की सड़क व पक्की नाली नहीं है साफ-सफाई के भी इंतजाम नहीं है। जिसके चलते वार्ड वासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वही नर्सिंग कॉलेज व स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार आवेदन निवेदन करने के बाद भी हमारी समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है।पिछले वर्ष बारिश में जल भराव को देखते हुए पार्षद ने बड़े-बड़े बोल्डर सड़क पर गिरवा दिए थे।जिससे भी आने-जाने में दिक्कतें हो रही है।नगर पालिका को भी पिछले 1 वर्षों से आवेदन निवेदन कर रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हमारी मांग है कि जल्द से जल्द वार्ड वासियों को पक्की नाली सड़क व साफ सफाई की सौगात दी जाए। उन्होंने बताया कि अब तक हम टैक्स देतें आ रहे थे। लेकिन हमारी समस्या का निराकरण नहीं हो रहा है इसीलिए हमने टैक्स देना भी बंद कर दिए है। जब तक समस्या का निराकरण नहीं होगा तब तक हम टैक्स भी नहीं देंगे।

तो चुनाव का करेंगे बहिष्कार- गौरव

वार्डवासी गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि वार्ड में पक्की सड़क व पक्की नाली की कमी है. कच्ची नालियों में हमेशा गंदगी भरी रहती है।कचरा उठाया ही नहीं जाता ,इससे पानी की निकासी नहीं हो पाती। वार्ड वासियों को बरसात के दिनों में काफी दिक्कत होती है। पार्षद को बोलो तो वह बोलता है कि इस मोहल्ले से हमें वोट नहीं मिले हैं इसीलिए हम इस मोहल्ले का काम नहीं करेंगे। पिछले तीन वर्षों से पार्षद ने यहां आकर झांका तक नहीं है और ना ही समस्या का समाधान कर रहे हैं । यदि ऐसा ही चलता रहा तो आगामी समय मे हम सभी वार्डवासी चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

वार्ड की समस्या पर ध्यान दिया जाएगा- दीनु बसेने

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान पार्षद दीनु बसेने ने बताया कि चूंकि उनका वार्ड 4 किलोमीटर के दायरे में फैला है, जिसके चलते उन्हें पूरे वार्ड पर ध्यान देना पड़ता है। जहां तक कॉलोनी की सड़क की समस्या है, दो सड़को में एक की स्वीकृति मिल गई है।वार्ड में सफाई के लिए वाहन भी भेजा जाता है।वार्ड की समस्या पर ध्यान दिया जाएगा।

जल्द व्यवस्था बनाई जाएगी- कतरोलिया

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया ने बताया कि वार्ड वासियों की मांग के अनुरूप हम साफ सफाई की व्यवस्था कर देंगे। रोजाना गाडियां भेज कर वार्ड से कचरा उठाया जाएगा।जहां तक बात बरसात के पुर्व पक्की सड़क व नाली की है तो इसके लिए व्यवस्था देखना पड़ेगा। जैसे ही व्यवस्था हो जाएगी वैसे ही पक्की सड़क व नाली का निर्माण कार्य करा दिया जाएगा।

रूपझर में एक दिवसीय विशाल निशुल्क जांच एवं उपचार शिविर का हुआ आयोजन

सैकड़ों लोगो ने लिया नि:शुल्क चिकित्सा का लाभ

उकवा(पद्मेश न्यूज) । पीडित मानव सेवा एवं त्याग के लिए प्रसिद्ध संस्थान विचक्षण जैन हास्पिटल बालाघाट एवं प्यूरिटी सर्विसेस नागपुर और आयुष ऐसोसिएशन उकवा द्वारा ग्राम रुपझर में एक दिवसीय विशाल निशुल्क जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया शिविर में डॉ विश्वजित जैसवाल बालाघाट, डॉ प्रभाशंकर मिश्रा, डॉ अक्षय अरोरा, बालाघाट डॉ मिरा अरोरा बालाघाट, आदि शिविर में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे शिविर में हृदय रोग,दंत रोग ,पेट रोग एवं जनरल सर्जरी नेत्र रोग शिशु रोग स्त्री रोग

आदि से संबंधित मरीजों का इलाज कर महंगी दवाइयो का नि:शुल्क वितरण किया गया,साथ ही मुफ्त में अनेक ग्रामीणों का इसीजी ,शुगर,पीबी,रक्त आदि की जांच की गई,कार्यक्रम का विधिवत रिबन काट का शुभारंभ थाना प्रभारी रूपझर संजय कुमार इक्का एवं सामाजिक कार्यकर्ता तथा सर्व धर्म सेवा समिति उकवा के अध्यक्ष जेम्स बारीक, नितिन कुमार,हरदेव सिंह हीरा पावर एंड स्टील लिमिटेड ,शरद लूटे, विक्रम चौधरी डायरेक्टर प्यूरिटी नागपुर बालाघाट आदि अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में किया गया ,जहां उपस्थित अथिति एवं डॉक्टरों का ग्राम सरपंच राजेश मर्सकोले सचिव राजेश पटले, गौतम मरकाम उप सरपंच घनश्याम प्रसाद उपाध्याय अविनाश उपाध्याय, कुबेर राणा अनुज बघेल ,मनोज गौतम,जमना बिसेन आदि द्वारा स्वागत किया गया।शिविर प्रारंभ होने के पूर्व ही भारी संख्या में मरीज शिविर में पहुंचने लगे शिविर में सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु विक्रम चौधरी डॉ.हेमंत बिसेन, डॉ प्रभात घुले,डॉक्टर केके गुप्ता,डॉक्टर यशविन बांपरे,डॉक्टर अमित ठाकरे,आदि के साथ साथ सामाजिक कार्यकर्ता संदीप गजभिये, कृष्णा गौतम, विमल भावे,शैलेश गौतम, पीहू हरिद्वार, आदि द्वारा विशेष सहयोग रहा,शिविर में लगभग 500 मरीज महिला पुरुष का उपचार कर उन्हें निशुल्क दवाइयां प्रदान की गई शिविर के सफल आयोजन हेतु ग्राम पंचायत रुपझर के प्रसिद्ध कथावाचक पं. ईशु महाराज द्वारा समस्त सहयोगी तथा समस्त चिकित्सक तथा ग्राम वासियों का आभार व्यक्त किया गया शिविर का आयोजन पं. ईशु महाराज जी परिवार द्वारा समाज हित में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कार्यक्रम में दिए गए सहयोग हेतु समस्त चिकित्सक आमंत्रित पत्रकार तथा समस्त नर्स एवं अन्य समस्त कार्यकर्ताओं को स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

डीएलआरसी और डीएलसीसी की चतुर्थ मासिक बैठक 28 मई को

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) और जिला स्तरीय बैंकर्स समिति (डीएलसीसी) की चतुर्थ मासिक की बैठक 28 मई को आयोजित की गई है। बैठक शाम 4 बजे डीएलआरसी व डीएलसीसी शाम 5 बजे कलेक्ट्रेट सभागृह में आयोजित की जाएगी।

आवश्यकता है

मेडिकल होलसेल/ रीटेल में कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है

अनुभवी एवं कम्प्युटर प्रशिक्षित को प्राथमिकता

-संपर्क करें-

मनीषा मेडिकोज, बालाघाट

मो. 7073101956

एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

मानसिक रूप से अस्वस्थ हुमेंद्र धुर्वे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खजरा के सरई टोला में एक व्यक्ति ने अपने घर के अंदर ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गढ़ी पुलिस ने मृतक हुमेंद्र पिता छोटेलाल धुर्वे 40 वर्ष की फांसी पर लटकी लाश उसके घर से बरामद की और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। इस व्यक्ति ने दिमागी हालत ठीक नहीं होने के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हुमेंद्र धुर्वे अपने परिवार के साथ खेती किसानी और मजदूरी करता था ।जिसके परिवार में पत्नी और बच्चे भी है । यह भी बताया गया है कि पिछले चार माह से हुमेंद्र धुर्वे का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था और वह घूमते रहता था पागलपन जैसे हरकत करते रहता था। जिसने दो-तीन बार भी फांसी लगाने का प्रयास किया था। किंतु परिजनों ने उसे समय रहते बचा लिये थे। 24 मई को परिवार के लोग बाहर गए हुए थे। घर में हुमेंद्र धुर्वे ही था। 3:00 बजे जब परिवार के लोग घर आए तब उन्होंने हुमेंद्र। धुर्वे को मकान की परछी की मयाल में फांसी पर लटका हुआ देखे ।हुमेंद्र धुर्वे ने नायलॉन की रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी जिसकी रिपोर्ट रमेश पिता गहरु तेकाम 47 वर्ष ने गढ़ी पुलिस थाना में की थी। जहां से सहायक उपनिरीक्षक कमल पडवार ने सरईटोला पहुंचकर मृतक हुमेंद्र धुर्वे का शव बरामद किये।25 मई को सहायक उप निरीक्षक पडवार ने हुमेन्द्र का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने की वजह से हुमेंद्र धुर्वे ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली,आगे मर्ग जांच की जा रही है।

एनसीसी का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का छटवां दिन सीएटीसी- 96

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । एनसीसी के दस दिवसीय 96वां संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर के छटवे दिन प्रात: 05 बजे शारिरिक योगा तथा पीटी से शुरूवात की गई। योगा प्रशिक्षक एच आर पटले एवं दशरथ बिसेन, पंतजली योग समिति बालाघाट को कैडेटस को संपूर्ण शिविर के दौरान योग प्रशिक्षण के लिए सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सभी कैडेट्स को ड्रिल तथा हथियार का प्रशक्षिण के साथ एनसीसी कैडेटस को भरवेली फायरिंग रेंज में फायरिंग करवाई गई तथा शेष कैडेटस की एनसीसी कक्षा का संचालन किया। सायंकाल में विशेष व्याख्यान के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर के संबंध में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीष शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमति शिखा शर्मा द्वारा नशा पीडितों के लिए विधिक सेवा, बाल श्रम, लैंगिक अपराध, बाल विवाह, मोटर व्हीकल एक्ट, मौलिक अधिका एवं मूल कर्तव्य के संबंध में संपूर्ण जानकारी साथ ही बसंत ठ्हाके चीफ लीगल एण्ड डिफेंस काउंसल द्वारा सॉविधान में हुए संसोधन के जानकारी भी दी गई। तत्पश्चात खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत वालीवाल खेल फाइनल मैच करवाया गया जिसमें विजेता एवं उपविजेता टीम को मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया । इस अवसर पर शिविर कैम्प एजुटेंट कैप्टन राजेन्द्रसिंह कुसराम, एनसीसी अधिकारी डॉ गजानन कटरे एवं अन्य सहयोगी एनसीसी अधिकारी के साथ सुबेदार जोगिंदरलाल, हवलदार बिमल दहल एवं अन्य सहयोगी पीआई भी उपस्थित रहें।

सामूहिक सहभागिता का मॉडल अपनाकर महिला रेंजर ने की वन व वन्य जीवों की सुरक्षा

ग्रामीण महिलाओं को किया सशक्त निभाई आत्मनिर्भर बनाने में भूमिका युवकों में जगाया सेवा का नजरिया, वनीय क्षेत्रों में स्थापित की लायब्रेरी की संकल्पना स्थापना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जब काम बड़ा हो और रास्ते कठिन हो तो खास तरह की युक्ति सफलता दिलाती है और अगर वहीं काम किसी महिला के कंधों पर हो तो चुनोतियाँ और भी बढ़ जाती है। इस बड़ी चुनोती को कान्हा नेशनल टाइगर पार्क के इर्द-गिर्द की रेंज और कोर इलाके में रहीं महिला रेंजर श्रीमती सीता जमरा ने बखूबी अंजाम दिया है। 9 वर्षो से कान्हा नेशनल टाइगर पार्क कोर और बफर जोन में रेंजर के तौर पर सेवा करने वाली श्रीमती जमरा ने वन और वन्य जीवों की सुरक्षा में सामूहिक सहभागिता का मॉडल अपनाकर सशक्ति के साथ सफलताएं अर्जित की है। उन्होंने वनों पर आधारित ग्रामीणों की जीविका को समझते हुए जनजातीय महिलाओं को सशक्त करने और उन्हें आत्मनिर्भर करने की दिशा में कदम बढ़ाएं और नव युवकों में सेवा का जज्बा जगाते हुए वनों से सटे गांवों में लायब्रेरी की संकल्पना की शुरुआत की। उन्होंने बैगा महिलाएं जो बैगा संस्कृति पर आधारित परिधान और आभूषण मालाएं बनाने में कुशल महिलाओं के समूहों को बड़े स्तर पर मंच देने के प्रयास किये। ऐसे ही गांव के जो युवा रोजगार की तलाश में जुटे उनके लिए गांव में लायब्रेरी स्थापित की। इससे ग्रामीणों में उनके प्रति विश्वास जताया। फिर विभाग की योजनाओं व नीति अनुसार सहभागिता से कार्य संपादित किये। साथ ही अपना मुखबिरी का तंत्र मजबूत किया।

प्रवासी सम्मेलन और जी-20 कार्यक्रम में बैगा ज्वैलरी स्टॉल लगाने में सहयोग

समनापुर परिक्षेत्र के बाँधाटोला में बाधिन आजीविका समूह की बैगा महिलाएं जो बैगाओं की जीवन शैली व पारंपरिक आभूषण बनाने के कार्य में जुटी थी। उनके इस हुनर को ग्लोबली मंच प्रदान करने में बड़ी भूमिका अदा की। वर्ष 2023 में इंदौर में आयोजित हुए प्रवासी दिवस सम्मेलन और इसी वर्ष भोपाल में हुए जी-20 सम्मेलन में समूह द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। पहली बार आयोजित हुई ऐसी प्रदर्शनी रेंजर श्रीमती जमरा के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। इसके बाद महिलाओं का हौसला बढ़ा और दोगुने उत्साह से इस कार्य को दक्षता के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ी।

परिक्षेत्र स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में पहली बार महिलाएं कबड्डी के खेल में उतरी

श्रीमती जमरा ने विभागीय दायित्वों के साथ महिलाओं के सशक्किकरण की दिशा में हमेशा प्रेरित करने का कार्य किया है। उनके निर्देशन में ही वर्ष 2021 में पहली बार ग्रामीण महिलाओं ने पहली बार परिक्षेत्र स्तरीय खेल प्रतियोगिता कबड्डी में शामिल हुई। करीब 13 रेंज की ईको विकास समितियों की महिलाओं ने सहभागिता प्रारम्भ की। जिससे महिलाओं में आत्मविश्वास जागा और अब निश्चित रूप से खेलो में आये आयी है।

ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की ओर रुझान बढ़ाया

श्रीमती जमरा ने सामूहिक सहभागिता के मकसद से ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी के लिए 5 गांवो में वाचनालय प्रारम्भ किये। ऐसा बालाघाट जिले में पहला नवाचार बना, जिसे अन्य परिक्षेत्रों में शुरु किया गया। उन्होंने 25 सितंबर 2022 को बहेराखार में कान्हा जंगल मित्र वाचनालय प्रारम्भ किया। इसके बाद पंडरा पानी, जैरासी और सरईपतेरा में भी शुरुआत हुई। इस लाइब्रेरियों में व्यापम द्वारा आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा एमपी पीएससी, एसएससी, बैंक कैशियर जैसे अनेकों परीक्षाओ का स्टडी मटेरियल व पत्रिकाएं उपलब्ध कराई। इन वाचनालय में पढ़ने वाले युवाओ का चयन भी हुआ है और आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित भी हुए है। इन वाचनालयों के बारे में जैसे ही कई पर्यटकों को जानकारी मिली, वे स्वयं भी आगे आये और पुस्तकें दान की

वन अपराध रोकने में सूझबूझ का दिया परिचय, शासन से मिला 50 हजार का सम्मान

वनक्षेत्रपाल श्रीमती जमरा ने अपने पदीय दायित्वों को निभाने में सामुहिक सहभागिता का खासा सहयोग मिला। इस सहयोग से उन्होंने 9 वर्षो की सेवा में 14 प्रकरणों में वन्य जीवों को बचाने व उनके संरक्षण के साथ गंभीर वन अपराधों पर नियंत्रण के लिए सूझबूझ के साथ काम किया। 14 रेस्क्यू ऑपरेशन में 51 अपराधियों को न्यायालय तक पहुँचाया। उन्हें 2021 में मप्र शासन द्वारा वनक्षेत्रपाल श्रेणी में वन्य प्राणी संरक्षण पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें उन्हें 50 हजार रुपये की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। श्रीमती जमरा ने बताया कि जब उन्होंने ग्रामीणों के साथ संवाद शुरू किया तो उनकी आवश्यकताओं के बारे में पता चला। इसके बाद उनके साथ जुड़ी और सामुहिक रूप से सहयोग मिला। इसके बाद कई तरह की सूचनाएं प्राप्त हुई।

विक्रय/किराये से देना है

श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड ग्राउंड फ्लोर एवं उसके उपर के दो फ्लोर (फ्लोर हाइट 15 फीट) पर स्थित कुल एरिया 3000 वर्गफीट का हाल/ दुकान/, बेचना/ किराये से देना है

-संपर्क-

8817024586, 9201340520

जमीन चाहिए

ठेका पर कृषि भूमि कि आवश्यकता है, पानी, बिजली सर्वोयुक्त कृषि योग्य

केवल बालाघाट/ वारासिवनी क्षेत्र के किसान संपर्क करें

संपर्क करें

8959050199

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

-निर्माता-

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

एक की परमिशन पर अवैध रूप से दो लोग खुदवा रहे थे ट्यूबवेल

कलेक्टर आदेश की अवहेलना पर हुई कार्यवाही, बोरिंग मशीन को किया गया जप्त, एसडीएम के निर्देशन पर चरेगांव पुलिस ने की कार्यवाही, जिले में ग्रीष्मकालीन सीजन का बना पहला प्रकरण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत टिटवा के ग्राम कटेगांव में अवैध ट्यूबवेल खनन किए जाने पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बोरवेल मशीन को जप्त किया है।तो वहीं एसडीएम के निर्देशन पर सम्बंधित पर पेयजल संरक्षण अधिनियम 9 के तहत प्रकरण तैयार किया जा रहा है। आपको बताएं की ग्रीष्मकालीन सीजन में बिना परमिशन ट्यूबवेल उत्खनन पर लगी रोक के बाद अवैध तौर पर ट्यूबवेल खनन किए जाने का जिले में यह पहला मामला है।जिस पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की गई है।

परमिशन एक की,ट्यूबवेल उत्खनन दो जगह किया

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत टिटवा के ग्राम कटेगांव निवासी यसंवत पिता मनिराम चंदवार के नाम से राजस्व विभाग से बकायदा परमिशन लेकर एक ट्यूबवेल खनन किया गया था। पर इसी परमिशन पर अवैध रूप से कटेगांव कृषक के खेत में चोरी से ट्यूबवेल खनन किया जा रहा था।जिसकी सूचना अज्ञात व्यक्ति से प्राप्त होने पर राजस्व विभाग के द्वारा इस अवैध ट्यूबवेल खनन पर सख्ती से कार्यवाही कर मशीन की जप्ती बनाई गई है।वही ट्यूबवेल उत्खनन बोर मशीन व अन्य उपकरणों को पुलिस चौकी चरेगांव की मदद से चौकी अभिरक्षा में लिया गया है।

कलेक्टर ने 31 जुलाई तक बिना अनुमति ट्यूबवेल खनन पर लगाई है रोक

आपको बताए कि कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा पूर्व में एक आदेश जारी किए गए थे। जारी आदेश के अनुसार 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया था।जिसमे बिना वैध अनुमति के ट्यूबवेल खनन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया था।बावजूद इसके भी ग्राम कटेगांव में भवनलाल पिता शिवप्रसाद

सोनडाहरे एवं आदित्य पिता राधेश्याम सोनडाहरे के नाम से राजस्व अभिलेख में दर्ज ख. न.192/3 रकबा 0.803 हेक्टेयर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग भूमि पर बोरिंग मशीन द्वारा बोर कराया जा रहा था।जिसकी सूचना मिलने पर मौके पर ग्राम कोटवार के साथ पुलिस के अमले द्वारा पहुंचकर स्थल का मुआयना किया गया। जिसमें पाया गया कि संबंधित भूमि कृषि के लिए उपयोग होती है, जिसमें कोई आवास स्थल भी नही है। इसके अलावा जहाँ बोर कराया जा रहा था, इसकी अनुमति भी भूमिस्वामी के पास उपलब्ध नही है।

आदेश के उल्लंघन पर जप्त की गई मशीन, बनाया प्रकरण

इस पूरे मामले में बोरिंग मशीन के कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि 260 फीट की गहराई तक भूमि में बोर किया गया है।जिसपर पुलिस टीम द्वारा कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी के आदेशों का उल्लंघन करने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत कार्यवाही करते हुए मौके पर पायी गई बोरिंग मशीन क्रमांक केए-01-एमएफ-5988 एवं एक सपोर्ट बोरवेल वाहन क्रमांक केए-01-एए-2089 जब्त कर स्थल पंचनामा, जब्तिनामा सुपुर्द कर पुलिस चौकी चरेगांव थाना लामता में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है।

धारा 9 के तहत कि जाएगी कार्यवाही - गोपाल सोनी

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान अनुविभागीय अधिकारी गोपाल सोनी ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा सूचना दी गई थी कि ग्राम पंचायत टिटवा के ग्राम कटेगांव में एक व्यक्ति को नलकूप खनन की परमिशन दी गई थी।लेकिन इस एक परमिशन पर एक और व्यक्ति द्वारा भी नलकूप का खनन किया जा रहा है।जिस पर चरेगांव चौकी पुलिस और राजस्व अमले को मामले की जानकारी देकर कार्यवाही कराई गई है।जिस पर जल संरक्षण अधिनियम की धारा 9 के तहत कार्यवाही की जा रही है।प्रकरण तैयार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। जिसके तहत 2 साल की सजा व 2000 रु का जुर्माना या फिर सजा और जुर्माना दोनों को प्रावधान है।एक सवाल के जवाब में उन्होंने आगे बताया की इस ग्रीष्मकालीन सीजन में इस तरह की कार्यवाही का यह पहला मामला है।

जैन कलार समाज बालाघाट का ऐतिहासिक निर्णय

समाज में नहीं होगा मृत्यु भोज, शादी की फिजूलखर्ची पर भी लगाने की तैयारी

समाज पदाधिकारी सदस्यों ने बैठक कर लिया अहम फैसला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जैन कलार समाज बालाघाट ने एक ऐतिहासिक निर्णय है।जिन्होंने सामाजिक उत्थान को ध्यान मे रखते हुए समाज में मृत्यु भोज, व शादी की फिजूलखर्ची रस्मो पर रोक लगाए जाने का फैसला लिया है।यह फैसला समाज पदाधिकारी सदस्यों ने एक बैठक का आयोजन कर सर्वसहमति ने लिया है।इस संदर्भ में जैन कलार समाज सचिव धनंजय सोनवाने ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आज की बैठक में लिए निर्णय के अनुसार इस वर्ष समाज सुधार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए मृत्यु उपरान्त होने वाले कार्यक्रम में तेरहवीं और चौदहवीं में केवल तेरहवीं के दिन होने वाले गंगा पूजन के उपरान्त यथा शक्ति कथा के उपरान्त प्रसाद वितरण को ही रखा जाए और उसके दूसरे दिन चौदहवीं के कार्यक्रम को समाज हित में स्थगित किया जाए। यह निर्णय समाज के समस्त वर्ग के हितार्थ लिया गया हैं। ताकि मृत्यु उपरान्त किसी भी परिवार के सदस्य को और आर्थिक बोझ न पड़े।इसी तरह खर्चीली शादी, विवाह में अन्य रीति रिवाजों में बेवजह वृद्धि, टीवी सिनेमा की देखा देखी विवाह में जबरन डाले गए रीति रिवाजों पर भी विस्तृत चर्चा हुई जिस पर अंतिम निर्णय हेतु अगली बैठक रखी जायेगी जिस पर निर्णय लिया जायेगा। बैठक के अन्त में श्रीमती कमला बाई सोनवाने के कुछ दिन पूर्व हुए निधन पर शोक सभा आयोजित की गई।बैठक में रवि सोनवाने, योगेन्द्र दहीकर, प्रभात मुरकुटे, झनकराम मानापुरे, कमलेश दहीकर, दिलीप मुरकुटे,धर्मेन्द्र दहिकर, डी. आर भरने, रमेश पलांदुरकर, गिरधारी रणदीवे, देवेन्द्र दहीकर उपस्थित रहे।जहां सभी ने सर्वसहमति से इस निर्णय के लिए समाज के अध्यक्ष प्रभाकर रणदीवे और सचिव धनंजय सोनवाने ने आभार व्यक्त किया।

अमावस्या पर पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

निर्जल व्रत धारण कर मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए किए गए विभिन्न अनुष्ठान, अमावस्या और पूर्णिमा दो तिथियो में आती है वटवृक्ष पूजा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पति की दीर्घायु, अखण्ड सौभाग्य जीवन ,परिवार की सुख समृद्धि सहित अन्य मंगल कामनाओं के साथ सोमवार को जिला मुख्यालय सहित जिले की विभिन्न तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में हिन्दू धर्मावलम्बी महिलाओं द्वारा सावित्री व्रत रखकर वट वृक्ष का पूजन किया गया।इस अवसर पर सोमवार सुबह से ही नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थित वट वृक्षों के आसपास महिलाओं का जमावड़ा लगा रहा। जहा फल-फूल मिष्ठान, सोलह श्रृंगार की वस्तुएं सहित अन्य सामग्रियां चढ़ाते हुए व्रतधारी महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर विशेष पूजा अर्चना की।जहा सुहागन महिलाओं ने वट वृक्ष के चारों ओर आठ बार घूम कर रक्षा सूत्र बांधकर अपने अखंड सौभाग्यवती रहने और पति की लंबी आयु, परिवार की सुख समृद्धि, सहित अन्य मनोकामनाओ की पूर्ति के लिए मंगल कामनाएं की।इस दौरान उन्होंने वट वृक्ष के नीचे बैठकर सत्यवान-सावित्री यमराज के कथा का वाचन व श्रवण किया। वहीं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

दो तिथियां में आती है वट वृक्ष पूजा

बताया जा रहा है कि अखंड सौभाग्य के लिए वट वृक्ष की पूजा दो तिथियां में की जाती है। जिसमें एक पूजा अमावस्या को तो दूसरी पूजा पूर्णिमा पर होती है।बताया जा रहा है कि यदि किसी कारणवश जिन सुहागन महिलाओ

ने इसके पूर्व पूर्णिमा पर वट वृक्ष की पूजा नहीं की थी, ऐसी महिलाओ ने भी आज अमावस्या पर वट वृक्ष की पूजा करके पति की दीर्घायु व परिवार की सुख समृद्धि के लिए प्राथनाएं की है।

विधि विधान से की गई पूजा-अर्चना

अमावस्या पर माता सावित्री का व्रत रख सुहागिन महिलाओं द्वारा वट वृक्ष की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई।इस दौरान महिलाओं ने बांस की टोकरी में सात तरह के अन्न सहित चना गुड का भोग भी वट वृक्ष के जड़ में लगाई। वही महिलाओं ने लाल रंग से रंगोली बनाकर सोलह श्रृंगार की सामग्री बांस के पंखे डलिया दौरी के साथ पुष्प, माला, रोली, सिंदूर, कुमकुम, चंदन, धूप, अगरबत्ती एवं घी के दीपक जलाकर वट वृक्ष की पूजा-अर्चना पूर्व दिशा में बैठ कर किया।वही वट वृक्ष के नीचे बैठक स्वल्पाहार, फरहारी आदि का सेवन कर वट वृक्ष की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए विशेष प्राथनाएं की।इस दौरान न सिर्फ सुहागिन महिलाएं बल्कि कुंवारी कन्याए भी इस विशेष पूजा शामिल हुई। बताया जा रहा है कि कुंवारी कन्याए अपने होने वाले पति की दीर्घायु के लिए इस व्रत को रखा करती हैं।

सावित्री माता ने यमदूत के पास से पति के प्राण वापस लाए थे

धार्मिक मान्यता के अनुसार प्राचीन काल में सत्यवान हरिशचंद जी जंगल गए थे।जिन्हें सांप ने काट लिया था। तब सावित्री माता ने अपने पति की दीर्घायु के लिए इस व्रत को रखा था। सावित्री माता ने यमदूत के पास से अपने पति के प्राण वापस लाए थे। यह व्रत कर उन्होंने सौ पुत्रों को जन्म देने वाला वरदान हासिल किया था।जिसके चलते यमदूत को उनके पति के प्राण वापस करने पड़े थे। तब से लेकर अब तक पति की दीर्घायु ,परिवार की सुख समृद्धि सहित अन्य मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जल व्रत रख वट वृक्ष की पूजा की जाती है।वही दो तिथियां में यह विशेष पूजा आने के चलते सुहागिन महिलाएं अमावस्या और पूर्णिमा पर सावित्री माता का व्रत धारण कर निर्जल रहकर,वट वृक्ष की पूजा अर्चना कर पति की दीर्घायु सहित अन्य मंगल कामनाओं की प्रार्थनाएं करती हैं।

आज का दिन महिलाओ के लिए विशेष है-वंदना

सोमवार को नगर के नर्मदा नगर शिव मंदिर के पास, मोतीतालाब दुर्गा मंदिर के सामने सहित अन्य स्थानो पर स्थित वटवृक्ष के नीचे सुहागन महिलाओं ने वटवृक्ष की विधि-विधान से पूजा अर्चना की।चर्चा के दौरान महिला वंदना ने बताया कि वटसावित्री व्रत का, सुहागन महिलाओं के लिए विशेष महत्व है। पति के दीर्घायु के लिए महिलाएं, यह व्रत रखती है और विधि-विधान से वटवृक्ष की पूजा अर्चना करती है। जिसमें सोलह श्रंगार की सामग्री के साथ ही फल और पकवानों का भोग लगाती है।

6 वर्ष बीत जाने के बाद भी, नही बना महज एक कि.मी दुरी का नाला

मामला अंबेडकर चौक से हनुमान चौक के बीच बनने वाले नाले का

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।6 वर्ष बीत जाने के बाद भी महज 1 किलोमीटर की दूरी का नाला अब तक बनकर तैयार नहीं हो पाया हैं। हम बात कर रहे हैं शहर के प्रमुख अंबेडकर चौक से हनुमान चौक के बीच बनने वाले नाले की, जो कि अब तक बनकर तैयार नहीं हो पाया हैं। जबकि देखा जाए तो इस नाले को बनाए जाने की कवायत आज से 6 वर्ष पहले शुरू हुई थी ।नगर पालिका द्वारा विधिवत नाले का टेंडर देकर नाले को बनाये जाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी ।6 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी आज नाला पूरी तरह से बनकर तैयार नहीं हुआ है ।इन दिनों नाले का निर्माण कार्य भी चल रहा है किंतु इस वर्ष भी नाला बनकर तैयार होगा या नहीं यह कहना अभी संभव नहीं है। जबकि नगर पालिका के प्रशासनिक अधिकारियों से इस विषय को लेकर जानकारी मांगी जा रही तो कोई भी कैमरे के सामने इस नाले के विषय को लेकर बोलने को तैयार नहीं है ।गोंदिया रोड पर हो रहे निर्माण कार्य से राहगीर सहित यहां के स्थानीय व्यवसायी भी परेशान है। क्योंकि बीते 6 वर्षों से यह नाला अभी तक पूर्ण नहीं हुआ है और नाला निर्माण के समय नालियों का गंदा पानी रोड से बह रहा है ।

आपको बता दे कि 6 वर्ष पहले अंबेडकर चौक से हनुमान चौक के बीच पानी निकासी की समस्या को देखते हुए नाले का निर्माण किया जा रहा था किंतु आज तक यह नाला बनकर तैयार नहीं हो पाया है । यदि इसकी दूरी की बात करें तो महज ही 1 किलोमीटर की दूरी है पर ठेकेदार द्वारा कछुआ गति की चाल से बनाए जाने के कारण यह नाला अब तक बनकर तैयार नहीं हो पाया है। कुछ समय पूर्व इसका काम जरूर शुरू किया गया था पर किसी कारणवश यह काम पूरा नहीं हो पाया और उसके बाद ठेकेदार द्वारा काम को रोक दिया गया। नई परिषद के गठन के बाद इसमें कुछ समय के लिए जरूर तेजी देखने मिली थी पर वह भी अब धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में जा चुकी है ।जबकि यह नाले का बनना बहुत ही आवश्यक है क्योंकि जिस प्रकार से हनुमान चौक में जलभराव की स्थिति निर्मित होती है वह सब स्थितियों को देखते हुए यहां पर पक्के नाले का निर्माण नगर पालिका द्वारा करवाया जा रहा था ।

अभी भी जलभराव की समस्या जैसी की वैसी

हर साल बरसात में हनुमान चौक में पानी निकासी की स्थाई व्यवस्था नहीं होने से हनुमान चौक में जलभराव की स्थिति निर्मित हो जाती है और यहां पर व्यवसायियों द्वारा इसके पूर्व भी नाव चला कर यहां पर जलभराव की स्थिति का विरोध किया गया था और इसके पूर्व में यहां पर सिर्फ गट्टू लगाकर वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी किंतु आज तक यहां पर जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान अभी तक नहीं किया गया है जबकि कुछ महीनों बाद बरसात का समय फिर आने वाला है उसके बावजूद भी नगर पालिका द्वारा 6 वर्षों में एक नाला तक कंप्लीट नहीं करवाया गया है वही व्यवसाय कर रहे व्यवसायियों से भी इसके पूर्व में आश्वासन देकर उनकी हड़ताल समाप्त की गई थी अब देखना होगा कि आने वाले समय में जलभराव की समस्या से नगरपालिका किस प्रकार निपट ती है ।

बीच से नही बनाया गया है नाला

अंबेडकर चौक से हनुमान चौक तक इस नाले निर्माण की बात करें तो इस नाले निर्माण की शुरुआत भले ही अंबेडकर चौक से इसका निर्माण कार्य शुरू किया गया था किंतु अभी यहां लास्ट छोर हनुमान चौक में निर्माण कार्य चल रहा है परंतु बात करें बीच में नाले की तो ठेकेदार द्वारा इसका निर्माण कार्य बीच-बीच में छोड़कर करवाया गया है। अब इसके पीछे उनकी क्या मंशा है यह तो वही जाने पर यदि यह नाले को जिस प्रकार से शुरुआत की गई थी उस प्रकार से नहीं बनाया गया है जबकि गायत्री मंदिर गली के सामने जहां पर दो-तीन नालों का पानी मिलता है।

नगर पालिका नहीं ले रही संज्ञान

जिस प्रकार से बीते 6 वर्षों से अंबेडकर चौक से लेकर हनुमान चौक तक नाले का निर्माण किया जा रहा है उसको लेकर कहीं ना कहीं नगर पालिका भी सुध नहीं ले रही है जिस कारण आज 1 किलोमीटर की दूरी का बनने वाला नाला 6 वर्ष बीत जाने के बाद भी कंप्लीट नहीं हुआ है । जबकि देखा जाए तो यह नाला सबसे व्यस्ततम मार्ग का है और पानी निकासी के लिए यह नाले का बनना बहुत ही आवश्यक है। किंतु नगर पालिका के संज्ञान नहीं लेने के कारण आज यह नाला 6 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी नहीं बना है। जब हमारे द्वारा इस विषय को लेकर नगर पालिका में बैठे जिम्मेदार उपयंत्री सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी से इस विषय पर चर्चा करनी चाही तो कोई भी अधिकारी इस विषय पर बोलने को तैयार नहीं है।

राज्य अलग हुए बीत गए 25 वर्ष, अब तक नही हटाई गई बंधनकारी धारा

मप्र छग.राज्य पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को किया जाए विलोपित

संयुक्त विभाग पेंशनर संघ ने बैठक का आयोजन कर कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । पेंशनर्स एसोसिएशन की वर्षो से कई मांगे लंबित है जिन पर शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।ऐसा आरोप लगाते हुए पेंशनर्स एसोसिएशन जिला इकाई बालाघाट द्वारा वर्षों से लंबित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को तत्काल हटाए जाने की मांग को लेकर को सोमवार को नगर के मोती तालाब में एसोसिएशन की बैठक का आयोजन कर कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा है।जिसमें उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य की भांति 2005 से सेवा में आए कर्मचारियों की पेंशन बहाल करने, राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) समाप्त कर महंगाई राहत व एरियस का भुगतान किए जाने, की मांग की है।जिसमें उन्होंने पेंशनरों के लिए धारा 49 को विलोपित करने की प्रमुख मांग को लेकर ज्ञापन सौपते हुए अन्य राज्यो की भांति मप्र राज्य के पेंशनर्स कर्मचारियों को राहत पहुचाने की प्रमुख मांग की है।

दो राज्यो के बीच सहमति में फंसे पेंशनर

मध्यप्रदेश के पेंशनर्स, नियमित कर्मचारियों को मिल रहे 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता से दो प्रतिशत कम महंगाई भत्ता मिलने से परेशान है। पेंशनरों का कहना है कि इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसकी मुख्य वजह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) है, जिसे लंबे समय से पेंशनर, विलोपित करने की मांग कर रहे है। सोमवार को एक बार फिर संयुक्त विभाग पेंशनर संघ ने, अधिनियम की इस धारा के कारण महंगाई भत्ता राहत में हो रहे नुकसान की ओर सरकार का ध्यानाकर्षण करवाते हुए धारा को विलोपित करने की मांग की।

25 वर्ष बीत गए अब तक नही हटाई गई धारा

पेंशनर संघ पदाधिकारियो ने बताया कि यूपी से अलग होकर बने उत्तराखंड, बिहार से अलग होकर बने झारखंड और आंध्रप्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना राज्य में, ऐसी कोई धारा नहीं है, केवल मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच ही ऐसा है, जिसके कारण दोनो ही राज्यो के पेंशनरों को नुकसान हो रहा है।आज इसे 25 वर्ष हो गए बावजूद इसके भी अभी तक इस धारा को नही हटाया गया है।

धारा 49(6) की आड़ में पेंशनरों का किया जा रहा आर्थिक नुकसान- चौधरी

संयुक्त विभाग पेंशनर संघ जिला अध्यक्ष बी.एल. चौधरी ने बताया कि नियमित कर्मचारियो को मिलने वाली राहत भत्ते के बाद अक्सर पेंशनरों को भत्ते के लाभ दिए जाने के लिए, यह धारा बाधक बन गई है। जिससे पेंशनरो को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार अक्सर राहत देने में जिस सहमति की बात करती है, पुर्नगठन अधिनियम की उक्त धारा के 6 बिंदुओं में कहीं भी हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में सहमति का उल्लेख नहीं है।उन्होने आरोप लगाया कि शासन भी इसको लेकर माननीय न्यायालय को गुमराह करने का काम कर रहा है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि धारा 49(6) की आड़ में प्रदेश के पेंशनरों का आर्थिक नुकसान किया जा रहा है। उन्होंने एक बार फिर मुख्यमंत्री से मांग की कि प्रदेश के पेंशनरो के हित में उक्त धारा को विलोपित कर, पेंशनरों को राहत प्रदान करें।

नौतपा के दुसरे दिन हुई झमाझम बारिश

मौसम हुआ सुहाना-उमस भरी गर्मी से मिली राहत, धान की फसल को लेकर किसान चिंतित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित क्षेत्र में नौतपा के दुसरे दिन 26 मई को दोपहर 3 बजे के बाद अचानक मौसम में परिवर्तन हुआ। साथ ही आंधी-तूफान एवं तेज बिजली की गरज के साथ आधे घंटे तक झमाझम बारिश हुई। इस बेमौसम बारिश के कारण तेज गर्मी और उमस भरे माहौल से लोगों ने राहत महसुस की है। वहीं आंधी-तूफान के कारण क्षेत्र में बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने का क्रम निरंतर चलता रहा। साथ ही अचानक हुई तेज बारिश से जिन किसानों ने रबी सीजन में धान की फसल लगाये है जो पककर तैयार हो चुकी है या फिर कटाई कर रहे है। ऐसे किसानों की फसल गीली हो चुकी है एवं कड़पे भींग गये है। जिससे किसान फसल को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे है। वहीं जिन किसानों ने रबी में धान की फसल नही लगाये है ऐसे किसान बारिश होने से खरीफ सीजन की तैयारी में जुट जायेगें। साथ ही सोमवार को दोपहर बाद हुई झमाझम बारिश से क्षेत्रीयजनों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है एवं वातावरण में ठंडकता घुल जाने से मौसम सुहाना हो गया है। आपकों बता दे कि इस वर्ष मई माह के प्रारंभ से ही पूरे क्षेत्र में तीव्र गर्मी का असर देखा गया। जिसके पश्चात 25 मई से नौतपा की शुरूआत हो चुकी है लेकिन प्रथम दिन नौतपा नही तपा था। जिससे लग रहा था कि नौतपा के पुरे नौ दिन इसी तरह का बदलीनुमा मौसम बना रहेगा। लेकिन नौतपा के दुसरे दिन सोमवार को सुबह 10 बजे के बाद से सूर्य की आग उगलती किरणों से लोग हलाकान होते नजर आये। वहीं इस भीषण गर्मी, धुप की तेज लपेटे के बीच दोपहर 3 बजे के बाद अचानक मौसम परिवर्तन हुआ और तेज आंधी-तूफान व बादल गर्जना के साथ करीब आंधे घंटे तक झमाझम बारिश होने के बाद से मौसम सुहाना हो गया एवं वातावरण में ठंडक घुल गई जिससे लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली है। वहीं झमाझम बारिश होने से किसानों की रबी की धान भींगी एवं बार-बार मौसम बनने व बारिश होने से किसान रबी की धान की फसल को लेकर चिंतित है तो दूसरी ओर खरीफ की फसल के लिए खेत तैयार करने वाले किसान इस बारिश से खुश नजर आ रहे है।

बेहरई के भूतपूर्व उपसरपंच रामराज ठाकरे का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बेहरई के भूतपूर्व उपसरपंच 49 वर्षीय रामराज ठाकरे का 26 मई को प्रात: 8 बजे हृदयगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार बेहरई के स्थानीय मोक्षधाम में दोपहर 3 बजे शोकाकुल माहौल में किया गया। बेहरई के भूतपूर्व उपसरपंच रामराज ठाकरे गत माह से बीमार चल रहे थे, 26 मई को अचानक तबियत खराब होने एवं हृदयगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर

लगते ही चित-परिचित एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। भूतपूर्व उपसरपंच रामराज ठाकरे सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे 2 पुत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये है। स्व. रामराज ठाकरे का अंतिम संस्कार सोमवार को दोपहर 3 बजे बेहरई स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की। इस अवसर पर पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, खमरिया भाजपा मंडल पूर्व अध्यक्ष कन्हैया चौहान, पूर्व अध्यक्ष युवराज परिहार, अध्यक्ष वेदराम राहंगडाले, बेहरई सरपंच श्रीमती शारदा दिलीप टेंभरे, पूर्व सरपंच दिलीप टेंभरे, रामप्रसाद बघेले स्थाई पटेल सहित ग्रामीणजन, नाते-रिस्तेदार उपस्थित रहे।

फलों के राजा आम की बाजार में बढ़ी आवक

जगह-जगह पर लगने लगी आम की दुकानें

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। फलों के राजा आम ने बाजार में दस्तक दे दी है। आम का नाम जुबान पर आते ही लोगों के मुंह में पानी आ ही जाता है। बहुत से लोग पूरे साल आम का सीजन आने का इंतजार करते हैं और बाजार में पके आम आने के बाद उसकी खरीदी कर बड़े शौक से उसका सेवन करते है। वहीं तेज धूप व उमस भरी गर्मी से लोग हलाकान होते नजर आ रहे है एवं तेज धूप के चलते कूलर, पंखे भी गर्म हवा दे रहे है। साथ ही गर्मी में पानी प्यास अधिक लगती है और शरीर में पानी की मात्रा कम होने पर उसकी पूर्ति करने के लिए तरबूज खाना जरूरी है क्योंकि तरबूज में पानी की मात्रा अधिक होती है। जिसके सेवन से पानी की कमी दूर हो जाती है। वहीं इस भीषण गर्मी के बीच में गर्मी के शुरूआत से ही नगर मुख्यालय के हृदय स्थल बस स्टैण्ड, मजार के पास, मानपुर सोसायटी के पास, पांगा तालाब मोड़ाई व सब्जी मार्केट सहित अन्य स्थानों पर तरबूज की दुकानें लग रही है। वहीं आम का सीजन आते ही बाजार क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर आम की दुकानें लगने लगी है एवं बस स्टैण्ड सहित चौक-चौराहों के आसपास आम के ठेले नजर आने लगे है। जिसे देखते ही लोक आकर्षित हो रहे हैं, लेकिन महंगा होने की वजह से दाम पूछकर कुछ लोग लौट जा रहे तो कुछ खरीद भी रहे है। लेकिन वर्तमान समय में आम की बिक्री कम हो रही है। जिसका मुख्य कारण महंगा दाम को माना जा रहा है। साथ ही फलों के राजा के नाम से जाना जाने वाला फल आम की आवक धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। साथ ही एक माह तक आम फल की सीजन अच्छा रहेगा एवं व्यापारी के द्वारा बाहर से कमली, तोताफली सहित अन्य नाम के आमों की खरीदी कर लालबर्रा में विक्रय कर रहे है।

अखंड सुहाग के लिए सुहागिन महिलाओं ने रखा वट सावित्री व्रत, मांगा आशीर्वाद

सुहागिन महिलाओं ने विधि-विधान से वटवृक्ष की पूजा कर मनाया वट सावित्री व्रत

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। पति की दीर्घायु, सुख-समृध्दि, उत्तम स्वास्थ्य और सुखद वैवाहिक जीवन के लिए सुहागिनों के द्वारा 26 मई को वट सावित्री व्रत रख वटवृक्ष की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर धार्मिक आस्थाओं के साथ वट सावित्री का व्रत मनाया गया। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के आखर चौक स्थित वटवृक्ष एवं अन्य स्थानों पर स्थित वटवृक्ष स्थल पर 26 मई को हिन्दु धर्मालंबी सुहागिन महिलाओं के द्वारा पति की लंबी उम्र की कामना हेतु वट सावित्री का व्रत रखकर पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर व्रतधारी महिलाओं के द्वारा सुबह स्नान, ध्यान व सोलह श्रृंगार किया गया जिसके पश्चात समस्त महिलाएं पूजन सामग्री की थाल सजाकर वट वृक्ष स्थल पहुंची जहां दीपक जलाकर हल्दी, कुमकुम, रोली, फल, पकवान चढ़ाकर एवं क%चा धागा बांधकर पेड़ की परिक्रमा कर सत्यवान सावित्री की कथा का वाचन किया गया। इस अवसर पर सुबह से ही नगर की व्रत धारण करने वाली महिलाओं ने बरगद के पेड़ के नीचे पूजा-अर्चना करने के लिये भीड़ लगी रही। इस व्रत के बारे में ऐसी मान्यता है कि ज्येष्ट माह के अंतिम दिन व आषाढ के पूर्व आने वाली पूर्णिमा को वट सावित्री व्रत किया जाता है। सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना के लिये यह व्रत रखती है, इस दिन सावित्री अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस लेकर आई थी। जिसके बाद उन्हें सती सावित्री कहा जाने लगा। चर्चा में व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-शांति के लिए वट सावित्री की पूजा करती है और पौराणिक मान्यता है कि माता सावित्री ने यमराज से अपने पति के प्राण बचाने के लिए व्रत किया था। तब से सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु की कामना को लेकर व्रत करती है। आगे बताया कि वट सावित्री व्रत के अवसर पर सुहागिन महिलाएं सुबह 16 श्रृंगार कर पूजन सामग्री के साथ वटवृक्ष स्थल पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर वट सावित्री की पूजा अर्चना एवं परिक्रमा कर अखण्ड सौभाग्य व पति के दीर्घायु की कामना की गई। इस अवसर पर सुहागिन महिलाएं उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सद्गुरू सत्य कबीर प्रकट महोत्सव

शोभायात्रा ने नगर का किया भ्रमण, विविध धार्मिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी (सीएम राइज) स्कूल के सामने स्थित सामुदायिक भवन में अयोध्यावासी वैश्य समाज लालबर्रा के द्वारा 26 मई को सद्गुरू सत्य कबीर प्रकट महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम अयोध्यावासी वैश्य समाज के पदाधिकारी, स्वजातीय बंधु एवं सदगुरू सत्य कबीर को मानने वाले अनुयायियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम गुरू महिमा पाठ, सदगुरू कबीर साहब के स्वरूप की आरती की गई। तत्पश्चात शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची। जिसके बाद विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही इस सद्गुरू सत्य कबीर प्रकट उत्सव के अवसर पर उपस्थितजनों ने कहा कि आज अध्यात्म जगत में सद्गुरु कबीर साहब का नाम सर्वोपरी है। सभी धर्म के लोग उन्हें बड़े आदर व सम्मान से देखते है। सदगुरू कबीर साहब केवल कबीर पंथ के ही आदि गुरु नहीं हैं, वे मानव मात्र के सदगुरु है। मानव धर्म के संस्थापक व उन्नायक हैं। साथ ही कई साल पहले सत्य, ज्ञान, अमृतवाणी वचनों का प्रकाश उन्होंने जन-जन को दिया उसमें आज भी पूरी मानवता का कल्याण निहित है। साथ ही यह भी कहा कि सदगुरू कबीर साहब ने शास्वत सत्य का जो संदेश दिया है उसका मूल्य कभी कम नहीं हो सकता, क्योंकि सत्य तो हर युग में एक ही रहता है। अत: सदगुरु कबीर साहब का संदेश हर व्यक्ति के लिए सदैव उपयोगी और प्रेरणादायक रहेगा इसलिए हम सभी को सदगुरु सत्य कबीर के बताये मार्ग एवं सत्य पर चलकर मानव जीवन को सफल बनाना चाहिए।

चर्चा में अभिषेक अवधिया ने बताया कि

लालबर्रा में सद्गुरू सत्य कबीर प्रकट महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और इस अवसर पर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि कबीर पंथी के बारे में एक संदेश देना चाहते है कि आज के समय में कबीर साहित्य ज्ञान की आवश्यकता है, आधुनिक विकास, जाति विकास और मानव धर्म ही सभी धर्म से श्रेष्ठ है जिसकी जानकारी जन-जन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर अयोध्यावासी वैश्य समाज लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सद्गुरू सत्य कबीर को मानने वाले अनुयायी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की मनाई जायेगी पुण्यतिथि आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय बालाघाट रोड़ स्थित विश्राम गृह में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा 27 मई को दोपहर 12 बजे स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई जायेगी। चर्चा में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू को उनकी सुविचारित नीतियों के कारण और आधुनिक भारत के निर्माता के रूप में जाना जाता है। वे भविष्य दृष्टा, सच्चे जनतांत्रिक, पूर्ण रूप से धर्म निरपेक्ष एवं गरीबी उन्मूलन हेतु पूर्णतया समर्पित राष्ट्रनेता थे। साथ ही यह भी बताया कि वे दलितों और

आदिवासियों के चहुंमुखी विकास के प्रणेता के साथ-साथ विश्व शांति के प्रणेता, पक्षधर थे, उनके नेतृत्व में भारत पंचशील सिध्दांतों पर निर्गुट आंदोलन का सिरमोर बना है। श्री गाड़ेश्वर ने बताया कि ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के तत्वाधान में 27 मई को दोपहर 12 बजे लालबर्रा विश्राम गृह में पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई जायेगी। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के समस्त विगों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, सरपंच, जनपद सदस्यों व कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने की है।

बैंक कार्यों की हुई समीक्षा

शाखा और समिति वसूली को लेकर सजग रहे - पी जोशी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट मुख्यालय से 26 मई को वीसी का आयोजन किया गया। प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पी जोशी द्वारा निर्देशित किया गया कि शाखा और समितियों के कर्मचारी वसूली को लेकर सजग रहे। साथ ही दिए गए लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसी तारतम्य में श्री जोशी द्वारा कृषि ऋण वसूली, कृषि, मध्यमकालीन, दीर्घावधि मांग वसूली बैंक स्तर एवं सदस्य स्तर और मध्यम कालीन ऋण और नवीन केसीसी अंतर्गत प्रति समिति पांच प्रकरण, क्रिस योजनाअंतर्गत राजस्व विभाग को सौंपे गए

प्रकरण, शासकीय कर्मचारी पर बकाया ऋण, ईआरपी में डाटा प्रविष्टि, खाद भंडारण, खरीफ ऋण 2025 वितरण, रुपए केसीसी कार्ड वितरण की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर राजेश नगपुरे फील्ड अधिकारी, श्रीमती सीमा दुबे प्र. प्रबंधक लेखा, सारंग बिसेन आदि उपस्थित रहे।

यात्री प्रतीक्षालय में बजबजा रही गंदगी

यात्रीगण अव्यवस्थाओं से परेशान, व्यवस्था बनाने की कर रहे मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर का हृदय स्थल बस स्टैंड में बने यात्री प्रतीक्षालय में चारों तरफ गंदगी बजबजा रही है। जहां पर भारी अव्यवस्था का अंबार लगा हुआ है लोग यात्री प्रतीक्षालय की शरण लेने की जगह प्रतीक्षालय की छांव में बाहर खड़ा होना उचित समझ रहे हैं। यह स्थिति बीते कुछ समय से बनी हुई है जहां पर दीवारों सहित विभिन्न स्थानों पर गंदगी बनी हुई है। तो वहीं पंखों की व्यवस्था भी नहीं है जिससे लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उक्त स्थान पर काफी अव्यवस्था होने से परेशानी बनी हुई है जिस पर राहगीर और यात्रीगणों के द्वारा व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है।

प्रतीक्षालय की जगह सड़क एवं अन्य जगह खड़े होने मजबूर यात्रीगण

यात्री प्रतीक्षालय यात्रियों को यात्री वाहन के इंतजार में बैठने की व्यवस्था के लिए बनाया गया है। जहां पर यात्री बैठने से अब कुरेज करते नजर आ रहे हैं क्योंकि यात्री प्रतीक्षालय के चारों तरफ दीवारों में गंदगी का वातावरण बना हुआ है। वहीं कचरा संग्रहित करने के लिए रखे हुए डस्टबिन भी दुर्दशा में पड़े हुए हैं असामाजिक तत्वों के द्वारा भी लघुशंका कर गंदगी की जा रही है। वहीं वर्तमान में गर्मी का दौर चल रहा है ऐसे में एक साइड तीन पंखे लगा दिए गए हैं वह भी चालू होने का कोई समय निर्धारित नहीं है। कभी किसी ने चालू किया तो ठीक वरना लोगों को गर्मी में बैठना पड़ रहा है तो वहीं चारों तरफ यह पंखे नहीं लगे हुए हैं। ऐसे में निर्धारित स्थान पर ही १५ लोग ही पंखों का आनंद ले पाते हैं वहीं शाम होते ही नशेड़ियों के द्वारा यात्री प्रतीक्षालय को अपना स्थान बना दिया जाता है। जहां पर आसानी से शराब की खाली बोतल देखने को मिल रही है। वहीं यात्री प्रतीक्षालय की साफ सफाई भी कई दिनों में एक बार की जाती है। जिससे गंदगी बनी हुई रहती है जहां पर यात्रीगणों के द्वारा उक्त अव्यवस्थाओं पर आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है तो वहीं वह यात्री प्रतीक्षालय की शरण लेने की जगह बाहर विभिन्न भवनों की छांव में यात्री वाहनों का इंतजार करते नजर आ रहे हैं। जिनके द्वारा यात्री प्रतीक्षालय को व्यवस्थित बनाए रखने की मांग की जा रही है।

यात्री वाहनों के इंतजार में लोगो को हो रही परेशानी

वर्तमान में गर्मी का मौसम चल रहा है सूर्य देवता की तेज तपन बरस रही है ऐसे में यात्रियों को प्रतीक्षालय में गंदगी होने से बाहर इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं शादियों का दौरा होने से यात्री वाहन भी निर्धारित समय में बहुत कम दौड़ रहे हैं और निश्चित मार्गों पर कम यात्री वाहन होने के कारण वाहनों में भीड़ के साथ लोगों को करीब १ घंटे से अधिक समय के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। जिसमें उन्हें गंदगी समस्या बनी हुई है यदि यात्री प्रतीक्षालय में साफ सफाई पर ध्यान दिया जाए और पर्याप्त पंखे लगा दिये जाये तो सभी यात्री ठंडी हवा में वाहनों का इंतजार बिना किसी परेशानी के कर सकते हैं। परंतु यह स्थिति वर्तमान में नदारत दिखाई दे रही है।

गंदगी के कारण वारासिवनी नपा का नाम खराब हो रहा है- पराग अग्रवाल

यात्री पराग अग्रवाल ने बताया कि यहां पर साफ सफाई की बहुत अच्छी व्यवस्था नहीं है गंदगी के कारण यात्री लोग बड़ी संख्या में नीचे खड़े रहते हैं। अभी भी यहां पर बहुत कम लोग बैठे हुए हैं यहां चारों तरफ आसपास काफी गंदगी है दीवारों पर बहुत गंदगी है बैठने की सभी जगह इच्छा नहीं होती है। मैं तो पहली बार वारासिवनी आया हूं तो देखने मिल रहा है लंबा इंतजार करना है इसलिए प्रतीक्षालय में इधर उधर खड़े रहकर अपना समय काट रहा हूं। यहां पर पंखे भी दो तीन लगे हैं वह भी बंद पड़े हुए हैं जबकि और दो तीन पंख लगाना चाहिए। पर्याप्त सफाई की व्यवस्था होना चाहिए विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। यह बस स्टैंड है चारों तरफ के लोग आते हैं इससे नगर की छवि अच्छी नहीं जाती है।

नगर पालिका की लापरवाही से यात्री प्रतीक्षालय में गंदगी का आलम है-सुनील जायसवाल

पूर्व पार्षद सुनील जायसवाल ने बताया कि यात्री प्रतीक्षालय में काफी गंदगी है यहां से ऊपर जाते समय भी बहुत सारी गंदगी देखने मिलती है। कहीं भी किसी भी व्यक्ति के द्वारा गंदगी कर दी गई है यहां पर सफाई का अभाव बना हुआ है। इस संबंध में मेरे द्वारा जमादार से भी कहा गया था पर उसके बाद भी सफाई व्यवस्था नहीं हुई। यहां पर लॉज में जाने का एक रास्ता है वहां २० दिनों तक झाड़ू नहीं लगती है जबकि जल्द ही समस्या को खत्म करने की जरूरत है। यह जो गंदगी दिख रही है इसे साफ करना चाहिए क्योंकि बाहर से आने वाले यात्रियों को परेशानी होती है पंखे यहां बंद पड़े हुए हैं नगर पालिका को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

इनका कहना है

दुरभाष पर चर्चा में बताया कि यात्री प्रतीक्षालय की जो समस्या सामने आ रही है। उसके लिये स्थाई समाधान करने का प्रयास किया जायेगा।

सरिता मनोज दांदरे
नपा अध्यक्ष वारासिवनी

सुहागिन महिलाओं ने रखा वट सावित्री का व्रत

नगर में जगह जगह की गई वट वृक्ष की पूजा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर सहित क्षेत्र में सुहागिन महिलाओं के सुहाग की दीर्घायु के लिए रखे जाने वाला व्रत वट सावित्री २६ मई को हर्षोल्लास के साथ रखा गया। जिसमें सुबह से ही नगर में स्थित बड़ के वृक्ष के पास बड़ी मात्रा में सुहागिन महिलाओं का जत्था देखा गया। जिनके द्वारा व्रत धारण कर विधि विधान से वट सावित्री की पूजा कर कथा का वाचन किया गया। विदित हो कि यह व्रत माता सावित्री ने अपने पति के प्राण यमराज से वापस लाने के लिए रखा था। जिसकी तप शक्ति से माता सावित्री ने अपने पति के प्राण यमराज से वापस लाया और अपने पति को जीवनदान दिया था। इसके बाद से वट सावित्री व्रत सुहागिन महिलाओं के द्वारा किया जाता है जिसमें वह अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना करती है।

पति की दीर्घायु की कामना के लिए किया जाता है व्रत-साक्षी दुबे

श्रीमती साक्षी दुबे ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी वट सावित्री व्रत मनाया जा रहा है जिसमें सभी सुहागिन महिलाओं ने व्रत धारण कर अपने पति की दीर्घायु के लिए वट सावित्री की पूजा अर्चना करने पहुंची है। यह व्रत हजारों वर्षों पूर्व से मनाया जा रहा है जो माता सावित्री ने अपने पति सत्यवान के लिए किया था। तभी से सभी सुहागिन महिलाएं अपने सुहाग की दीर्घायु के लिए उक्त व्रत को धारण करती है। जिसमें श्री फल और मौसमी फल चढ़ाकर ७ बार सूत चढ़ाने का है सहित विभिन्न वस्तुएं अर्पित कर यह पूजा की जाती है।

सामान्य वट सावित्री व्रत का है आयोजन

वट सावित्री व्रत प्रतिवर्ष दो तिथियों में मनाया जाता है जिसमें एक सामान्य वट सावित्री व्रत होता है और दूसरा महाराष्ट्रीयन महिलाओं के द्वारा वट सावित्री व्रत रखा जाता है। जिसमें सोमवार को सामान्य वट सावित्री व्रत नगर में मनाया गया। जिसमें महिलाओं के द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना करने के उपरांत पति की दीर्घायु की कामना कर अगले दिन व्रत छोड़ा गया। इस दौरान नगर के तहसील कार्यालय फॉरेस्ट विभाग राम मंदिर शिव मंदिर काली पाठ मंदिर सहित गली मोहल्ले और अन्य स्थान पर बड़ी संख्या में महिलाओं के द्वारा उपस्थित होकर पूजा अर्चना की जाती रही।

महिलाओं ने आस्था के साथ कि पूजा

जिसमें महिलाओं ने स्नान ध्यान कर व्रत धारण किया और सुसज्जित पूजा की थाल के साथ वट सावित्री व्रत की पूजा में आवश्यक सामग्री को लेकर नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थित वट सावित्री व्रत की पूजा के स्थल यानी बड़ के वृक्ष के पास पहुंचकर विधि विधान से बड़ के वृक्ष की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात श्रीफल ,मौसमी फल चढ़ाकर वृक्ष के चारों ओर घूम कर वृक्ष को सूत चढ़ाकर पति की लंबी उम्र की कामना के साथ सदा सुहागन का वरदान मांगा गया। जिसके बाद सभी सुहागिन महिलाओं ने एक दूजे को हल्दी कुमकुम दिया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इस व्रत से सावित्री ने यम देवता को किया था प्रसन्न-माया मिश्रा

श्रीमती माया मिश्रा ने बताया कि पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलायें यह व्रत रखती है। सावित्री ने सत्यवान के लिए व्रत किया था इसके पीछे मान्यता है कि १७ वर्ष में सावित्री का विवाह सत्यवान से हुआ। सत्यवान को अल्पायु का दोष था परंतु सावित्री ने विवाह किया। उसके सांस ,ससुर नेत्रहीन हो गए राज पाठ चला गया फिर वन में सावित्री के द्वारा भ्रमण कर यह पूजा की जाती रही। जिससे यम देवता प्रसन्न होकर तीन वर मांगने को कहा तो सावित्री ने अपने सास ,ससुर की आंख गया हुआ राजपाठ और मुझे सत्यवान से १०० पुत्रों का वर मांगा। जिस पर यम देवता ने उन्हें आशीर्वाद दिया तब से यह व्रत सुहागिन महिलाओं के द्वारा किया जाता है और गेहूं के अनाज के साथ यह उपवास छोड़ा जाएगा।

आँजन के पेड़ में अज्ञात व्यक्ति का लटका मिला शव

रामपायली पुलिस ने मर्ग कायम कर शिनाख्त की प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत अमई के कन्हारटोला मार्ग पर २६ मई को पुलिस ने आँजन के पेड़ में लटका अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया। मामले में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर शव की शिनाख्त प्रारंभ कर दी गई है जो करीब ३५ वर्ष की उम्र का प्रतीत हो रहा है। यह घटना सोमवार की सुबह करीब १० बजे की बताई जा रही है मामले में पुलिस के द्वारा शव को सुरक्षित शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया गया है।

मृतक बाहरी व्यक्ति बताया जा रहा

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह सभी अपने कार्यों में जुटे हुए थे तभी सुबह करीब १० बजे के बीच में ग्राम पंचायत अमई के कन्हारटोला मार्ग पर स्थित सेवकराम के खेत में लगे आँजन के पेड़ में एक व्यक्ति फांसी पर लटका हुआ देखा गया। जिसके बाद पूरे ग्राम में सनसनी फैल गई उक्त घटना की जानकारी लगते ही लोगों की भीड़ लगने लगी। परंतु किसी के भी द्वारा उक्त व्यक्ति की पहचान नहीं की गई एवं घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर सहायक उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह ठाकुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे जहां मौका स्थल का निरीक्षण कर उपस्थितजनों से घटना की जानकारी ली गई। वही फांसी पर लटके शव को नीचे उतार कर मौके पर आवश्यक कार्यवाही करने के उपरांत शव की शिनाख्त की कार्यवाही की गई। किंतु उपस्थित किसी भी व्यक्ति के द्वारा उसकी पहचान नहीं करने पर अज्ञात व्यक्ति की मर्ग कायम कर शव को सुरक्षित शव विच्छेदन गृह रामपायली में रखवा दिया गया है एवं मामले में मृतक व्यक्ति की पहचान की जा रही है। जहां ग्रामीणों के द्वारा उक्त व्यक्ति बाहरी होने की बात कही जा रही है क्योंकि आसपास में कभी उसे इससे पहले नहीं देखा गया है। कुछ व्यक्तियों के द्वारा आज सुबह ग्राम के अंदर हालांकि देखा गया था परंतु वह पहली बार है।

पेड में एक अज्ञात व्यक्ति रस्सी से फांसी पर लटका हुआ था-ज्ञानेंद टेंभरे

सरपंच प्रतिनिधि ज्ञानेंद्र टेंभरे ने पुलिस को बताया मैं ग्राम अमई रहता हूँ २६ मई के करीबन ११ बजे की बात है मैंने अपने व्हाट्सअप ग्रुप मे देखा कि किसी व्यक्ति ने ग्रुप मे फांसी लगे व्यक्ति की फोटो डाला था। फिर मैं और गांव के उपसरपंच डिलेश ठाकरे ने ग्राम कन्हारटोला में जाकर देखा तो सेवकराम पटले के खेत में आजन के पेड में एक अज्ञात व्यक्ति रस्सी से फांसी पर लटका हुआ था। उसके बाद हमने थाने में घटना की सूचना दिया फिर मैं गांव के उपसरपंच डिलेश्वर ठाकरे के साथ थाना रामपायली में अज्ञात व्यक्ति के मर्ग की रिपोर्ट करने आया। मैं नही जानता फांसी पर लटका हुआ अज्ञात व्यक्ति कौन है।

मृतक की पहचान अज्ञात है-नरेंद्र ठाकुर

सहायक उपनिरीक्षक नरेंद्र ठाकुर ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि थाने में सूचना मिली थी कि किसी व्यक्ति के द्वारा फांसी लगा ली गई है। मौके पर जाकर देखें तो करीब ३५ वर्ष की आयु का अज्ञात व्यक्ति सेवकराम के खेत में पेड़ में फांसी पर लटका हुआ था। जिसकी पहचान नहीं हो पाई है पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों से भी मामले में चर्चा की गई थी तो ग्रामीणों ने बताया कि उक्त व्यक्ति को गांव के अंदर घूमता हुआ देखा गया था और किसानों ने बताया कि ९ बजे तक उक्त स्थान पर कुछ नहीं था। मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है वर्तमान तक मृतक की पहचान अज्ञात है।

खिलाडी प्रदेश व देश में नगर का नाम रोशन कर सकते है- प्रदीप जायसवाल

नवोदित खिलाड़ियों के समर कैंप का हुआ समापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में दो माह से संचालित देवधर क्रिकेट एकेडमी व आईएसएफसी के संयुक्त तत्वाधान में नवोदित खिलाड़ियों का समर कैंप का समापन किया गया। समापन अवसर पर पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने सभी नवोदित खिलाड़ियों के खेल प्रदर्शन की सराहना की। वहीं पुरी कीट में अंतर्राष्ट्रीय नियमो के इस मैच को देखने के लिये खिलाड़ियो के अभिभावको ने भी बडी संख्या में मैदान में उपस्थिति दर्ज कराकर वारासिवनी से भी एक वैभव सुर्यवंशी राजस्थान रायल्स की तरह निकलने की उम्मीद जतायी है। पिछले दो माह से नवोदित खिलाड़ियो के लिये क्रिकेट के समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें प्रातकाल और शाम को नियमानुसार वरिष्ठ खिलाड़ियो के द्वारा प्रदान किये गये प्रशिक्षण में लगभग सात दर्जन से अधिक नवोदित खिलाड़ियो ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। लैंदर बाल से दिये गये पुरी कीट के साथ इस प्रशिक्षण में बारह से पंद्रह साल के कुल ८१ खिलाड़ियो ने प्रशिक्षण पाकर अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया। इस दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, राजा चौरसिया, संदीप मिश्रा, मिलिंद नगपुरे, प्रबल जायसवाल,संजय मिश्रा, संदीप रूसिया, तरूण मोहरकर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। आईएसएफ सी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये १२ ओवर में ६९ रन का स्कोर बनाया। जिसका पीछा करते हुये देवधर क्रिकेट एकेडमी ने १० ओवरो में ही निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुये विजयश्री हासिल कर ली। पुरस्कार वितरण में विजेता टीम को ट्राफी, उपविजेता टीम को प्रदान करने के साथ मेन आफ द मैच का पुरस्कार कुणाल व सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार शिवम को प्रदान किया गया। साथ ही अन्य पुरस्कार भी अतिथियो के हस्ते प्रदान किये गये। आभार प्रदर्शन एकेडमी के संचालक सोमनाथ पटले, अनिल कांबली के द्वारा किया गया। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की पिछले दो माह से नवोदित खिलाड़ियो ने कोच के माध्यम से क्रिकेट को सीखा है। आज लैंदर बाल में बेहद कम उम्र में उनके खेल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की झलक देखने को मिली है। हम अब सभी खिलाड़ियो के अभ्यास के लिये सीमेंट की पीच की सुविधा प्रदान कर रहे है। साथ ही सिविल क्लब मैदान में रात्रि में अभ्यास के लिये रोशनी की व्यवस्था को भी अधिक करने जा रहे है। जिससे देवधर की इस नर्सरी के माध्यम से खिलाडी प्रदेश व देश में नगर का नाम रोशन कर सके। श्री जायसवाल ने कहा कि हम जानते है की एक उत्कृष्ट खिलाडी तैयार करने के पीछे कितनी मेहनत लगती है। पर नवोदित खिलाड़ियो के अभिभावको ने जिस तरह आज मैदान में अपनी इच्छाशक्ति दिखायी है उसे बनाये रखे तो हमारे मंच से राष्ट्रीय खिलाडी निकलकर देश में नाम अवश्य रोशन करेंगे। हमने पहले भी देवधर क्रिकेट क्लब व इंडोर स्टेडियम सहित अन्य मंचो से खेल व खिलाड़ियो को प्रोत्साहित करने का कार्य जवाबदेही के साथ किया है।

चाचा नेहरू- जिनकी ममता में पलता था भारत का भविष्य

स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू भारतीय राजनीति के एक ऐसे चमकते सितारे थे, जिनका समर्पण न केवल देश के प्रति था बल्कि बच्चों के प्रति भी अपार स्नेह और दुलार से भरा हुआ था। वे बच्चों को देश का भविष्य मानते थे और इसी कारण उन्हें भरपूर प्रेम देते थे। बच्चे भी उन्हें 'चाचा नेहरू' कहकर पुकारते और उनसे आत्मीयता से लिपट जाते थे। उनका व्यवहार बच्चों के साथ इस कदर सरल, आत्मीय और हृदयस्पर्शी होता था कि वे अपने ऊंचे पद की परवाह किए बिना बच्चों के बीच उतर जाते, उन्हें गोद में उठा लेते और उनकी मासूम हंसी में अपनी दुनिया बसाते थे। नेहरू जी बच्चों के बीच त्योहारों का आनंद लेते थे। होली पर वे रंगों में भीगकर बच्चों के संग हंसी-मजाक करते, दीवाली पर बच्चों संग आतिशबाजी का लुत्फ उठाते और मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने में उन्हें बच्चा बनने में तनिक भी संकोच नहीं होता। बच्चों की मुस्कान उन्हें आत्मिक सुकून देती थी, वहीं किसी बच्चे की पीड़ा उन्हें भीतर तक झकझोर देती थी। देश-विदेश के बच्चों से वे स्नेहपूर्वक मिलते और उनके साथ तरह-तरह के खेल खेलते। उनके पास देश के कोने-कोने से बच्चों के खत आते और नेहरू जी बड़े प्रेम से उन्हें उत्तर देते। वे बच्चों को लिखते थे, 'बच्चों, परिश्रम से बढ़कर दुनिया में कोई चीज नहीं। तुम जितनी मेहनत करोगे, उतनी सफलता मिलेगी और तुम्हारा जीवन खुशियों से भर जाएगा।' नेहरू जी की दृष्टि में बच्चे केवल मासूम चेहरे नहीं थे बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव थे। वे अक्सर कहा करते थे कि बच्चे नाजुक मन के होते हैं, इसीलिए हर छोटी-बड़ी बात उनके मानस पर गहरी छाप छोड़ती है। उनका मानना था कि बच्चे बीज के समान हैं और उन्हें जैसे संस्कार, पोषण और शिक्षा दी जाती है, उसी आधार पर उनका विकास तय होता है। वे यह भी कहते थे कि बच्चों को अच्छी शिक्षा, पोषण और संस्कृति मिले, यही देश के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। आज के बच्चे ही कल के नागरिक हैं और यदि उन्हें सही मार्गदर्शन, देखभाल और अवसर मिलें तो वे देश को नई ऊंचाईयों तक ले जा सकते हैं। एक बार की बात है, जब नेहरू जी दिल्ली स्थित तीन मूर्ति भवन के बगीचे में टहल रहे थे। उन्हें पास के पेड़ के नीचे एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। उन्होंने देखा कि बच्चा अकेला बैठा है और उसकी मां आस-पास नहीं दिख रही थी। जब बच्चा जोर-जोर से रोने लगा तो नेहरू जी तुरंत उसके पास पहुंचे और उसे गोद में उठा लिया। आश्चर्य की बात यह थी कि बच्चा चुप हो गया। कुछ देर बाद जब उसकी मां आई और उसने अपने बच्चे को देश के प्रधानमंत्री की गोद में देखा तो वह हर्ष और आश्चर्य से भर उठी। यह केवल एक उदाहरण है कि नेहरू जी के हृदय में बच्चों के लिए कितना गहरा प्रेम और करुणा थी। पं. नेहरू का विनोदी स्वभाव भी बच्चों के साथ और अधिक आत्मीय संबंध स्थापित करता था। एक बार एक बच्चा उनसे ऑटोग्राफ लेने आया। नेहरू जी ने हस्ताक्षर कर दिए लेकिन बच्चे ने भोलेपन से कहा, 'आपने तारीख तो लिखी ही नहीं।' नेहरू जी मुस्कराए और नीचे तारीख लिख दी। बच्चा थोड़ा गंभीर होकर बोला, 'आपने साइन तो अंग्रेजी में किए हैं लेकिन तारीख उर्दू में लिख दी।' इस पर नेहरू जी ने हंसते हुए जवाब दिया, 'बेटा! तुमने साइन करने को कहा तो मैंने अंग्रेजी में साइन कर दिए, फिर जब तुमने तारीख लिखने को कहा तो मैंने उर्दू में तारीख डाल दी।' यह सुनकर वहां खड़े सभी बच्चे ठहाका लगाकर हंस पड़े। नेहरू जी जब भारत के प्रधानमंत्री बने तो उनकी प्राथमिकताओं में बच्चों की शिक्षा सर्वोपरि रही। वे मानते थे कि यदि देश का भविष्य उज्ज्वल बनाना है तो बच्चों को अच्छी शिक्षा और अवसर प्रदान करना अनिवार्य है। उनके नेतृत्व में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे संस्थानों की नींव रखी गई, जिनकी प्रतिष्ठा आज वैश्विक स्तर पर है। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा को निशुल्क और अनिवार्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। स्कूलों में बच्चों के लिए पोषण युक्त मध्यान्ह भोजन की योजना उनकी दृष्टि का हिस्सा थी ताकि कोई भी बच्चा भूख के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। नेहरू जी का यह विश्वास था कि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, जीवनमूल्य, रचनात्मकता और संस्कार भी दिए जाने चाहिएं।

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खौफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है।

जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन:स्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामूक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व

नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषत: किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है।

अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

आज किशोरों एवं युवाओं को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व नये-नये एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन-विकृतियों वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। ऐसे कार्यक्रमों की बाढ़ हैं जिनमें हमारे पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में स्वच्छंद यौन व्यवहार को हकीकत बनाने का खेल चल रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं एवं यौनाचार ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं, वे आत्मघाती-हिंसक बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

- ललित गर्ग

धर्म का आदर

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा।

स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं।

स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

सेना में दिखने लगा महिला शक्ति का दम

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में ब? च?कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और क्या कार्यवाही की। सेना की दोनों महिला अधिकारियों ने सैनिक कार्यवाही की हर दिन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देश दुनिया को ताजा जानकारी प्रदान कर यह दिखा दिया कि भारत में महिला शक्ति भी किसी से कम नहीं है।

भारत में सदियों से महिलाओं को मातृशक्ति का दर्जा दिया जाता रहा है। कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया: ।।

अर्थात: जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रमते हैं। जहां नारियों की पूजा नहीं होती, वहां किए गए सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। हम देश में साल में दो बार नवरात्र पर मातृशक्ति रूपी मा दुर्गा की पूजा कर देश दुनिया को यह संदेश देते हैं कि मातृ शक्ति भी किसी से कम नहीं है। अब तो हमारी सेना में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी उत्कृष्ट क्षमता दिखा दी है। महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही है। तो युद्ध भूमि में हर प्रकार की भूमिका निभाने को तैयार नजर आ रही है। भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास लंबे संघर्ष और बदलावों से भरा रहा है।

-रमेश सर्राफ धमोरा

समय से कभी विलम्ब ना चले

हमेशा समय के साथ चले,समय से कभी विलम्ब ना चले ऐ सवाल का जबाब रामायण में किस्किंधा कांड में पढ़ने को मिलता है जब माता सीता की खोज में सुग्रीव को चेताया था लोगों से सुनने को मिलता है कि भगवान श्री राम ने वालि को धोखे से मारा ऐ गलत है प्रभु ने वालि को मोक्ष दिया धोखा से नहीं मारा था भगवान श्री राम के पिता राजा दशरथ , बड़ी मुश्किल कैकई के वचन को पूर्ण करने के लिए भगवान राम को 14वर्ष के वनवास के लिए आदेश दे पाए होंगे। राजा, उनकी आँखें आँसुओं से भरी हुई थीं, उनका गला भावनाओं से भर गया था, वे केवल ये शब्द बोल पाए- राम और कुछ नहीं वास्तव में, राम ने बिना किसी सवाल के आदेश स्वीकार कर लिया। मैं पिता की आज्ञा का पालन करने में प्रसन्न हूँ, उन्होंने कैकेई से कहा- क्यों, अगर आप आदेश दें तो भी मैं जाऊँगा। इस प्रकार, बिना किसी विरोध के, राम दयालुता और सद्भावना के एक बड़े इशारे में अपने 14 साल के वनवास की यात्रा पर निकल पड़ते हैं।वह कैकेई से वास्तव में अनुरोध करते हैं कि वह राई का पहाड़ न बनाए। उन्होंने उसे सांत्वना भी दी और अनुरोध किया कि उसे इतनी छोटी सी बात पर बिल्कुल भी चिंता नहीं करनी चाहिए। राम को, 14 साल जंगल में बिताना बहुत छोटी सी बात लगती थी। राम के सबसे वफादार छोटे भाई लक्ष्मण ने अब राम के साथ मिलकर राम के साथ किए गए अनुचित व्यवहार का शाही जवाब देने का फैसला किया। राम ने लक्ष्मण को समझाने की पूरी कोशिश की कि उन्हें परिवार की देखभाल करने के लिए वापस लौटना चाहिए और राज्य पर शासन करने में भरत की मदद भी करनी चाहिए। हालाँकि, लक्ष्मण ने उनकी बात नहीं मानी। हालाँकि लक्ष्मण राम के भाग्य या नियति के दर्शन से सहमत नहीं थे, लेकिन वे अपने बड़े भाई के बिना भी नहीं रह सकते थे। इस तरह यह बात सामने आई कि राम के पास अपने छोटे भाई को वनवास में अपने साथ ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। राम के लिए मामले को और भी बदतर बनाने के लिए, उनकी युवा पत्नी सीता ने भी राम के साथ जाने का फैसला किया। सीता को समझाने के राम के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद कि उनके लिए जंगल में रहना बहुत कठिन होगा, सीता ने जोर देकर कहा कि वह अपने पति के साथ जाएँ। जैसे पदार्थ के लिए छाया होती है, वैसे ही पति के लिए पत्नी होती है, उसने राम को याद दिलाया क्या पत्नी का धर्म अपने पति के साथ रहना नहीं है? मुझे तुम्हारे आगे चलने दो ताकि मैं तुम्हारे पैरों के लिए रास्ता सुगम बना सकूँ। इस प्रकार राम को सीता को अपने साथ वन में ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। फिर राम, सीता, लक्ष्मण राजा के चरणों में झुके, और दुखी होकर चले गए उस समय राम के लिपकारी होने के नाते, राम ने शाही जीवन, अपने राज्य के सिंहासन का त्याग कर दिया, वनवास जाने का फैसला किया।राम ने जंगल में रहने वाले चौदह हज़ार राक्षसों का वध किया । यह देखते हुए, सीता ने राम को उनकी हिंसा के खिलाफ़ चेतावनी दी थी जब वे राक्षसों का विनाश करके ऋषियों (या संतों) की मदद करने के लिए सहमत हुए । दुर्घटनाएँ तब भी होती हैं जब कोई उनसे बचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता है। आइए हम इसे राम के दृष्टिकोण से देखें। राम, एक पूर्णतावादी होने के नाते, अपनी पत्नी की छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरा करके एक आदर्श पति बनने की पूरी कोशिश की - खासकर ऐसी वफादार पत्नी की जो महल-जीवन के सभी सुखों का त्याग करके 14 साल तक जंगल में रहने के लिए उनके साथ चली गई थी। इसके अलावा, भाई लक्ष्मण के उनकी छोटी सी झोपड़ी में रहने के कारण, राम अच्छी तरह से जानते थे कि सीता सुरक्षित हाथों में है। फिर भी, रावण ने अपने धूर्तता का इस्तेमाल करके राम और लक्ष्मण को मायावी शक्ति का प्रयोग कर माया के वजह से सीता का अपहरण कर लिया है और राम बहुत दुखी हुए लक्ष्मण अब राम को सांत्वना देते हैं- दुर्भाग्य आते हैं और ज्वाला की तरह इसमें हिम्मत से काम लेना चाहिए,लक्ष्मण की सलाह के बावजूद, राम अभी भी दुखी हैं। सुग्रीव के साथ द्विपक्षीय समझौता और बाली का पतन सीता के नुकसान को सहन करने में असमर्थ, राम और लक्ष्मण ने सीता की खोज में एक लंबी यात्रा शुरू की। वे जंगल में घूमे और सीता या उसके अपहरणकर्ता द्वारा रास्ते में छोड़े गए किसी भी संकेत की तलाश की। यह वास्तव में एक चतुर सोच थी सीता का वह हिस्सा जिसने रावण के भागने के दौरान अपना हार, कंगन और अंगूठी धरती पर गिरा दी थी। पहाड़ी पर चढ़ने-उतरने, नदियों और मैदानों को पार करने के बाद, उन्हें सीता के छोटे-छोटे शरीर के आभूषण मिले। बड़े उत्साह के साथ, राम अब अपने भाई से कहते हैं- हे लक्ष्मण, यहाँ, वह चिल्लाया, देखो मेरी सीता के सोने के झुमके गिर गए हैं। यहाँ उसकी फटी हुई और फटी हुई मालाएँ हैं, यहाँ हर चमकता हुआ आभूषण पड़ा है। हे देखो, हर तरफ सोने के आभूषण व साथ में खून से जमीन भी रंगी हुई है । वे जो खून की बूँदें देखते हैं, वह जटायु नामक एक खून बहते हुए पक्षी की है। इस महान पक्षी ने सीता के अपहरणकर्ता रावण के साथ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी, लेकिन व्यर्थ तो नहीं गया क्योंकि जटायू ने मरते मरते भगवान राम को सीता माता को रावण द्वारा हर कर ले जाने की खबर बता कर प्रभु की गोद में प्राण त्याग दिए । अपने मरने के क्षणों में, उसने राम को यह बताने की कोशिश की, संभवत: अपनी सांकेतिक भाषा का उपयोग करके, कि उसने संकट में किसी युवती को जोर से और बार-बार चिल्लाते हुए सुना, हे राम, मुझे बचाओ, मुझे बचाओ। इससे यह भी संकेत मिलता है कि अपहरणकर्ता उड़ने वाली यान जैसी किसी चीज़ का इस्तेमाल किया था और दक्षिण की ओर जा रहा था। तब पक्षी ने अपनी अंतिम साँस ली। उस सुराग के साथ, दोनों भाइयों ने सीता की खोज शुरू की, पहाड़ियों पर चढ़ते-उतरते और नदियाँ पार करते हुए, और भी बहुत कुछ! किस्मत से, राम अब 'किष्किंधा' (अब भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित) नामक एक छोटे से राज्य में पहुँचते हैं। उस छोटे से राज्य पर तब वालि नाम का एक राजा राज करता था। कुछ लोग 'व' को 'ब' में बदल देते हैं और उसे बाली कहते हैं। मैं 'ब' के बजाय संस्कृत शब्द 'वालि' का उपयोग करना पसंद करता हूँ, ताकि कोई बाली को इंडोनेशिया के उस नाम वाले शहर से भ्रमित न हो। ऐसा कहा जाता है कि जब भी कोई वालि से लड़ता था, तो वालि को अपने दुश्मन की आधी ताकत हड़पने की शक्ति प्राप्त हो जाती थी। यह शक्ति वास्तव में उसके नाम 'वालि' के अनुरूप है, जिसका अर्थ है ताकत। राम की मुलाक़ात वालि के छोटे भाई 'सुग्रीव' से होती है। सुग्रीव लगभग वैसी ही स्थिति में था जैसी उस समय राम थे। अपने और अपने बड़े भाई के बीच किसी बड़ी गलतफहमी के परिणामस्वरूप सुग्रीव भी अब पत्नीविहीन हो गए थे। उनकी पत्नी को अब उनके बड़े भाई ने जबरन अपने कब्जे में ले लिया था। सुग्रीव राम के साथ एक द्विपक्षीय समझौता करना चाहते थे कि वे अपनी पत्नियों को बचाने में एक-दूसरे की मदद करेंगे, बावजूद इसके कि सुग्रीव को संदेह था कि राम या लक्ष्मण वास्तव में शक्तिशाली बाली के खिलाफ जीतने में सक्षम हैं या नहीं। ऐसा कहा जाता है कि अगर उन्हें अपनी-अपनी पत्नियाँ हासिल करनी थीं, तो उन्हें जो भी जोखिम उठाना था, उसने अंतत: वो उठाया। राम अब सुग्रीव को अपने बड़े भाई को फिर से लड़ाई के लिए उकसाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। जब भी कोई उन्हें लड़ाई के लिए चुनौती देता था, तो बाली कभी नहीं नहीं कहता था। दोनों भाइयों के बीच भयंकर युद्ध होता है। एक समय ऐसा आता है जब सुग्रीव युद्ध हारने के कगार पर होता है, राम एक पेड़ के पीछे छिपकर बाली पर गोली चलाते हैं। वालि अब तीर को पकड़े हुए राम का मज़ाक उड़ाता है- मुझे पीछे से मार कर, तू इससे क्या पुण्य कमाने की आशा कर रहा है । फिर वह आगे कहता है- अब मैं देख रहा हूँ कि तू एक विकृत प्राणी है, जो धर्मनिष्ठा का दिखावा करता है, जबकि वास्तव में तू घास में छिपे हुए कुएँ की तरह है, जो बिना किसी विश्वास के है और बुरे कर्मों का सहारा ले रहा है। बाहरी तौर पर पुण्यवान, ईमानदारी का लबादा पहने हुए, वास्तव में एक दुष्ट है, राख से बुलाई गई आग की तरह, और न ही मैं तुझे पुण्य के छिपे हुए मुखौटे के पीछे पहचानता हूँ । अब वालि की पत्नी - तारा के सबसे दुखद शब्द आते हैं- चूँकि बंदरों के बीच का वह सिंह मर रहा है, इसलिए मेरे बेटे या पूरे राज्य का क्या उपयोग है। मैं अंगद जैसे सौ पुत्रों की अपेक्षा इस वीर के शरीर से लिपटना अधिक पसंद करूंगा।।। तारा जो शोक के सागर में डूबी हुई थी, अपने मृत स्वामी के चेहरे को निहारते हुए, बाली को गले लगाते हुए धरती पर गिर पड़ी, जैसे उखड़े हुए वृक्ष पर लता । राम ने अपने ऊपर लगाए गए इन सभी आरोपों को सुना, फिर भी उन्होंने अपना संयम नहीं खोया। उन्होंने बाली को धैर्यपूर्वक समझाया कि उसके जैसे शक्तिशाली व्यक्ति को अपने छोटे भाई की पत्नी को पकड़ने के लिए अपनी शक्तियों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए था। इसके अलावा, राम ने बाली को आश्वासन दिया कि यदि बाली अभी भी जीवित रहना चाहता है, तो वह बाण वापस बुला सकता है। वास्तव में, राम ने बाली को संकल्प शरा नामक बाण से लगभग घायल कर दिया था, जो ठीक वही करता है जो राम चाहते हैं, यह बाण प्रतिद्वंद्वी को कितना गहरा नुकसान पहुंचाता है, न तो एक इंच अधिक और न ही एक इंच कम लेकिन बाण को वापस लेकर उसी अवस्था में पुन: ठीक किया जा सकता है । ऐसा असाधारण बाण चलाने की क्षमता केवल राम के पास ही थी। उस अवस्था में, वालि अचानक दार्शनिक हो जाता है और विनम्रतापूर्वक राम से कहता है कि वह पृथ्वी पर जीवन जीने के बजाय मरना पसंद करेगा, जो कि जो पृथ्वी पर सु:ख है वो एक दिन नस्ट हो जायेगा अत: उस सु:ख के पीछे भी दुनिया अक्सर दुखों से भरा होता है। इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि क्या राम ने पेड़ के पीछे छिपकर वालि पर तीर चलाकर सही काम किया। कोई यह तर्क दे सकता है कि यह वालि की अपार शक्ति के सम्मान में किया गया था। इसलिए राम के पास पेड़ के पीछे छिपकर वालि पर बाण चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आखिर पहले दिन बालि और सुग्रीव को उसके हाथों पीटते देख उन्हें अच्छा लगा होगा और सुग्रीव को नहीं पहचाना होगा और दूसरे दिन उसे माला पहन कर पुन: युद्ध की सलाह दि इसमें बहुत ही रोचक तथ्य है दरअसल भगवान राम यह देखना चाहते थे कि वालि के पास सही में उससे लड़ने के कारण उसकी आधि शक्ति मिलती है या नहीं और सुग्रीव को शायद, अपनी प्यारी पत्नी को खोना उसके लिए असहनीय हो रहा था और वालि को भी अनुमान हो चला था कि शक्ति का गलत उपयोग करने से आने वाले समय में राज तो मिलेगा लेकिन उसका परिणाम भी भुगताना पड़ेगा और राम तो साक्षात ईश्वर का रूप है और सीधे वार में भी राम विजेता होंगे और इतिहास में उसके पराक्रम को निचा दिखाया जायेगा कि इतना शक्ति शाली वालि जो रावण को कई वर्षो में काख में दबाये रखा था उसकी ऐ दुर्दशा होगी इसलिए उसने भगवान श्री राम से उनके हाथों मरने को सौभाग्य माना और राम की गोद में मोक्ष मिला,अत: वास्तव में राम ने वालि को बार-बार पुनर्जन्म और पीड़ा से मुक्त किया। यही कारण है कि उस पूरी घटना को वालि मोक्ष (अर्थात वालि का उद्धार) कहा जाता है। कुछ हद तक अच्छी खबर यह है कि सुग्रीव को अब अपनी पत्नी वापस मिल गई है। हालाँकि, राम का अपनी पत्नी को बचाने का उद्देश्य अभी भी बहुत दूर लग रहा था। ऐसा कहा जाता है कि एक बार अपनी पत्नी को वापस पाने के बाद, सुग्रीव ने अपना सारा समय मौज-मस्ती में बिताया, यहाँ तक कि राम के साथ अपने द्विपक्षीय समझौते को भूल गया । लक्ष्मण अब सुग्रीव के व्यवहार से इतने क्रोधित हो गए कि वे किष्किंधा में घुस गए और उन्हें चेतावनी दी कि अगर वह राम के साथ द्विपक्षीय समझौते का पालन करने में विफल रहे तो उन्हें भयानक परिणाम भुगतने होंगे।अत: बाद में सुग्रीव जागा और राम भक्त हनुमान जावंत के साथ मिलकर रावण से समुद्र पार लंका से लंकापति रावण से युद्ध की योजना को पूर्ण करने की तरफ बड़े और रावण के घर में घुसकर मारने में सफल सफल हुए, आज के सन्दर्भ में देंखे तो किसी भी कठिन टास्क को समय के साथ पूर्ण किया जा सकता है यदि हिम्मत साहस कार्य की चुनौती को पूर्ण करने का जूनून हो और समय से कभी विलम्ब ना चले।

- संजय गोस्वामी

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। कमजोर आवकों के चलते सोमवार को किराना जिंसों में नारियल बाजार ऊँचाइयों पर रहे। खाद्य तेलों में मजबूती आयी। तिलहनों में सोयाबीन 4300 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। दलहनों में लेवाली कमजोर रहने से चना घटाकर बोला गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार नारियलों में पूछपरख होने और आवकें ठंडी रहने से भावों में तेजी देखी गयी। शक्कर में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में मजबूती का रूख रहा। तिलहनों में सोयाबीन 4300 रू. प्रति क्विंटल पर बाजार सुस्त-सुस्त रहे। दलहनों में चना घटाकर बोला गया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4180, खोपरा गोला 210-250, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1450-1825, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 880-990, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 840-880, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 820-835, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2550, (160) 2650-2900, (200) 3250-3300, (250) 3250-3300

तेल- सौंगदाना 1410-1430, मुम्बई 1415, राजकोट तेलिया 2210, सोया साल्वेंट 1160-1170, सोया रिफाइंड 1225-1230, कपास्या 1220, धूलिया 1225, कड़ी 1225,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1300, मुम्बई पाम 1210, मुम्बई सोया 1275,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5100-5300, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6350-6400, एवरेज 6200-6250, मूंग देशी 7400-7500, पाला 7500-7600, चमकी 7600-7700, नायलोन 7700-7800, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6700-6800, हल्की 6500-6600, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 97700, चाँदी (99) 97600, टंच 95900, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 96300,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.13 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी मुद्रा के कमजोर रुख और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों की वजह से रुपया शुरुआती कारोबार में 40 पैसे मजबूत होकर 85.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को रिकॉर्ड लाभांश देने की घोषणा से भी स्थानीय मुद्रा को बल मिला।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.02 प्रति डॉलर पर खुला और फिर मजबूत होकर 84.98 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इसके बाद यह 85.05 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 40 पैसे की तेज बढ़त दिखात है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपके मन में काम को लेकर नये-नये विचार आएंगे, जिन्हें आप अपने व्यवसाय में लगाने की कोशिश करेंगे। आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ कहीं घूमने-फिरने जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आपका कोई पारिवारिक मामला फिर से सिर उठाएगा, जो आपको टेंशन दे सकता है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको कोई चोट-चपेट आदि लगने की संभावना है। आप अपनी माताजी को ननिहाल पक्ष के लोगों से मेल-मिलाप करने लेकर जा सकते हैं। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके दिए गए सुझावों का स्वागत होगा, जिससे आपको खुशी होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है, लेकिन व्यवसाय में आपके साथ कोई धोखा होने की संभावना है, इसलिए आपको किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचना होगा। आपको यदि किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करने के लिए सोच विचार कर रहे हैं, तो आपको उसके जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपको किसी काम को लेकर योजना बनाकर चलना होगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। परिवार में बड़े बुजुर्गों की सेहत और आपको पूरा ध्यान देना होगा। आपका कोई पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है, जिसमें आप गिले शिकवे न उखाड़ें। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपको अपने रुके हुए कामों को समय से पूरा करने की कोशिश करनी होगी। आप अपने भविष्य को लेकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करा सकते हैं। बिजनेस में आपका मन उतार-चढ़ाव आने से आपका मन थोड़ा परेशान रहेगा। आपकी धार्मिक कार्यों के प्रति काफी रुचि रहेगी। आपके मित्रों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। भाई-बहनों को आपको पूरा साथ मिलेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप यदि किसी नए घर आदि की खरीदारी करने की सोच रहे थे, तो आपकी वह इच्छा पूरी हो सकती है। आपको अपनी सेहत को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी होगी, इसलिए आप दवाइयां समय पर लें।

तुला- आज का दिन आपके लिए अपने बढ़ते खर्चों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। आपको प्रमोशन मिलने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, वह अपनी मेहनत में और तेजी लाएंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आप नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। आपको अपने शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से सावधान रहने की आवश्यकता है। बिजनेस में यदि आपने किसी के साथ पार्टनरशिप की तो वह आपको धोखा दे सकते हैं। आपको अपने घर परिवार के कामों को भी समय से निपटाने की कोशिश करें, नहीं तो माताजी आपसे नाराज हो सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने पिताजी से संपत्ति को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपनी किसी पुरानी गलती से सबक ले, जो विद्यार्थी विदेश जाकर पढ़ाई करने की सोच रहे हैं, उन्हें इस महीने थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। व्यवसाय में आपको कोई भारी नुकसान हो सकता है। आपको किसी काम को लेकर जीवनसाथी से मदद लेनी पड़ सकती हैं। आप अपने पारिवारिक मामलों को घर में रहकर ही निपटाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा और धन को लेकर इस महीने आप थोड़ा परेशान रहेंगे, क्योंकि आपका कोई काम पूरा होते-होते रह सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपके बिजनेस का कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो आप उसे पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। आप जल्दबाजी के कारण कामों में कोई गड़बड़ी भी कर सकते हैं। आप काफी व्यस्त रहने के कारण परिवार के सदस्यों के लिए समय कम निकलेंगे, जिससे वह नाराज हो सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए आध्यात्म के कार्यों में आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपका भगवान की भक्ति में खूब मन लगेगा। विद्यार्थी यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लेने की सोच रहे हैं, तो उसमें उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी। आपको किसी सामाजिक आयोजन में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी। आप किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें वाहन बहुत ही सावधानी से चलाएं।

शब्दजाल - 7911

कं	क	दो	यु	ला	प	नं	दा	दे	वी	क
ज	च	ल	प	ह	रिं	गा	ना	दि	शा	त्रि
अं	इ	न	म	सं	दा	प	श	र	ला	शू
क	कु	दा	जं	धा	ब	र्व	नू	रि	श	ल
क	ति	श	न	धा	क	त	न	न	वी	ता
सा	से	र	कां	ग	ड़ी	र्त	कू	ती	कू	रु
पौ	हु	न	री	अं	गा	म	य	कौ	ला	न
क	बा	अ	ब	री	क	शे	त	न	श	चौ
क	स	थो	गि	व	न	ज	र	शा	जू	खं
द	र	ना	प	ति	रं	र्त	ऐ	ब्र	प	बा
थो	दू	सा	रु	मा	नी	हो	जा	एं	म	क

शब्द जाल में भारत के 10 प्रमुख पर्वतों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

कंचनजंघा, नंगा पर्वत, नंदा देवी, चौखंबा, दूनागिरी, सासेर कांगड़ी, नूनकून, गाशेर ब्रम, पौहुनरी, त्रिशूल

शब्दजाल - 7910 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 6855

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरुद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'सुमनी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 6854

शब्द पहेली - 8379

बाएँ से दाएँ

1. कथा,गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा,कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति,वर-4
11. योग्य,उपयुक्त-3
13. चिंतन,सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा,शक्ल-3
18. चाकू,खंजर-3
20. उकसाना,चकमा देना -4
23. लक्ष,सौ हजार-2
25. ईश्वर,भगवान-2
26. विदा,गमन-3
27. लेखनी,पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर,फन-2
2. शांति,वीराना-3
3. चिलमन,ओट,घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा,मुद्दा-3
7. आंगन,बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा,क्षारीय-4
12. कारनामा,करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक,स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी(उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल,व्यर्थ-2
24. गधा,गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -8378 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

[illegible]

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः जीवन का सच

एक बार किसी गांव में एक महात्मा पधारे। उनसे मिलने पूरा गांव उमड़ पड़ा। गांव के हरेक व्यक्ति ने अपनी-अपनी जिज्ञासा उनके सामने रखी। एक व्यक्ति ने महात्मा से पूछा, 'महात्मा जी, ऐसा क्या करें, जिससे जीवन की सभी चिंताओं से मुक्ति मिल जाए और कोई भी काम अधूरा न रहे।' यह सुनकर महात्मा जी मुस्कराए, फिर उन्होंने कहा, 'पहले तुम मुझे कुछ जिंदा मेंढक लाकर दो, उसके बाद तुम्हारे इस सवाल का जवाब दूंगा।' यह सुनकर लोग चकराए। लेकिन महात्मा जी का आदेश था, सो कुछ लोग जल्दी से तालाब पर पहुंचे और बड़ी मुश्किल से कुछ मेंढक पकड़ लाए। फिर महात्मा जी ने तराजू लाने को कहा। एक आदमी तराजू ले आया। महात्मा जी ने लोगों से कहा कि वे मेंढकों को तौलें और उनका कुल वजन बताएं। यह कहकर महात्मा जी चले गए। उसी व्यक्ति ने मेंढकों को तौलना शुरू किया जिसने प्रश्न किया था। उसने ज्यों ही मेंढकों को पलड़े पर रखा, कभी एक मेंढक उछलकर भाग निकलता तो कभी दूसरा। फिर लोग उन्हें पकड़कर लाते और तराजू पर रख देते। लेकिन उन्हें स्थिर रख पाना बेहद कठिन था। लोग दिन भर प्रयास करते रहे। शाम होने पर महात्मा जी फिर वहां पहुंचे। उन्होंने लोगों से यह काम बंद करने को कहा। सारे मेंढक भाग निकले। महात्मा जी ने कहा, 'जैसे इतने जिंदा मेंढकों को खुले तौर पर तौलना संभव नहीं, उसी प्रकार संसार में सब ठीकठाक करके निश्चिंत रहना संभव नहीं है। उद्यम, साहस, धैर्य, बुद्धि, शक्ति और पराक्रम, इन सद्गुणों को जीवन में धारण करो और अपना दायित्व निभाओ।'

सूडोकू नववाल- 7164

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नववाल -7163 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455 अंक बढ़कर 82,176.45 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई एनएसई निफ्टी 0.60 फीसदी 148 अंक ऊपर आकर 25,001.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान वाहन, आईटी और धातु शेयरों में तेजी से भी बाजार ऊपर आया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एलएंडटी नेस्ले इंडिया, एचसीएलटेक और टेक महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक उछले जबकि कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक और इटरनल (जोमैटो) के शेयर सबसे अधिक गिरे। निफ्टी ऑटो सूचकांक (1.08 फीसदी), निफ्टी आईटी सूचकांक (1.01 फीसदी) और निफ्टी मेटल सूचकांक (0.92 फीसदी) उछले। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में भी 0.63 फीसदी और 0.36 फीसदी की तेजी रही। अमेरिका के यूरोपीय यूनियन से आयात पर लगाए जाने वाले 50 फीसदी टैरिफ को टालने और व्यापार वार्ता की समयसीमा बढ़ाने से भी बैंकिंग और ऑटो शेयरों में उछाल आया जिसका सकारात्मक प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा। वहीं आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच ही बाजार तेजी के साथ खुला। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी से बाजार को बल मिला। सुबह सेंसेक्स आज 200 से ज्यादा अंक चढ़ाकर 81,928.95 पर खुला। खुलते ही यह 500 से ज्यादा अंक चढ़ गया। सुबह शुरुआत के बाद यह 618.15 अंक की बढ़त लेकर 82,339.23 पर था। वहीं निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,919.35 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 164.20 अंक की बढ़त के साथ 25,017.35 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में सभी सेक्टर हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी फार्मा, मेटल और ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिल रही। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.7 फीसद ऊपर था। जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स 0.53 फीसदी बढ़ा।

भारत और रूस ने ब्रह्मोस मिसाइल के नए वर्जन निर्माण को लेकर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत और रूस ने मिलकर ब्रह्मोस मिसाइल के नए और बेहतर वर्जन का निर्माण करने पर बातचीत की है। ब्रह्मोस मिसाइल ने ऑपरेशन सिंदूर में साबित की अपनी क्षमता और अब उत्तर प्रदेश में नए कारखाने के जरिए इसका उत्पादन बढ़ाने का निशाना रखा है। इस प्रोजेक्ट से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की योजनाएं मजबूत होंगी और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित किया जाएगा। यह भारत की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगा और रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। भारत ने अपनी लड़ाकू विमानों से ब्रह्मोस मिसाइलें दागकर पाकिस्तान के रावलपिंडी के पास स्थित नूर खान एयरबेस पर हमला किया। इस मिसाइल की शक्ति और स्पीड के माध्यम से भारत ने दुश्मनों को संगीन संदेश भेजा है कि वह किसी भी ज्ञात एयर डिफेंस सिस्टम से रोका नहीं जा सकता। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी और साथ ही पाकिस्तान और चीन को भी आवाज दी जा रही है कि भारत को किसी भी समर्थन की आवश्यकता नहीं है। ब्रह्मोस मिसाइल के उत्पादन से जुड़े सहायक उद्योगों का विकास होने के साथ-साथ भारत की आत्मनिर्भरता में और भी पहल की जा रही है। इससे लागत कम होने, रोजगार के अवसर प्रदान होने और उत्पादन में वृद्धि होने की संकेत मिल रहे हैं। भारतीय रक्षा क्षेत्र को साशक्तिकरण के सपने पूरे करने के लिए नए उत्पादों के निर्माण में और भी तेजी से काम करना होगा। इससे हमारे देश की प्रगति और स्वावलंबनता में और भी सुधार होगा।

सोना-चांदी की कमजोर शुरुआत

नई दिल्ली। इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव सोमवार को गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,900 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोना नरमी व चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर

सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट सोमवार को 420 रुपये की गिरावट के साथ 96,001 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,421 रुपये था और यह 496 रुपये की गिरावट के साथ 95,925 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 176 रुपये की गिरावट के साथ 97,878 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 98,054 रुपये था। इस समय यह 140 रुपये की गिरावट के साथ 97,914 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव में नरमी,जबकि चांदी के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,355.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,365.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 21.40 डॉलर की गिरावट के साथ 3,344.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.61 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.60 डॉलर था। इस समय यह 0.04 डॉलर की तेजी के साथ 33.64 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मुख्य चौराहे व तहसील कार्यालय के प्रवेश द्वार पर लगाया जावें स्थान सूचक बोर्ड

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर के मुख्य चौराहे सुभाष चौक से चारों दिशाओं में सालेटेकरी मार्ग, आमगांव मार्ग, खैरागढ़ मार्ग, बालाघाट मार्ग व मेनरोड जो आगे पूर्वाटोला, मानपुर टेकरी को जाता है। किन्तु चौराहे पर मार्ग को प्रदर्शित दिशा सूचक बोर्ड लगा नहीं होने के कारण बाहर से आने वाले रास्ता भटक जाते हैं तो वहीं लोगों से पुछते नजर आते हैं। इसी तरह का आलम नगर के तहसील का मुख्यालय है, यहां सालेटेकरी मार्ग पर सिविल न्यायालय के आगे 250 मीटर की दूरी पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय, तहसील कार्यालय, नायब तहसीलदार लांजी एवं उपपंजीयक कार्यालय तथा लोकसेवा केन्द्र का कार्यालय है। उक्त कार्यालयों में राजस्व संबंधी एवं लोकहित से संबंधीत अनेकों प्रमुख कार्य संपादित किये जाते है। उक्त कार्यालयों में लांजी तहसील के लोगों के अलावा आसपास के अनेकों क्षेत्रों के लोगों का आना-जाना लगा रहता है। किन्तु तहसील कार्यालय में प्रवेश द्वार पर तहसील कार्यालय लांजी लिखा बोर्ड न होने के कारण आसपास क्षेत्रों से आये लोग भटकते रहते है। जिस कारण तहसील कार्यालय लांजी के प्रवेश द्वार पर तहसील कार्यालय लांजी लिखा हुआ बोर्ड लगा होना आवश्यक है। इसके अलावा नगर के मुख्य चौराहे पर भी सभी मार्ग को दर्शाने वाला बोर्ड लोक निर्माण विभाग को लगाया जाना चाहिए। इस संबंध में क्षेत्रीय प्रबुद्धजनों ने प्रशासन से मांग की है कि लांजी नगर के मुख्य चौराहे पर एवं तहसील कार्यालय के प्रवेश द्वार पर, मार्ग किनारे बोर्ड लगवाया जावें, ताकि बाहर से आने वाले लोगों को भटकना ना पड़े।

समयमान वेतनमान नहीं मिलने से जिले के शिक्षा विभाग के लिपिकों में रोष

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जिले के शिक्षा विभाग में कार्यरत लिपिक संवर्ग को लम्बे समय से समयमान वेतनमान नहीं मिलने से उनमें रोष व्याप्त है। इस संबंध में मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष सुधीर चौहान ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जिले के शिक्षा विभाग में कार्यरत लिपिक संवर्ग के 10/20/30 वर्ष पूर्ण होने पर जिन्हें लगभग, तीन वर्ष पूर्व समयमान वेतनमान मिलना था जो आज दिनांक तक नहीं मिला है। जिससे लिपिक संवर्ग आर्थिक एवं मानसिक रूप से परेशान है। संबंधित लिपिको के प्रस्ताव नियुक्त कार्यालय द्वारा समयावधि में समस्त अभिलेखो सहित जिला शिक्षा कार्यालय बालाघाट को भेजे जा चुके है। जिसे जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट द्वारा संपूर्ण परीक्षण कराये जाने के पश्चात पत्र कमांक -3764 दिनांक 05.08.2024 द्वारा संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग जबलपुर को भेजे जा चुके है। लगभग 10 माह होने के बाद भी संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर द्वारा समयमान वेतनमान के आदेश जारी नहीं किये गये है। जिससे लिपिक साथी आर्थिक एवं मानसिक रूप से परेशान हो रहे है ।विभाग में लिपिको की संख्या कम होने के कारण लिपिको पर दो से तीन संकुलो का कार्य करना पड़ रहा है जबकि लिपिको का वेतन वैसे ही कम है उसके बाद भी लिपिको को समय पर समयमान वेतनमान का लाभ नही देकर अनावश्यक आर्थिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। श्री चौहान ने मप्र लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी के नाम पत्र प्रेषित कर इस समस्या का शीघ्र निराकरण करने हेतु सचिवालय स्तर पर पहल करने की मांग की है। आपने प्रशासन से मांग की है कि 10 जून तक आदेश ना होने पर न्यायालय की शरण में जाने की बात कही है।

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में 30 को विशेष बैठक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। गायत्री शक्तिपीठ लांजी में गायत्री परिवार के उप जोन समन्वयक दिनेश देशमुख एवं जिला समन्वय पुष्पेश्वर पिछोड़े का आगमन 30 मई 2025 दिन शुक्रवार को हो रहा है। श्री देशमुख जी एवं श्री पीछोड़े जी की उपस्थिति में दोपहर 3 बजे से अति आवश्यक बैठक रखी गई है। सभी ट्रस्ट मंडल के सदस्यों, समन्वयक समिति के सभी सदस्य, नव चेतना केंद्र के प्रभारी, ग्राम प्रभारी, सभी अखंड ज्योति पत्रिका एवं युग निर्माण पत्रिका के पाठक एवं समस्त परिजनों की उपस्थिति पे यह विशेष बैठक संपन्न होगी। अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शांतिकुंज का विशेष संदेश सुने और अपने जीवन को धन्य बनाए।

माँ एग्रो इण्डस्ट्रीज ने सिविल अस्पताल के सामने गेट पर लगाया आरो वाटर कूलर, आज लोकार्पण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी राजेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अंकित अग्रवाल एवं शिवांश अग्रवाल माँ एग्रो इण्डस्ट्रीज लांजी के द्वारा अमृत धारा जन सेवा हित में लांजी नगर को जल सेवा के तहत एक वाटर कुलर पूज्य पिता श्री स्व. झींगरलाल अग्रवाल एवं पूज्य माता जी श्रीमती स्व. कमलादेवी अग्रवाल जी की स्मृति में भेंट स्वरूप प्रदान किया गया है जो कि आमगांव मार्ग स्थित सिविल अस्पताल लांजी के सामने लगाया जायेगा जिसका लोकार्पण आज विधायक राजकुमार करांहे के द्वारा प्रातः 11 बजे किया जायेगा। प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव के द्वारा संपूर्ण प्रदेश में चलाये जा रहो जल गंगा संवर्धन अभियान संपूर्ण प्रदेश में प्रतिसाद मिल रहा है। इसके तहत कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान की सक्रियता निरंतर निकाय क्षेत्र में बनी हुई है, जिसके तहत नगर परिषद् लांजी को सौगात स्वरूप, माँ एग्रो इंडस्ट्रीज लांजी के संचालक राजेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अंकित अग्रवाल एवं शिवांश अग्रवाल लांजी के द्वारा शासकीय अस्पताल के सामने जन सेवा हेतु आर.ओ.वॉटर कूलर स्थापित किया गया है। बतादे कि यह वाटर कूलर संपूर्ण नगर के लाभदायक होगा क्योंकि वर्तमान में कही भी प्याऊ आदि स्थापित नही किया गया है। सिविल अस्पताल लांजी के सामने उक्त वाटर कूलर लगने से बस स्टैण्ड परिसर में यात्रियों के लिये भी शुद्ध पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। इसके अलावा दुर दराज से आने वाले लोगो के लिये भी उक्त आर ओ वाटर कूल लाभदायक होगा, अस्तपाल परिसर में पंहुचने वाले मरीजो के लिये भीी लाभदायक होगा उक्त वाटर कूलर जिसका आज 27 मई को प्रातः 11 बजे विधायक राजकुमार करांहे के द्वारा लोकार्पर्ण किया जायेगा। इस दौरान अग्रवाल परिवार के साथ, नगर अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, परिषद पदाधिकारी, सीएमओ सहित नगर के गणमान्य नागरिक गण क्षेत्र की जनता प्रमुख रूप से उपस्थित रहेगी।

हत्या और हत्या का प्रयास जैसे गंभीर मामले में गवाह देना मुरारी परिवार को पड़ रहा है भारी

जमानत पर छूटने के बाद हत्या के प्रयास के दबंग आरोपी भुना रहे है रंजिश, कभी गवाहदार, तो गवाहदार के बेटे पर कर रहे हैं हमले, मामला वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जागपुर का

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हत्या और हत्या का प्रयास जैसे गंभीर अपराध में गवाह बनकर कानून का सहयोग देना एक व्यक्ति के परिवार को ऐसे गंभीर अपराध के दबंग आरोपियों के पिछले 10 साल से कोप का शिकार होना पड़ रहा है ।जहां पर सजा काटने और जमानत होने के बाद घर पहुंचे इन आरोपियों ने गवाह देने वाले व्यक्ति और उसके परिवार का गांव में रहना और जिना दुश्वार कर दिया है। घटना वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जागपुर में रहने वाले एक मुरारी परिवार के साथ पिछले 10 साल से हो रही है। 25 मई की रात्रि 8:00 बजे करीब हत्या और हत्या का प्रयास करने वाले लोगों ने अपने साथियों के साथ मिलकर गवाह देने वाले व्यक्ति जयपाल मुरारी के बेटे अशोक मुरारी 42 वर्ष को रोक कर हमला कर दिए हाथ बुक्के लाठी से की गई मारपीट में घायल इस व्यक्ति को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है इस घटना के बाद इस मुरारी परिवार को अपना घर ही छोड़ना बाध्य होना पड़ा जो इन दोनों जिला अस्पताल में है। 25 मई की रात्रि हुई यह वारदात कोई पहली वारदात नहीं है इसके पूर्व इस परिवार पर हमला हो चुके हैं और वारासिवनी पुलिस थाना में शिकायत भी की गई है किंतु इस शिकायत को नजर अंदाज कर दिया गया और इन आरोपियों पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई जिसके कारण इन आरोपियों के हौसले बुलंद है और वे मुरारी परिवार को आए दिन परेशान कर रहे हैं।

हत्या और हत्या के प्रयास में गवाह देना बना मुसीबत

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जागपुर निवासी जयपाल मुरारी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिन्होंने करकाड़े परिवार द्वारा घटित किए गए हत्या और हत्या का प्रयास करने के मामले में गवाह दी थी सन 1990 में ग्राम जागपुर के करकाड़े लोगों के विरुद्ध एक व्यक्ति की हत्या करने का आरोप लगा था यह वारदात जयपाल मुरारी के घर के पास हुई थी और वारासिवनी में पुलिस ने इस मामले में जयपाल मुरारी को गवाह बनाई थी हत्या की इस मामले में करकाड़े परिवार के आरोपियों को सजा हुई थी। 9-9 साल की सजा काटने के बाद आरोपी घर आये। गवाही देने पर से करकाड़े परिवार और जयपाल मुरारी के परिवार के बीच आपसी रंजिश बन गई थी और करकाड़े परिवार के लोगों ने मुरारी परिवार को अपना निशाना बनाकर आपसी रंजिश भुनाना शुरू किये। इस आपसी रंजिश के चलते।

जमानत पर छूटने के बाद हत्या के प्रयास के आरोपी भुना रहे है गवाह देने की रंजिश

सन 2015 में जयपाल मुरारी के घर के ही सामने सुभाष दूधमोंगरे और विजय दूधमोंगरे को करकड़े परिवार के योगेश करकाड़े और दिनेश करकाड़े ने मारपीट की गई थी जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले में वारासिवनी पुलिस थाने में धारा 307 भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया था। चूंकि यह वारदात जयपाल मुरारी के घर के सामने ही हुई थी। वैसे भी जयपाल मुरारी ऐसे मामले में फंसना नहीं चाहते थे। किंतु घर के सामने हुई वारदात के वे चश्दीद थे। वारासिवनी पुलिस ने जयपाल मुरारी को कानून का सहयोग देने का हवाला देकर इस मामले में जयपाल मुरारी को ही गवाह बनाये थे। वारासिवनी की न्यायालय में चलते इस मामले में अप्रैल 2023 में आरोपी योगेश करकाड़े और दिनेश करकाड़े को भादवि धारा 307 के तहत 7-7 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी और पिछले 1 साल से इस मामले के आरोपी जबलपुर हाईकोर्ट से जमानत पर है और मुरारी परिवार को अपना निशाना बनाकर आपसी रंजिश भुनाने ताक में रहते है।

मारपीट किये, सीसीटीवी कैमरा तोड़े शिकायत की किंतु कार्रवाई नहीं

पिछले 1 साल से करकाड़े परिवार के इन लोगों ने जयपाल मुरारी और उसके परिवार को परेशान करके रख चुके हैं किसी ने किसी बात को लेकर के विवाद करना इनकी आदत में सुमार हो चुका है। जिसकी शिकायत जयपाल मुरारी ने वारासिवनी पुलिस थाना में की किंतु इस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसके कारण इन लोगों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। 26 अप्रैल की रात्रि में भी जयपाल मुरारी के साथ मारपीट की गई थी जिसकी शिकायत वारासिवनी पुलिस थाना में की गई। यहां तक की इन लोगों ने जयपाल मुरारी के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़फोड़ कर दिए।

आपसी रंजिश के चलते खेत में लगा विद्युत खम्बा गिरने का प्रयास

बताया गया है कि जयपाल मुरारी खेती किसानी करते हैं जिन्होंने अपने खेत में विद्युत कनेक्शन लिया है और इसके लिए चार खंबे भी लगे। किंतु करकाड़े परिवार को यह भी नागवार लग रहा था। 24 मई को दिन में योगेश करकाड़े का भाई टिंगु उर्फ तोपेश्वर करकाड़े जयपाल मुरारी के खेत में लगे विद्युत खंबे को गिराने के लिए उसके आसपास की मिट्टी की खुदाई करने लगा था जिसे तुरंत ही पकड़ लिए और परिवार वालों को खबर दिए करकाड़े परिवार के योगेश करकाड़े,अशोक करकाड़े रमेश करकाड़े और अक्षय गोस्वामी आये और उल्टे जयपाल मुरारी के बेटे अशोक मुरारीऔर उसके पत्नी को ही मारपीट करने आमाद होते हुए झूमाझपटी कर बैठे। जिसकी भी शिकायत वारासिवनी पुलिस थाना में की गई है।

रास्ते में घेर कर हाथ बुक्के, लकड़ी से की मारपीट, साइकिल पटकर किये घायल

इस विवाद के चलते 25 मई की रात्रि 8:00 बजे करीब जयपाल मुरारी का लड़का अशोक मुरारी सब्जी खरीदने के लिए साइकिल से ग्राम जागपुर समीप रेंगाटोला गया था और सब्जी खरीद कर साइकिल से अपने घर लौट रहा था। तभी रेंगाटोला और जागपुर के बीच नहर पुलिया के पास योगेश करकाड़े, अशोक करकाड़े,दिनेश करकाड़े, रमेश करकाड़े दुलीचंद करकाड़े ने अपने साथी अनिल मुरारी विनोद मुरारी गुलाब मुरारी अक्षय गोस्वामी रविंद मुरारी के साथ अशोक मुरारी को घेर लिए और अश्लील गालियां देते हुए योगेश करकाड़े, अशोक करकाड़े रमेश करकाड़े अक्षय गोस्वामी ने अशोक मुरारी को हाथबुक्के और लाठी से मारपीट किये उसके ऊपर उसकी साइकिल पटक दिए। बीच बचाव करने के लिए जब अशोक मुरारी का दोस्त कन्हैया आया तो उसे भी इन लोगों ने मारपीट किये और जान से मार डालने की धमकी देते हुए फरार हो गए ।खबर मिलते ही अशोक मुरारी के पिता और परिवार के लोग पहुंचे जिन्होंने मारपीट में घायल अशोक मुरारी को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने अशोक मुरारी का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु पुलिस थाना वारासिवनी ने भिजवा दी है ।वही करकाड़े परिवार की इस दब गई से मुरारी परिवार दहशत में आकर अपना घर छोड़कर जिला अस्पताल में ही अपना समय बिता रहे हैं। 26 मई को मरारी परिवार ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट से मिलने उनके कार्यालय भी पहुंचे थे।

मर्डर और 307 के केस में गवाह दी थी तभी से रंजीश बनी हुई है

जयपाल मुरारी ने पद्मेश न्यूज को बताया कि घायल उनका बेटा अशोक मुरारी है रात्रि 8:00 बजे सब्जी लेकर रेंगाटोला से लौट रहा था। तभी चार लोगों ने पड़कर उसे हाथ बुक्के से मारपीट किया। उसके ऊपर सायकिल भी पटक दिए और वहां पर अन्य लोग भी खड़े थे जिन्होंने मारो साले को मारो साले को बोल रहे थे। जयपाल मुरारी ने बताया की करकाड़े परिवार से पहले से रंजिश चल रही है। उनके ऊपर मर्डर और 307 का केस चल रहा था। वह गवाह बना था ।क्योंकि उसके घर के सामने ही घटना हुई थी। पुलिस परेशान कर रही थी कि सामने घटना हुई है गवाह नहीं देते ऐसे में कौन तुम्हारी मदद करेगा तो उसने गवाही दी और सजा पड़ गई थी। 307 में योगेश और दिनेश जमानत पर छूट कर आए हैं। पुरानी रंजिश को लेकर उनके खेत में लगा विद्युत खंबा गिरने के लिए मिट्टी खोद रहे थे। तब उसे स्पॉट पर पकड़ लिए थे और समझाएं भी दी गई थी। पूर्व रंजीत को लेकर मारपीट की गई।

मर्डर करने और जिंदा जलाकर मारने की धमकी दे रहे हैं- अशोक मुरारी

अशोक मुरारी ने बताएं कि शाम 7:00 बजे खेत से घर आया और सब्जी लेने के लिए रेंगाटोला गया था। और सब्जी लेकर घर आ रहा था तभी नहर के पास सुनसान जगह पर उसे पड़े और हाथ बुके और लाठी से मारपीट किया और उसके ऊपर साइकिल भी पटक दिए अशोक पुराने बताएं कि यह लोग खेत में लगे विद्युत खम्बा को गिराने के लिए खोद रहे थे जिसे उसकी पत्नी ने पकड़ लिए थे। इसके पहले भी दो-तीन बार उन्होंने वारदात की है मर्डर करने जिंदा जलाकर मारने की धमकी देते आ रहे हैं।

शिकायत आती है तो वैधानिक कार्रवाई की जाएगी -वारासिवनी थाना प्रभारी हेमंत कुमार नायक

वारासिवनी थाना प्रभारी हेमंत कुमार नायक ने पद्मेश न्यूज को दूरभाष पर बताएं कि अभी इस मामले की शिकायत नहीं आई है और शिकायत आती है तो जांच उपरांत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट नगेंद्र सिंह ने किया थाना किरनापुर का वार्षिक निरीक्षण

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। पुलिस अधीक्षक बालाघाट नगेंद्र सिंह ने आज थाना किरनापुर का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, हवालात की सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस आवासीय क्वार्टर की सुविधा तथा थाना भवन का अवलोकन एवं निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा इसके साथ ही अपराध से संबंधित महत्वपूर्ण अभिलेख जैसे गंभीर अपराध रजिस्टर, एम.एल.सी. आगंतुक रजिस्टर एवं अन्य दस्तावेजों का अवलोकन किया। शस्त्रागार की स्थिति एवं उपलब्ध संसाधन भी बारीकी से जांच की गई ।निरीक्षण के दौरान उन्होंने गंभीर अपराधों के शीघ्र निराकरण एवं जनसुनवाई की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली एवं जनहितैषी बनाने हेतु थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाने आने वाले आम नागरिकों को बेहतर जनसुविधाएँ उपलब्ध कराने निकट भविष्य में वर्षा ऋतु में जल भराव की स्थिति, पुल पुलिया एवं क्षेत्र को चिन्हित करने एवं पूर्व तैयारी के के निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक महोदय ने थाना परिसर में उपस्थित पुलिस कर्मचारियों के सम्मेलन में समस्याएं सुनीं और उन्हें आवश्यक समाधान प्रदान करने हेतु आश्वाशन दिया। कर्मचारियों को प्रभावी बीट प्रणाली के अंतर्गत कार्य कर अपराध नियंत्रण के साथ-साथ आसूचना तंत्र को मजबूत बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में एक साथ जुड़ेंगी पांच एजेंसियां, 24 घंटे में मिलेगी एमएलसी रिपोर्ट

अब क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में नहीं होगी देर

पुलिस, प्रॉसिक्यूशन, कोर्ट, हॉस्पिटल और जेल को जोड़ा जा रहा पोर्टल्स के माध्यम से

भोपाल । मप्र में क्रिमिनल जस्टिस से संबंधित पांचों एजेंसी अब एक साथ जुडने जा रही हैं। पुलिस, प्रॉसिक्यूशन, कोर्ट, हॉस्पिटल और जेल को पोर्टल्स के माध्यम से एक साथ जोड़ा जा रहा है। खास बात यह है कि अब पुलिस और हॉस्पिटल के बीच मेडिकल परीक्षण रिपोर्ट महज 24 घंटे में उपलब्ध हो जाएगी। क्योंकि एमएलसी का पूरा प्रोसेस अब ऑनलाइन होने जा रहा है। जिससे एमएलसी की वजह से होने वाली देरी की समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यालय भोपाल से एमएलसी के लिए नया सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। मेडलएप यानी मेडिको लीगल परीक्षण एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट सिस्टम नाम का यह सॉफ्टवेयर एमएलसी फीडिंग के काम में लिया जाएगा, जिससे पुलिस विभाग के सभी थाने जोड़े गए हैं। अब ऑफलाइन की जगह इसी सॉफ्टवेयर में एमएलसी की रिपोर्ट अस्पताल द्वारा भरी जाएगी। जो 24 घंटे में संबंधित थाने तक पहुंच जाएगी और पुलिस अधिकारी उसे डाउनलोड कर केस में अग्रिम कार्रवाई कर पाएंगे। यह नई व्यवस्था ऑफलाइन एमएलसी की प्रक्रिया से होने वाली देरी की समस्या को खत्म कर देगी।

ई-समन के साथ ही एमएलसी भी होगी सॉफ्टवेर में लोड

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब न्याय प्रणाली के पांचों एजेंसियां पुलिस, लोकाभियोजन, जेल, कोर्ट और अस्पतालों के बीच बेहतर तालमेल बैठाने के लिए एजेंसियों के सभी पोर्टल सेंट्रलाइज किए गए हैं। अब कोर्ट द्वारा कोई समन जारी करने पर यह ई-समन जारी होगा। पुलिस उसे इलेक्ट्रॉनिकली तामील कराएगी। इसके बाद वह वापस कोर्ट में चला जाएगा।

ऑनलाइन हो सकेगी एमएलसी की फीडिंग

इसी तरह मेडलएप पोर्टल के जरिए भी पुलिस द्वारा थाने में ऑनलाइन एमएलसी भारी जाएगी। जब पुलिस कर्मचारी पीड़ित को अस्पताल जांच के लिए ले जाएगा तब डॉक्टर भी एमएलसी ऑनलाइन फीड करेंगे, जो थाने को ऑनलाइन ही प्राप्त हो जाएगी। ऐसे में जो मेडिकल रिपोर्ट्स की वजह से देरी होती है और इन्वेस्टीगेशन में ज्यादा समय लगता है उसकी अवधि कम हो जाएगी।

क्रिमिनल जस्टिस के लिए महत्वपूर्ण कदम

इस तरह टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से अब समन और वारंट इलेक्ट्रॉनिकली तामील होंगे। मेडिकल रिपोर्ट भी इलेक्ट्रॉनिकली मिल सकेगी। फॉरेंसिक रिपोर्ट्स और एफएसएल रिपोर्ट्स भी ऑनलाइन होगी, जो आईसीजीएस पोर्टल में कोर्ट भी देख सकता है और पुलिस भी डाउनलोड कर सकती है। इस तरह अब पांचों एजेंसियां एक ही पोर्टल पर आ गई है। हालांकि, इस पोर्टल के रनिंग में कहां-कहां कठिनाई आ रही है, इस संबंध में भी पांचों विभागों के अधिकारियों ने बैठक कर चर्चा की है। इस तरह टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर आने वाले समय में क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में होने वाले डिले को कम किया जा सकेगा।

पुलिसवालों को नहीं लगाने पड़ेंगे अस्पतालों के चक्कर

भारत में पुलिस विभाग ने अपराधों की जांच प्रक्रिया को तेजी और पारदर्शिता प्रदान करने के लिए एक नई पहल शुरु की है। अब पुलिस कर्मियों को मेडिको लीगल रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए अस्पतालों के नहीं काटने पड़ेंगे। यह सुविधा अब केवल एक क्लिक पर, यानी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध होगी। पिछले समय में पुलिस को एमएलसी रिपोर्ट प्राप्त करने में कई हफ्ते या महीने लग जाते थे, जो जांच प्रक्रिया में बाधा डालते थे। लेकिन अब मेडलीफ नामक सॉफ्टवेयर के जरिए ये रिपोर्ट 24 घंटे के भीतर संबंधित थाने तक पहुंच जाएगी। इस सॉफ्टवेयर को मुख्यालय भोपाल में तैयार किया गया है और इसे शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के थानों से अस्पतालों से जोड़ दिया गया है। इसका मतलब है कि पुलिस को रिपोर्ट लेने के लिए अस्पतालों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। पुलिस अधिकारी बताते हैं कि लगभग हर दूसरे अपराध में एमएलसी रिपोर्ट की आवश्यकता होती है। बिना इस रिपोर्ट के जांच अधूरी मानी जाती है। अब मेडलीफ सॉफ्टवेयर से पुलिसकर्मियों का यह बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। जयपुर अस्पताल में एमएलसी प्रभारी वीरेन्द्र बाथम के अनुसार, इस पोर्टल में एमएलसी की फीडिंग ऑनलाइन होगी और सभी थानों को इसके साथ जोड़ा जाएगा। पहले एमएलसी रिपोर्ट ऑफलाइन भरी जाती थी, जिसके कारण देरी होती थी, अब यह काम ऑनलाइन होने से रिपोर्ट 24 घंटे के अंदर संबंधित थाने में पहुंच जाएगी। इससे संबंधित सभी दस्तावेज और जरूटी जानकारियां समय पर आपस में साझा की जा सकेंगी। इस पहल से न्याय प्रक्रिया में पारदर्शिता और त्वरित निर्णय लेने की संभावना बढ़ेगी। अभी जो एप्लीकेशन चल रही है, उसमें सभी लोग ऑन बोर्ड हैं, लेकिन उपयोग में जो दिक्कतें आ रही हैं, उन्हें दूर करने के लिए बैठकें हो रही हैं।

ईओडब्ल्यू ने सरपंच, उप सरपंच, सचिव के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया

-अमृत सरोवर तालाब निर्माण में भ्रष्टाचार करने का आरोप
-मृत व्यक्तियों को मजदूरी दी

भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल (ईओडब्ल्यू) में प्राप्त शिकायत जिसमें आवेदक द्वारा यह आरोप लगाया गया था कि अनावेदकगणों द्वारा मृत व्यक्तियों को जीवित बताकर अमृत सरोवर तालाब निर्माण मजदूरी दर्शाकर फर्जी दस्तखत कर मजदूरी की राशि आहरण किया गया तथा शासन की योजनाओं में फर्जीवाडा कर स्वयं के द्वारा लाभ प्राप्त किया गया। उक्त शिकायत की जांच ईओडब्ल्यू जबलपुर, द्वारा की गई। ग्राम पंचायत सचिव श्रीमति देवश्री यादव द्वारा आपराधिक षड्यंत्र रचकर व अपने पद का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी कर मृत व्यक्ति कन्नू लाल वर्मन की मृत्यू के पश्चात उसके नाम पर मनरेगा के अंतर्गत उसकी उपस्थिति दर्ज कर कूटरचित मस्टररोल तैयार करना तथा ग्राम पंचायत के उपसरपंच राजेन्द्र यादव द्वारा सुषमा यादव को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अवैध लाभ पहुँचाना व वंदना यादव पत्नि राजेन्द्र यादव को लाडली बहिना योजना का अवैध रुप से लाभ पहुँचाना, प्रमाणित पाये जाने पर जांच उपरांत आरोप प्रमाणित पाये जाने से आरोपी (1) सरपंच, पुन्नू कोल पिता लक्षा कोल उम्र - 48 वर्ष, निवासी- ग्राम समर पिपरिया, ग्राम पंचायत बढैयाखेड़ा, जनपद पंचायत, जबलपुर (2) उपसरपंच, राजेन्द्र यादव पिता रामनाथ यादव उम्र - 39 वर्ष निवासी-ग्राम खिरहैनी घाट, ग्राम पंचायत बढ़याखेड़ा, जनपद पंचायत जबलपुर (3) श्रीमति देवश्री यादव सचिव, ग्राम पंचायत बढैयाखेड़ा, जनपद पंचायत जबलपुर (4) श्रीमति सुषमा यादव पति रामनाथ उर्फ रम्मू यादव निवासी निवासी - ग्राम खिरहनी घाट, ग्राम पंचायत बढ़याखेड़ा, जनपद पंचायत जबलपुरके विरुद्ध धारा 420, 467, 468, 471, 120बी भादवि एवं धारा 13 (1) ए13 (2) भ्रनिअ संशोधित 2018 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

ईओडब्ल्यू ने चना एवं मसूर के बीजों की राशि का गबन करने वाले अधिकिरयों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया

भोपाल । आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल (ईओब्ल्यू) में प्राप्त शिकायत जिसमें आवेदक द्वारा यह आरोप लगाया गया था कि वर्ष 2021-22 में जिला डिण्डौरी के विकास खण्ड मेहंदवानी में Targeting Rice Fallow Area (टीआरएफए) योजना अंतर्गत चना एवं मसूर बीज वितरण में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग डिण्डौरी के संबंधित अधिकारी / कर्मचारी द्वारा भ्रष्टाचार किया जा रहा है । उक्त शिकायत की जांच ईओडब्ल्यू जबलपुर, द्वारा की गई। जांच पर पाया कि वर्ष 2021-22 में जिला डिण्डौरी के 07 विकास खण्डों में Targeting Rice Fallow Area (टीआरएफए) योजना अंतर्गत चना एवं मसूर बीज वितरण किया गया था । तत्समय उप संचालक कृषि डिण्डौरी श्री अश्विनी झारिया थे। विकास खण्ड मेहंदवानी जिला . डिण्डौरी में तत्कालीन वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी हेमंत मरावी द्वारा कुल 728 कृषकों को 546 क्विंटल चना बीज वितरित किया गया था जबकि 728 कृषकों के अतिरिक्त 372 कृषकों की फर्जी सूची बनाकर 276.75 क्विंटल चना बीज का वितरण दर्शाया था तथा फर्जी सूची तैयार की थी साथ ही 305 कृषकों को 121.5 क्विंटल मसूर बीज वितरित किया था जबकि 295 कृषकों की सूची फर्जी तैयार कर 118 क्विंटल मसूर बीज का फर्जी वितरण दर्शाया था । स्टॉक रजिस्टर के अध्ययन से यह स्पष्ट है कि 276.75 क्विंटल चना बीज तथा 118 क्विंटल मसूर बीज विकास खण्ड मेहंदवानी वरिष्ठ कृषि अधिकारी के कार्यालय में आया ही नही तथा तात्कालीन उप संचालक कृषि अश्विनी झारिया व शाखा प्रभारी इंदर लाल गौरिया (सेवा निवृत्त) के कहने पर फर्जी कृषकों की सूची तैयार कर वितरण करा दिया गया। कुल राशि रूपये 30,39,575 का गबन पाया गया । संपूर्ण जांच उपरांत शिकायत पत्र में लगाये गये आरोप प्रमाणित पाये जाने से आरोपी (1) अश्विनी झारिया, तत्कालीन उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, जिला डिण्डौरी (2) इंदर लाल गौरिया, तत्कालीन शाखा प्रभारी (सेवा निवृत्त), किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, जिला डिण्डौरी (3) हेमंत मरावी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकास खण्ड मेहंदवानी, जिला डिण्डौरी के विरुद्ध धारा 120बी, 409, 420, 467, 468, 471, भादवि एवं धारा 7 सी, 13 (1) बी सहपठित 13 (2) भ्रनिअ संशोधित 2018 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

मध्य प्रदेश में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों का सर्वे होगा

- भोपाल, इंदौर सहित इन 8 जिलों पर खास फोकस

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिस और राज्य की खुफिया एजेंसियों की ओर से रोहिंग्या मुसलमानों का सर्वे किया जाएगा। आठ जिलों भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, रतलाम, मंदसौर, खरगोन, जबलपुर व श्योपुर में सर्वे पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन जिलों में प्रतिबंधित संगठन सिमी के सदस्य और आईएसआई एजेंट पकड़े जाने के मामले पहले भी सामने आए हैं। यहां प्रवासियों की संख्या अधिक है इसलिए इन्हें अधिक संवेदनशील माना गया है।

वापस बांग्लादेश और म्यांमार भेजा जाएगा

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बांग्लादेश व म्यांमार के अवैध प्रवासियों को खोज कर रोहिंग्या मुसलमानों इन्हें वापस भेजने की कवायद फिर से तेज कर दी गई है। इस संबंध में मध्य प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से पत्र भेजा गया है। इसके बाद मध्य प्रदेश में पुलिस और खुफिया एजेंसियां मिलकर सर्वे में जुट गई हैं। गतदिनों प्रदेश पुलिस के इंटेलिजेंस विभाग द्वारा सभी पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वर्चुअल बैठक भी की गई।

पंचायतों में उपचुनाव कराने मतदाता सूची बनेगी

राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किया कार्यक्रम, एक माह में जुड़ेंगे-हटेंगे नाम

भोपाल। प्रदेश में पंचायत राज संस्थाओं के उपचुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का कार्यक्रम तय कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि एक जनवरी 2025 को आधार मानकर नए मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 25 जून को ग्राम पंचायत और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन करेंगे।

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आज शाम तक अधिकारियों को प्रशिक्षण देने और शिफ्टिंग सूची के सत्यापन का कार्य करेंगे। इसके बाद मतदाता सूची तैयार किए जाने का काम शुरू होगा। इसके लिए जो भी कर्मचारी तैनात किए जाएंगे उन्हें आयोग द्वारा तय समय

सीमा में मतदाता सूची में बदलाव कर देना होगा ताकि चुनाव कार्यक्रम तय किए जा सकें।

ऐसे चलेगा कार्यक्रम

मतदाता सूची बनाने वाले वेण्डर 30 मई को शिफ्टिंग, जांच और संशोधन के लिए चेकलिस्ट रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को देंगे। दाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 5 जून को किया जाएगा। इस संबंध में मतदाताओं तथा जनप्रतिनिधियों को जानकारी देने के लिए 5 और 6 जून को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की जाएंगी। मतदाता सूची के संबंध में दावे-आपत्तियां 5 से 11 जून तक प्राप्त की जाएंगी। दावे आपत्तियों का निराकरण 17 जून तक किया जाएगा। इसकी चेकलिस्ट 20 जून तक तैयार करके चेकलिस्ट में सुधार के बाद 21 जून को वेण्डर को उपलब्ध करा दिया जाएगा। फोटोयुक्त मतदाता सूची 23 जून तक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं वेण्डर द्वारा जनरेट की जाएगी। इसे 23 जून को ही वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने दिग्गजों ने संभाला मोर्चा

भोपाल। पांच महीने से दौड़ रही मप्र भाजपा के नए अध्यक्ष के घोषणा की खबर मुकाम तक नहीं पहुंच पाई है। भाजपा के इतिहास में ये संभवत सबसे लंबा इंतजार है कि जब मप्र में पूरी भाजपा बेसब्र होकर नए अध्यक्ष की बाट जोह रही है, लेकिन अब तक पार्टी में इस एक नाम पर बहुप्रतीक्षित मुहर नहीं लग पाई है। इससे पदाधिकारियों में सुस्ती छाने लगी है। ऐसे में कार्यकर्ताओं में जान फूंकने और उनकी सक्रियता को बढ़ाने के लिए दिग्गज नेताओं ने मोर्चा संभाल लिया है। इन नेताओं की कोशिश है कि जब तक नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा नहीं हो जाती तब तक कार्यक्रमों के जरिए कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाई जाए।

मप्र भाजपा मुख्यालय में बीते तीन महीने से सन्नाटा है. आवेदन लेकर और अपनी नई भूमिका की तलाश में पार्टी मुख्यालय पहुंचने वाले कार्यकर्ता भी हताश हैं। जानते हैं कि अभी सारे कागज और प्रक्रियाएं लंबित ही रह जाएंगी। अब जो भी होगा पार्टी संगठन में नए बदलाव के बाद ही होगा। मप्र में लगातार टलते जा रहे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव का इंतजार छोड़ संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने जिलों में कोर कमेटी सहित पदाधिकारियों की बैठकें और अन्य कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू कर दिया। अध्यक्ष का चुनाव अटकने से जिलों की कार्यकारिणी गठन आगे बढ़ गया। निगम-मंडलों में दर्जा मंत्रियों और सदस्यों की ताजपोशी भी टल गई। समितियों में होने वाली हजारों कार्यकर्ताओं की नियुक्तियां भी नहीं हो पा रहीं। प्रदेश भाजपा महामंत्री एवं विधायक भगवानदास सबनानी का कहना है कि वरिष्ठ नेताओं के जिलों में प्रवास के दौरान कोर कमेटी के साथ संगठन के कामकाज पर विचार विमर्श हो रहा है। संगठन पर्व अर्थात प्रदेश अध्यक्ष चुनाव होने तक टाइम बीइंग जिलों में पदेन पदाधिकारियों के साथ यह सिलसिला शुरू किया गया है।

कार्यक्रमों पर बढ़ा फोकस

भाजपा के मैदानी कार्यकर्ताओं में उदासीनता और सुस्ती हॉवी न हो जाए इसके लिए भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश भाजपा प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह सहित प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने जिलों के दौरे शुरू कर दिए। हितानंद ने रविवार को बालाघाट में बैठक ली। जिलों में मौजूद कोर ग्रुप की टीम और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें चल रही है। इनमें खासतौर से तबादले की अनुशंसाएं और उससे जुड़े अन्य मुद्दों पर सहमति बनाई जा रही है। दो दिन पहले ग्वालियर में प्रदेश प्रभारी डॉ. सिंह ने कोर कमेटी और निगम के पार्षदों को समझाइश दी कि अफसरों के पास पूरी तैयारी से जाएं। कामकाज का होमवर्क पुख्ता होना चाहिए। सभी जिलों में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। संगठन के अन्य कार्यक्रम भी चल रहे हैं। इन्हें गति देने ही संगठन के वरिष्ठ नेता जिला कोर कमेटियों की बैठकों के साथ कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने के लिए विभिन्न समितियों में नियुक्ति के लिए पात्र लोगों की सूची भी बनवाने लगे हैं।

राजनीतिक नियुक्तियां रूकी

प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव नहीं होने के कारण प्रदेश में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियां रूकी हुई हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रदेश की विभिन्न संस्थाओं में करीब 55 हजार कार्यकर्ताओं को एडजस्ट किए जाने की संभावना है। सहकारी समितियों में ही हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं की नियुक्तियां होना है। ये सभी नियुक्तियां संगठन चुनाव पूर्ण होने अर्थात प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए अटकी हुई हैं। इनमें राज्य सहकारी संघ, मार्केटिंग सोसायटियां, विपणन संघ, सहकारी आवास संघ, सहकारी उपभोक्ता संघ, बीज उत्पादन एवं विपणन संघ, सहकारी मुद्रणालय, सहकारी भंडार गृह, मप्र राज्य सह. शक्कर कारखाना संघ, जन औषधि सह. विपणन संघ एवं लघु वनोपज संघ।

गवाही के लिए कोर्ट में नहीं थाने जाना होगा

- मध्य प्रदेश में 2000 बनेंगे वीसी रूम

भोपाल (ईएमएस)। केंद्र सरकार की न्याय श्रुति योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में 2000 स्थानों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम तैयार किया जा रहे हैं। यह रूम साउंड प्रूफ और इकोप्रूफ रूम होंगे। मध्य प्रदेश के स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

केंद्र सरकार ने प्रति वीसी रूम के लिए 2 लाख रुपए राज्य सरकारों को आवंटित किए हैं। इस राशि से कंप्यूटर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का सेटअप और 100 एमबीपीएस की इंटरनेट लाइन की व्यवस्था की जाएगी। सारे वीसी रूम पुलिस के थाने, एसडीओपी के कार्यालय, सीएसपी के कार्यालय इत्यादि मे तैयार किए जाएंगे। इस योजना को संचालित करने के लिए दिल्ली नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर ने सॉफ्टवेयर डिजाइन किया है। यह सभी राज्यों में लगाया जा रहा है। अगले 6 महीने में कोर्ट में जाकर गवाही देने की जरूरत नहीं होगी। थाने मे बने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम में जाकर गवाही एवं अन्य न्यायालय की कार्रवाई की जा सकेगी। लोग कहीं से भी गवाही दे सकेंगे। इससे शासन का खर्च बचेगा। न्यायालय में मामलों की सुनवाई जल्दी होगी। तारीख पर तारीख का खेल खत्म होगा।

न्याय श्रुति योजना का पहला चरण अगले 6 महीने में शुरू हो जाएगा। इससे न्यायालय में जल्द मुकदमे निपटेंगे। डिजिटल माध्यम में सभी रिकॉर्ड न्यायालय में प्रस्तुत होंगे। सभी किस्म की गवाही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी। अदालत जाने के लिए लंबी दूरी की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। जिन व्यक्तियों को गवाही के लिए अभी न्यायालय में जाना होता था। वह कहीं से भी बैठकर न्यायालय की कार्यवाही में भाग ले सकेंगे।

दतिया से भोपाल-खजुराहो के लिए सीधी फ्लाइट

- 31 मई को पीएम मोदी देंगे सौगात, प्रीमियम ट्रेन से भी कम होगा किराया

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश को एक और बड़ी सौगात मिलने वाली है। दतिया से भोपाल और खजुराहो के लिए सीधी फ्लाइट शुरू होने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दतिया और सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इसके बाद हवाई यात्री कम पैसे में सफर सकेंगे। इसका किराया प्रीमियम ट्रेन से भी कम होगा।

दतिया से भोपाल और खजुराहो के लिए जल्द ही सीधी फ्लाइट शुरू होने वाली है। भोपाल से दतिया हवाई सफर के लिए सिर्फ एक हजार रुपये चुकाने होंगे। यह फ्लाइन सप्ताह में चार दिन मिलेगी। भोपाल से दोपहर 1 बजे दतिया के लिए उड़ान भरेगी। दोपहर 02.10 बजे दतिया पहुंचेगी। फिर दतिया से खजुराहो के लिए दोपहर 02ः35 पर उड़ान भरेगी। दोपहर 03.15 बजे खजुराहो पहुंचेगी। खजुराहो से 03.40 बजे उड़ान भर कर शाम 4.20 बजे दतिया पहुंचेगी। इसके बाद दतिया से शाम 05.55 बजे भोपाल पहुंचेगी। आपको बता दें कि राजधानी भोपाल में देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर 31 मई को महिला सशक्तिकरण का कार्यक्रम बड़ा कार्यक्रम होना है। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। पीएम दो लाख से अधिक महिलाओं को संबोधित करेंगे।भोपाल आगमन पर प्रधानमंत्री का ग्रैंड वेलकम होगा।

डाट टिकट जारी करेंगे प्रधानमंत्री

इस कार्यक्रम का नाम देवी अहिल्या होलकर महिला सशक्तिकरण सम्मेलन दिया गया है। पीएम मोदी अहिल्याबाई जयंती पर डाक टिकट जारी करेंगे। जंबूरी मैदान में देवी अहिल्याबाई के साथ प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के पोस्टर लगाए गए है। कार्यक्रम स्थल पर महिलाओं से जुड़ी योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। महिला स्व सहायता समूह से जुड़े हुए अलग-अलग स्टॉल लगाए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस दौरे पर भोपाल-इंदौर मेट्रो परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही दतिया और सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन भी करेंगे। आपको बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद मध्य प्रदेश में पीएम मोदी का पहला बड़ा कार्यक्रम होगा।

आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक डॉ विक्रांत भूरिया बोले-

मप्र बनता जा रहा रेप और शराब कैपिटल

भोपाल । खंडवा जिले में आदिवासी महिला की गैंगरेप के बाद हत्या के मामले पर आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया ने दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भूरिया ने 31 मई को भोपाल आ रहे प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम को लेकर कहा, पीएम भोपाल के महिला सम्मेलन में आने से पहले ये सुनिश्चित करें कि मप्र में बहनों की सुरक्षा कैसे होगी?

भूरिया ने कहा, जिस तरह के जघन्य अपराध देश में हो रहे हैं कहीं न कहीं हम सबकी रूह कांप जाती है। ये अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं, क्योंकि कहीं न कहीं ये सरकार और प्रशासन सो रहे हैं। जब भी दिल्ली में कोई बड़ा कांड होता है तो मेनस्ट्रीम मीडिया में पूरी ताकत से चलता है लेकिन इस देश की आत्मा गांव में बसती है। आज गांव में बहुत से ऐसे अपराध हैं, जो मेनस्ट्रीम मीडिया में नहीं आ पाते।

आदिवासी महिला के साथ वरूरता हुई

विक्रांत भूरिया ने कहा,

खंडवा में एक ऐसी घटना हुई, जिसमें 45 साल की आदिवासी महिला के साथ सामूहिक बलात्कार होता है। उसके बाद आरोपियों ने शराब के नशे में सरिया डालकर महिला की बच्चादानी बाहर निकाल दी। उस महिला की आंतें बाहर आ गई। उसकी 16 साल की बच्ची जब वहां पहुंची तो मां की हालत देखकर बेहोश हो गई। इस तरह की घटनाएं मप्र में हो रही हैं। जब खंडवा में ये अपराध सामने आया तो प्रशासन मौन बैठा था। हमारे लोग वहां गए और देखा कि जिन डॉक्टरों ने पोस्टमॉर्टम कर रहे थे उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि इस तरह के अपराध भी हो सकते हैं।

भूरिया ने कहा, मैं खुद एक डॉक्टर हूं तो सोच समझ सकता हूं कि जब वो जिंदा होगी तब उसने कितनी यातनाएं और पीड़ा झेली होगी? और उन आरोपियों का मन एक बार भी नहीं पसीजा होगा? उस 16 साल की बच्ची पर क्या बीत रही होगी, ये हम सोच भी नहीं सकते। भूरिया ने कहा, मप्र कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल होकर बेलगाम हो गई है? जब मुख्यमंत्री जी ही मप्र में गृह मंत्री हैं तो इस तरह की घटनाएं मप्र में होना चाहिए?

शीर्ष दो में जगह बनाने उतरेगी आरसीबी

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम मंगलवार को अपने अंतिम आईपीएल लीग मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर शीर्ष दो में जगह बनाने उतरेगी। आरसीबी का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है और उसके बल्लेबाज व गेंदबाज भी लय में है जिससे वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार नजर आ रही है। वहीं सुपर जायंट्स की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीतकर अपने अभियान का समापन करना रहेगा। आरसीबी के पास 2016 के बाद पहली बार शीर्ष दो में जगह बनाने का अवसर है। शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमों को फाइनल में पहुंचने का एक अतिरिक्त अवसर मिलता है। आरसीबी के नाम 17 अंक है और इस मैच में जीत से उसके 19 अंक हो जाएंगे। इसलिए उसे जीत की सबसे अधिक जरुतर है।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से आरसीबी की गेंदबाज मजबूत हुई है। हेजलवुड इस सत्र में टीम की ओर से सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 10 मैचों में 18 विकेट लिए हैं और अभी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। जहां तक बल्लेबाजी की बात है फिल साल्ट, विराट कोहली और कप्तान रजत पाटीदार पर रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी।

वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स भी घरेलू मैदान पर जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी क्योंकि अब उसके पास खोने को कुछ नहीं है। अपने पिछले मैच में टाइटंस को हराने के बाद से ही उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसकी ओ से एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श और निकोलस पूरन ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में टीम को इस बार भी इनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। कप्तान ऋषभ पंत के लिए ये लय हासिल करने का अंतिम अवसर है और देखना है वह इसमें सफल होते हैं या नहीं। गेंदबाजी की जिम्मेदारी शारदुल ठाकुर, आकाश दीप और विल ओरोर्के पर रहेगी। दोनो टीमों के प्रदर्शन की तुलना करें तो आरसीबी 13 मैचों में 8 जीत और 4 हार के बाद 17 अंक और प्लस 0.255 रनरेट के साथ तीसरे पायदान पर है, जबकि सुपर जायंट्स 13 मैचों में 6 जीत और 7 हार के बाद 12 अंक और -0.337 रनरेट के साथ अंक तालिका में सातवें नंबर पर स्थित है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु -

फिल साल्ट, विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), मयंक अग्रवाल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, कृणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, जोश हेजलवुड, यश दयाल, रसिख दार सलाम, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

लखनऊ सुपर जायंट्स

ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन रक्रम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, मणिमरन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, अर्शिन कुलकर्णी, विल ओरोर्के।

अगले सत्र में वापसी करेंगे – रहाणे

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र से बाहर होने पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने निराशा जतायी है। रहाणे ने कहा कि इस बार टीम उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पायी पर कहा कि अगले सत्र में वह बेहतर प्रदर्शन कर वापसी का पूरा प्रयास करेगी। उसे अंतिम लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से 110 रन से सबसे बड़ी पारी का सामना भी इस बार करना पड़ा है। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा कि विरोधी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं हमारी टीम अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पायी। साथ ही कहा कि सनराइजर्स के बल्लेबाजी ने हर प्रकार की कमजोर गेंद का लाभ उठाया। इसलिए जीत का श्रेया उन्हें जाता है। साथ ही कहा कि हमारे गेंदबाज बनायी गयी योजना पर अमल नहीं कर पाये। रहाणे ने कहा कि हमने रणनीति बनाई लेकिन उसे लागू नहीं कर पाए। हमने गेंदबाजी इकाई के रूप में पूरी पारी में बहुत सारी गलतियां कीं। पूरे सत्र में हमारे पास अवसर था जिसका हम लाभ नहीं उठा पाये। हमारे इस सत्र में दो से तीन करीबी मैच रहे हैं। हम एक इकाई के रूप में नहीं खेल पाये। । हमने अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रयास किये थे। ये प्रारुप हमारे लिए अच्छा नहीं रहा पर इससे हमें काफी कुछ सीखने को भी मिला है। हम इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन के 105 तो ट्रेविस हेड के 76 रनों की सहायता से तीन विकेट पर 278 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर की टीम 168 रन ही बना पायी।

रोनाल्डो बोले, अभी 29 का ही हूं

बार्सिलोना। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा है कि वह अभी 10 साल और खेल सकते हैं। रोनाल्डो के अनुसार वह अभी 40 साल के होने जा रहे हैं पर एक तकनीकी कंपनी की ओर से किए गए परीक्षणों में वह उम्र से 11 साल छोटे पाये गए हैं। ये टेस्ट फिटनेस ट्रैकर और स्वास्थ्य निगरानी उपकरणों में विशेषज्ञता रखने वाली एक तकनीकी कंपनी ने किये थे। रोनाल्डो इसी कंपनी के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। जो टेस्ट किए गए उनमें हृदय गति, हृदय गति परिवर्तनशीलता जैसे शारीरिक डेटा को मापा जाना शामिल था जो उनके परिश्रम, रिकवरी और नींद के बारे में जानकारी देते हैं। रोनाल्डो ने कहा कि उनकी बॉयोलॉजिकल उम्र 28.9 वर्ष है। रोनाल्डो को जब पता चला कि वह अपनी वास्तविक उम्र से 11 साल छोटे लगते हैं तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब मैं 29 का हो गया हूं इसलिए दस साल और खेल सकता हूं।

आईपीएल सत्र में विफल रहे शमी के बचाव में उतरे कोच विटोरी

नई दिल्ली। आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इससे टीम को भी नुकसान हुआ है और वह लीग स्तर पर ही बाहर हो गयी है। शमी इस सत्र में 9 मैचों में केवल छह विकेट ही ले पाये। इसी को देखते हुए अब सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने आलोचनाओं का सामना कर रहे शमी का बचाव किया है। विटोरी ने अंतिम मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के बाद शमी का बचाव करते हुए कहा, 'बहुत समय से उन्होंने टी20 क्रिकेट नहीं खेला था, इसलिए वापसी में हमेशा ही परेशानी आती है। पिछले डेढ़ साल से वह खेल से दूर थे जिसके बाद लय हासिल करने में समय लगता है। उन्होंने कहा, 'जब वह पिछली बार गुजरात टाइटंस के लिए खेले थे तो पर्पल कैप विजेता थे, इसलिए मुझे लगता है कि

उनके लिए चुनौती प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना रहा है। मुझे लगता है कि जब वह उस लंबाई पर गेंद डालते हैं तो वह अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर होते हैं और शायद इस बार वह उस सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं थे जो हमने पूर्व में देखा है। विटोरी ने कहा, 'मुझे पता है कि उन्होंने काफी कड़ी मेहनत की थी और वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेसब्र थे पर यह उनका सत्र नहीं था लेकिन ऐसा कोई कारण नहीं है कि वह एक गेंदबाज के रूप में अपने स्तर को देखते हुए वापसी ना कर पाये। विटोरी इसके साथ ही बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे के प्रदर्शन से प्रभावित नजर आये। हर्ष ने तीन मैच में 19.60 के औसत से पांच विकेट लिए जिसमें नाइट राइडर्स के खिलाफ 34 रन पर तीन विकेट का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी शामिल है। विटोरी ने कहा, 'टीम में आने के बाद से उसने जिस प्रकार से प्रदर्शन किया है उससे हम उत्साहित हैं। वह बहुत अच्छा गेंदबाज है जो हालातों को बेहतर तरीके से समझता है और जानता है कि किस प्रकार से गेंदबाजी करनी है। उन्होंने कहा, 'उसके लिए सबसे अच्छी बात यह है कि अब से लेकर अगले आईपीएल तक वह बहुत सारा क्रिकेट खेलने वाला है, चाहे वह भारत ए के लिए हो या उसकी घरेलू टीम के लिए, उसके लिए बहुत सारे अवसर होने वाले हैं, इसलिए हमें विश्वास है कि वह एक गेंदबाज और एक बल्लेबाज के रूप में भी विकसित हो सकता है।

विटोरी ने कहा, 'उसे टूर्नामेंट में आने के समय खिंचाव था। यही कारण है कि वह अधिक मैच नहीं खेल पाया। हमने अनुमान लगाया कि वह शायद आखिरी के पांच से छह मैचों में गेंदबाजी करेगा और ऐसा ही हुआ वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे में शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑलराउडर नितीश कुमार रेड्डी इस सत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हालांकि विटोरी ने उनका भी बचाव करते हुए कहा कि नंबर चार या पांच पर खेलने उतरता है जो आईपीएल में सबसे कठिन क्रम है। हम जानते हैं कि नितीश जब अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर होता है, तो बेहतर प्रदर्शन करेगा।

लाहौर कलंदर्स ने पीएसएल खिताब जीता, केवल 4.24 करोड़ रुपए इनाम मिला

लाहौर। लाहौर कलंदर्स टीम ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) खिताब तीसरी बार जीता है। कलंदर्स ने जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा के अच्छे प्रदर्शन की सहायता से क्वेटा ग्लेडिएटर्स को फाइनल मुकाबले में छह विकेट से हराया। इस मैच में रजा ने सात गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाए जबकि कुसल परेरा ने 31 गेंदों में नाबाद 62 रनों बनार लाहौर को 19.5 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाकर जीत दिलायी। इस मैच में क्वेटा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 201 रन बनाए थे। हसन नवाज ने 43 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली। अशरफ 28 ने सलमान मिर्जा के अंतिम ओवर में 23 रन बनाये जिससे क्वेटा 200 रन के ऊपर पहुंच गयी। इसके बाद कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने 24 रन देकर तीन विकेट जबकि हारिस रऊफ ने 41 रन पर दो विकेट लेकर लाहौर को जीत दिला दी। खिताब जीतने पर कलंदर्स को पुरस्कार के रूप में 500,000 डॉलर करीब 4.24 करोड़ रुपए मिले। वहीं उपविजेता टीम ग्लेडिएटर्स को 200,000 डॉलर तकरीबन 1.69 करोड़ रुपए मिले।

लाहौर पहुंचने के लिए कई उड़ान लेने वाले रजा पर थकान का कोई लक्षण नहीं दिखा। उन्होंने तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर की पहली दो गेंदों पर चौका और छक्का जड़ा। फहीम अशरफ की अंतिम तीन गेंदों पर टीम को जीत के लिए आठ रन चाहिए थे। रजा ने इस तेज गेंदबाज के खिलाफ छक्का और फिर फिर मिड-ऑन पर चौका जड़कर लाहौर को यादगार जीत दिला दी। इससे पहले बल्लेबाज अशरफ की 20वें ओवर में आक्रामक बल्लेबाजी ने क्वेटा को की जीत की उम्मीदें बनीं थी लेकन अशरफ के आउट होते ही मैच उसके हाथ से फिसल गया।

कॉनवे ने अंतिम लीग मैच में अर्धशतक लगाया

अहमदाबाद । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सलामी बल्लेबाज डेवन कॉनवे ने यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए अंतिम लीग मैच में शानदार पारी खेलकर फार्म हासिल किया। कॉनवे ने टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों पर ही 52 रन बना दिये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 2 शानदार छक्के लगाये। यह इस सत्र में इस बल्लेबाज का दूसरा अर्धशतक रहा, इससे पहले उन्होंने 69 रन बनाये थे। कॉनवे ने धीमी शुरुआत के बाद तेजी से रन बनाये। उन्होंने 34 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। इस मैच में कॉनवे ने 14वें ओवर में छक्का लगाकर अपने 50 रन पूरे किये। अर्धशतक के बाद हालांकि वह राशिद खान का शिकार बन गये। कॉनवे ने 35 गेंदों में 52 रन बनाए। कॉनवे ने इस सीजन में खेले छह मैचों में 131.09 की स्ट्राइक रेट से 156 रन बनाए। अब देखना है कि अगले सत्र में सीएसके उन्हें टीम में रखती है या नहीं बहरहाल अपने अंतिम मैच में कॉनवे ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी दावेदारी मजबूत की है।

सीएसके अगले सत्र के लिए अनुभवी खिलाड़ियों की जगह युवाओं की तलाश कर रहे हैं और ऐसे में उसके लिए कॉनवे भी एक अच्छे खिलाड़ी साबित हो सकते हैं।

आईपीएल प्लेऑफ के लिए आरसीबी ने एनगिडी की जगह मुजरबानी को शामिल किया

मुम्बई। आईपीएल प्लेऑफ से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की जगह पर जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को शामिल किया है। मुजरबानी को आरसीब ने एनगिडी के अस्थायी प्रतिस्थापन के रूप में रखा है क्योंकि एनगिडी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल को देखते हुए स्वदेश रवाना हो रहे हैं। ।

मुजरबानी को आरसीबी ने 75 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा है। वह मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अंतिम लीग चरण के खेल के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस गेंदबाज ने अब तक जिम्बाब्वे की ओर से 70 टी20 मैचों में 78 विकेट लिए हैं। मुजराबानी ने इससे पहले कोई भी आईपीएल मैच नहीं खेला था हालांकि वह सुपर जायंट्स के नेट गेंदबाज रहे हैं। वहीं रविवार को ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड कंधे की चोट से उबरने के बाद आरबीबी टीम में शामिल हो गए जिससे प्लेऑफ के लिए आरसीबी की गेंदबाजी मजबूत हुई है।

इस सीजन में आरसीबी की ओर से 10 मैचों में 18 विकेट लेने वाले हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण पिछले एक माह से बाहर थे। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान वह ऑस्ट्रेलिया लौट आए थे और वहां उन्होंने अपना रिहैब पूरा करते हुए फिटनेस हासिल की।

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में आया बदलाव, कई खिलाड़ी हुए बाहर

मुम्बई। आईपीएल में अब प्लेऑफ मुकाबले शुरु होने जा रहे हैं। इससे पहले ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ में शामिल खिलाड़ियों में बदलाव आया है। ऑरेंज कैप की दौड़ में शामिल शीर्ष 15 में से 9 खिलाड़ी बाहर हो गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ से 7 खिलाड़ी बाहर हो गये हैं। इसका कारण है कि इन खिलाड़ियों की टीमें प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी हैं। वहीं ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन अभी शीर्ष पर हैं जबकि पर्पल कैप की दौड़ में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के नूर अहमद शीर्ष पर हैं लेकिन नूर के हाथ से ये कैप निकलना तय है क्योंकि उनकी टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी है। ऐसे में अब ऑरेंज कैप के लिए साई सुदर्शन (679 रन), शुभमन गिल (649), सूर्यकुमार यादव (583), विराट कोहली (548) और श्रेयस अय्यर (488) के बीच जंग है। वहीं, पर्पल कैप के लिए प्रसिद्ध कृष्णा (23), ट्रेंट बोल्ट (19), जोश हेजलवुड (18), आर साई किशोर (17) और जसप्रीत बुमराह (16) के बीच ही मुकाबला है।

इस समय ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष 15 में मिचेल मार्श चौथे, यशस्वी जायसवाल पांचवें, केएल राहुल सातवें, जोस बटलर आठवें ,निकोलस पूरन नौवें, हेनरिक क्लासेन 11वें, एडेन मारक्रम 13वें, अभिषेक शर्मा 14वें और रियान पराग 15वें नंबर पर हैं। ये 8 खिलाड़ी अब प्लेऑ की दौड़ से बाहर हो गये है, क्योंकि इनकी टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं।

वहीं पर्पल कैप की बात करें तो टॉप पर इस समय नूर अहमद हैं, लेकिन उनकी टीम बाहर हो गयी है। यही कारण है कि उनके हाथ से पर्पल कैप निकल गयी है। गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा उनसे एक विकेट ही और गुजरात प्लेऑफ में पहुंची है जिससे कृष्णा के लिए शीर्ष पर पहुंचकर पर्पल कैप हासिल करने का पूरा अवसर है। नूर अहमद के अलावा पांचवें नंबर पर पर्पल कैप की दौड़ में शामिल वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती जैसे गेंदबाज भी पर्पल कैप की सूची से बाहर हो गये हैं।

गेल का आईपीएल में 175 रन का रिकार्ड अभी भी है कायम

मुम्बई। आईपीएल में अब तक कई नये रिकार्ड बने हैं और टूटे हैं पर गेल का साल 2013 में बनाया ये रिकार्ड ऐसा है जो एक दशक से भी अधिक समय से बना हुआ है। गेल अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने टी-20 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 66 गेंद पर 175 रन की नाबाद पारी खेली थी। उस समय गेल आरसीबी के लिए खेलते थे। गेल के टी20 करियर में 463 मैचों में 14,552 रन शामिल हैं। गेल के अलावा दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज ब्रैंडन मैकुलम है, जिन्होंने 2008 में रॉयल चैलैंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 73 गेंदों में नाबाद 158 रन बनाये।

वेस्टइंडीज ने वर्षा बाधित मुकाबले में आयरलैंड को 197 रनों से हराया

जमैका । वेस्टइंडीज ने वर्षा बाधित दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में आयरलैंड को 197 रनों से हराकर एकदिवसीय सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल की है। इस मैच में वेस्टइंडीज की जीत में केसी कार्टी की शतकीय पारी की अहम भूमिका रही। कार्टी ने 170 रन बनाकर अपनी टीम को एक बड़े स्कोर तक पहुंचाया। कार्टी के अलावा शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स ने अर्धशतक लगाये। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 385 रन बनाए इसके बाद आयरलैंड को जीत के लिए 386 रनों का लक्ष्य मिला। बारिश के कारण इसे 46 ओवरों में 363 कर दिया गया। इसका पीछा करते हुए आयरलैंड की पूरी टीम 29.5 ओवर में ही 165 रनों पर सिमट गयी।

आयरलैंड ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाज शुरु की। वेस्टइंडीज के केसी कार्टी ने तेजी से रन बनाये। इसके अलावा होप और ग्रीव्स ने भी तेजी से रन बनाये। कार्टी और साई होप ने तीसरे विकेट के लिए 137 रनों की साझेदारी की। होप 75 गेंद पर 75 रन बना कर आउट हुए। वेस्टइंडीज ने अंतिम आठ ओवरों में तेजी से खेलते हुए 132 रन बनाये। ये किसी भी टीम की ओर से बनाये तीसरे सबसे ज्यादा रन हैं। वहीं आयरलैंड की ओर से बैरी मैकार्थी ने 3 विकेट जबकि लियाम मैकार्थी ने 2 विकेट लिए। इस मैच में आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं 385 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसका पहला विकेट 3 रनों पर ही गिर गया। इसके लोर्कन टकर और कैड कारमाइकल और आगे के बल्लेबाजों ने पारी को संभाला।

अयूब को नया टी20 कप्तान बनायें – अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने कहा है कि युवा बल्लेबाज सैम अयूब को नया टी20 कप्तान बनाया जाना चाहिये। अफरीदी ने कहा हे कि अपने अब के करियर में अयूब ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे सभी प्रभावित हैं। अफरीदी ने कहा कि अयूब ने धीमी शुरुआत की है पर एक लय पकड़ने के बाद वह आगे बढ़ते गये हैं। पिछले साल 2024 में इस बल्लेबाज ने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन एकदिवसीय शतक लगाये थे। यही नहीं इसी साल उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 98 रनों की पारी भी खेली थी। एक खास कार्यक्रम में अफरीदी ने कहा, हमें ऐसे कप्तान की जरूरत है जो खेल के प्रति सकारात्मक रुवैया रखता हो।

अफरीदी ने यह भी कहा कि अगर उनके हाथ में हो तो वह अयूब को अभी से पाकिस्तान क्रिकेट का कप्तान बना दें। उनका कहना है कि है अयूब का टेंपरामेंट अच्छा है और वह टीम गेम खेलता है। अयूब ने अब तक पाक की ओर से आठ टेस्ट, नौ एकदिवसीय और 27 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस क्रिकेटर ने 14 पारियों में 26.00 की औसत से 364 वहीं एकदिवसीय की नौ पारियों में 64.37 की औसत से 515 और टी20 की 25 पारियों में 21.65 की औसत से 498 रन बनाये हैं। बल्लेबाजी के साथ-साथ अयूब गेंदबाजी भी करते हैं। उन्होंने टेस्ट की चार पारियों में 34.50 की औसत से चार और एकदिवसीय की छह पारियों में 27.80 की औसत से पांच विकेट लिए हैं।

देश के 9 राज्यों में पहुंचा मानसून, मुंबई में भारी बारिश, अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भरा, लोकल ट्रेनें भी प्रभावित

पहली बरसात...बदतर हालात

नई दिल्ली/मुंबई। देश के 9 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। 24 मई को केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी को कवर करने बाद मानसून ने 25 मई को पूरा गोवा और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से समेत मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड कवर कर लिया है। मुंबई में सोमवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। हाल ही में शुरू हुए वर्ली अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भर गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 1 मई को ही इसका उद्घाटन किया था। बारिश के साथ मुंबई में 70 से 80 किमी की रफ्तार से हवा चली, जिससे कई इलाकों में पेड़ गिर गए हैं। हार्बर, सेंट्रल लाइन पर लोकल ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। हजारों लोग अभी भी फंसे रहे।

मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि मुंबई में पिछले 75 सालों में ऐसा पहली बार हुआ है कि जब तय वक्त से करीब 15 दिन पहले मानसून मुंबई पहुंचा है। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 26 मई को मुंबई में दस्तक दे दी है। पिछले 75 सालों का रिकॉर्ड टूटा है। मुंबई में सामान्य तौर पर 11 जून के आस-पास मानसून पहुंचता है। मौसम विभाग ने इससे संबंधित डेटा भी जारी किया है जिसमें बताया गया है कि इससे पहले 1956, 1962 और 1971 में 29 मई को मुंबई में मानसून पहुंचा था। मौसम विभाग के अनुसार मानसून ने आज ही पुणे में भी दस्तक दे दी है।

दादर और कोलाबा में जलभराव

वैसे तो भारी बारिश ने पूरी मुंबई को ही ठप कर दिया है लेकिन सबसे ज्यादा जलभराव की खबरें शहर के दादर और कोलाबा इलाके से आ रही हैं। यहां पर कई सड़कों पूरी तरह से जलमग्न हो गई है और भारी बारिश की वजह से यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। सड़क पर रखे वाहन पानी में डूब गए हैं। बीएमसी ने कमजोर और जर्जर इमारतों को चिन्हित किया था। ऐसी 96 इमारतों में से करीब 3100 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। ताकि भारी बारिश से जर्जर मकानों के ढहने के दौरान कोई जान-माल की हानि न हो।

केरल में भारी बारिश, 9 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद

केरल में भारी बारिश जारी है। त्रिशूर में चलती ट्रेन पर पेड़ गिर गया। कोझिकोड में स्कूटर चलाते समय एक व्यक्ति पर पेड़ गिरा, जिससे उसकी मौत हो गई। कोडंचेरी में भाई-बहनों की करंट लगने से मौत हो गई। राज्य के 9 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। उत्तरी पलक्कड़ जिले में 40 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें से 4 पूरी तरह से तहस-नहस हो गए। वायनाड के पदिनजरथरा में कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। एनडीआरएफ की 28 सदस्यीय टीम वायनाड पहुंची है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश में दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक ट्रफ की वजह से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। इस वजह से आने वाले 4 दिन तक आंधी और बारिश का अलर्ट है।

भारतीय ग्लव्स इंडस्ट्री को है गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के लागू होने का इंतजार

औपचारिक तौर पर अधिसूचना जारी नहीं होने से नियमों के उल्लंघन और अवैध तरीके से डंपिंग के मामले लगातार बढ़ रहे हैं

विश्व व्यापार संगठन के साथ 22-02-2025 को त्तह्ह अपलोड किया गया

इस इंडस्ट्री को भारी नुकसान का सामना करने के साथ-साथ अपना वजूद बचाने के लिए जूझना पड़ रहा है

भारत में ग्लव्स बनाने वाली कंपनियां अब मेडिकल एवं सर्जिकल ग्लव्स (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश (QCO) को जल्द-से-जल्द लागू किए जाने की मांग कर रही है, और यह बात सार्वजनिक डोमेन में है कि इसे व्यापार में तकनीकी बाधाएं (TBT) समझौते के तहत विश्व व्यापार संगठन (WTO) को प्रस्तुत किए जाने के बाद से 60 दिन से अधिक का समय हो चुका है। QCO को रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीन फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिसके तहत सभी प्रकार के आयातित और देश में बने मेडिकल एवं सर्जिकल ग्लव्स के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) का प्रमाणन प्राप्त करना अनिवार्य हो गया है।

उद्योग जगत सरकार की ओर से आम जनता के स्वास्थ्य की हिफाजत और घरेलू ग्लव्स इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए इस निर्णायक कदम का स्वागत करता है, लेकिन इसे लागू करने में हो रही देरी से संबंधित पक्षों की चिंता बढ़ती जा रही है।

इंडियन रबर ग्लव्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (IRGMA) के सचिव, श्री मनमोहन गुलाटी ने कहा, 'WTO की 60 दिनों की परामर्श अवधि अब पूरी हो चुकी है, जिसमें सदस्य देश और सभी संबंधित पक्ष अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे सकते थे। हालाँकि, औपचारिक तौर पर अधिसूचना जारी नहीं होने से नियमों के उल्लंघन और अवैध तरीके से डंपिंग के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।'

इस बारे में अपनी राय जाहिर करते हुए, श्री के. अनिंदिथ रेड्डी, मैनेजिंग डायरेक्टर, एनलिवा- वाडी सर्जिकल्स, ने कहा कि, 'QCO को औपचारिक तौर पर लागू किया जाना सचमुच घरेलू निर्माताओं के लिए एक बड़ी सफलता होगी, जो घटिया गुणवत्ता वाले और नियमों को अनदेखा करने वाले ग्लव्स की बाढ़ का मुकाबला करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। त्तह्ह की अधिसूचना जारी होने के साथ ही, ब्रङ्कस्र प्रमाणन नहीं लेने वाले ग्लव्स के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर पाबंदी लग जाएगी। त्तह्ह का समय पर लागू होना सिर्फ गुणवत्ता वाले आयात की रोकथाम के लिए ही नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा को निष्पक्ष बनाकर और उच्च गुणवत्ता वाले घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देकर भारत की 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूत करने के लिए भी बेहद जरूरी है।'

QCO एक बड़ी खामी को दूर करने के लिए तैयार है, जिसका फायदा अवैध और घटिया ग्लव्स के आयात के ज़रिए उठाया जा रहा था। अब इसके तहत आयातित और घरेलू, दोनों तरह के सभी ग्लव्स पर भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) और ब्रङ्कस्र प्रमाणन का कड़ाई से पालन अनिवार्य किया जाएगा। उद्योग का अनुमान है कि, नया त्तह्ह ऐसे अवैध उत्पादों के सालाना ?450-500 करोड़ के औसत आयात पर सीधा असर डालेगा, जिससे भारतीय बाजार में सिर्फ सुरक्षित और प्रमाणित दस्तानों का प्रवेश सुनिश्चित होगा। उद्योग इस नियमन का समर्थन करता है, फिर भी उसे अंतिम अधिसूचना जारी होने और इसे लागू करने की प्रक्रिया का बेसब्री से इंतज़ार है। खराब गुणवत्ता वाले मेडिकल ग्लव्स से आम लोगों की सेहत को होने वाले संभावित खतरों से बचाने के लिए, भारतीय ग्लव्स मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री QCO को समय पर लागू करने का अनुरोध करती है।

उपचुनाव- आप गुजरात की दोनों सीटों पर लड़ेगी चुनाव, 19 को होगा मतदान

नई दिल्ली। गुजरात की दो विधानसभा सीटों पर 19 जून को उपचुनाव होना है। इस उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने पूरी ताकत झोंकने को तैयार है। पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह विसवादर और कड़ी दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। इन उपचुनावों के नतीजे 23 जून को आएंगे। विसवादर सीट से आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया का नाम सबसे आगे है। ऐसी संभावना है कि पार्टी इटालिया पर दांव लगा सकती है। वहीं कड़ी सीट पर उम्मीदवार चयन को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता ईसुदान गढ़वी क्षेत्र का दौरा करेंगे। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि दोनों सीटों के लिए मजबूत और स्थानीय चेहरों को टिकट दिया जाएगा।

बता दें जूनागढ़ जिले की विसवादर विधानसभा सीट दिसंबर 2023 से खाली है। विधायक भूपेंद्र बयाना ने आप छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया था यानी यह सीट पहले से ही आम आदमी पार्टी के पास थी, जिसे दोबारा जीतने के लिए पार्टी पूरा जोर लगा रही है। दूसरी ओर मेहसाणा जिले की कड़ी विधानसभा सीट आरक्षित है जो बीजेपी विधायक करण सोलंकी के निधन के बाद खाली हुई है। यहां आप अपनी उपस्थिति दर्ज कराने और मजबूत आधार खड़ा करने की कोशिश कर रही है।

पहले यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि गुजरात में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस साथ मिलकर उपचुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनावों में दोनों दलों के बीच आई तल्खी के बाद अब किसी भी प्रकार के गठबंधन की संभावना नहीं है। ईसुदान गढ़वी ने कहा कि हम दोनों सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जनता को एक मजबूत विकल्प देंगे। आप गुजरात में अपनी राजनीतिक मौजूदगी और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आसिम मुनीर ने पीएम शहबाज को ही बना दिया बेवकूफ, थमा दिया पुराना गिफ्ट

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना के चीफ आसिम मुनीर ने फील्ड मार्शल चुने जाने के बाद रविवार को डिनर पार्टी आयोजित की। इस पार्टी में पाक पीएम शहबाज शरीफ से लेकर राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और बिलावल भुट्टो समेत राजनीति और सेना से जुड़े अफसर मौजूद थे। इस बीच शहबाज शरीफ को गिफ्ट की गई एक तस्वीर पर विवाद छिड़ गया है। आसिम मुनीर ने पीएम शहबाज शरीफ को एक तस्वीर गिफ्ट की। इस तस्वीर को हाल ही में भारत पर पाकिस्तान के हमले का बताकर उन्हें गिफ्ट किया गया, लेकिन यह तस्वीर असल में 2019 की है। पीएम शहबाज को दी गई पांच साल पुरानी यह तस्वीर चीन की मिलिट्री की है, जिसे कई बार इस्तेमाल किया गया, लेकिन मुनीर ने इसे ऑपरेशन बुनयान के दौरान भारत पर हमले की तस्वीर बताया है, जिसे लेकर अब वह ट्रोलर के निशाने पर आ गए हैं।

यह तस्वीर 18 अगस्त 2019 की है। चीन की सेना पीएलए के 74वें ग्रुप के तहत पीएचएल-03 लंबी दूरी के रॉकेट सिस्टम के जरिए कई रॉकेट दागे गए। ये रॉकेट रात के समय दागे गए थे और यह तस्वीर चीन की सैन्य कार्रवाई की है। बता दें यह फोटो आसिम मुनीर की ओर से आयोजित डिनर में पीएम शहबाज को भेंट की गई थी।

बता दें पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्ते रसातल तक पहुंच गए हैं। भारत सरकार ने पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार ठहराया है। वहीं 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिसके बाद पाकिस्तान ने संघर्ष को और बढ़ा दिया और पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों में ड्रोन और मिसाइलों से सैन्य और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया, लेकिन इसके बाद पाकिस्तान घुटनों पर आ गया और 10 मई को सीजफायर का ऐलान हो गया था। जब से दोनों देशों के बीच शांति है।

पीएमश्री शास. कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय किरनापुर में समर कैंप का हुआ समापन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरनापुर में समर कैंप का समापन बच्चो के योग प्रदर्शन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। छात्राओं को विभिन्न कौशल से निपुण कराने के लिए दिनांक 01 मई 2025 में 21 मई 2025 तक समर कैंप का आयोजन किया गया था। इस कैंप के माध्यम से छात्राएं न सिर्फ शैक्षणिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगी बल्कि अन्य पाठ्?य सहगामी गतिविधियों में कुशलता भी प्राप्त कर सकेंगी।समापन में कार्यक्रम में श्रीमती कल्पना खोटेले योग शिक्षिका, सुश्री अदिति वडीचार नृत्य शिक्षिका , सत्येंद्र यादव,सत्येल यादव(इंग्लिश स्पोकन) संस्था से इन्द्र श्याम ठाकरे प्राचार्य, जितेन्द्र परिमल वलक्ष्मी नारायण बसेना, पी एल भीमटे, विजय कुमार बोपचे, मुन्नालाल नागवंशी, जसवंता कावरे, फनेंद्र मेश्राम,देवलाल भगत, आशीष श्यामकुंवर सहित बच्चों के पालकगणों की मौजूदगी रही।

बिना अनुमति के बोरवेल करने वाले वाहन किये जब्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सोमवार को चरेगांव पुलिस द्वारा बिना अनुमति के बोरवेल करने पर वाहन जब्त की कार्यवाही सुनिश्चित की गई। ज्ञात हो कि कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा जारी आदेशानुसार 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया था। जिसमे बिना वैध अनुमति के ट्यूबवेल खनन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। इस मामलें में एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि बालाघाट तहसील के ग्राम कटेगांव में भवनलाल सोनडाहरे पिता शिवप्रसाद सोनडाहरे एवं आदित्य सोनडाहरे पिता राधेश्याम सोनडाहरे के नाम से राजस्व अभिलेख में दर्ज ख. न.192/3 रकबा 0.803 हेक्टेयर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग भूमि पर बोरिंग मशीन द्वारा बोर कराया जा रहा था। जहाँ मौके पर ग्राम कोटवार के साथ पुलिस के अमले द्वारा पहुंचकर स्थल का मुआयना किया गया। जिसमें पाया गया कि संबंधित भूमि कृषि कृषि के लिए उपयोग होती है, जिसमें कोई आवास स्थल भी नही है। इसके अलावा जहाँ बोर कराया जा रहा था, इसकी अनुमति भी भूमिस्वामी के पास उपलब्ध नही है। वहीं बोरिंग मशीन के कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि 260 फीट की गहराई तक भूमि में बोर किया गया है। पुलिस टीम द्वारा कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी के आदेशों का उल्लंघन करने पर भारतीय दंड सँहिता की धारा 188 के तहत कार्यवाही करते हुए मौके पर पायी गई बोरिंग मशीन क्रमांक केए-01-एमएफ-5988 एवं एक सपोर्ट बोरवेल वाहन क्रमांक केए-01-एए-2089 जब्त कर स्थल पंचनामा, जब्तिनामा सुपुर्द कर पुलिस चौकी चरेगांव थाना लामता में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है।

सीएम सरमा का गोगाई पर तंज, पाकिस्तान सरकार के वेतन पर काम कर रही उनकी पत्नी

वरिष्ठ कांग्रेस नेता रिपुन बोरा का चौंकाने वाला खुलासा

डिसपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जोरहाट के सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी के बारे में वरिष्ठ कांग्रेस नेता रिपुन बोरा द्वारा किए चौंकाने वाले कबूलनामे के बाद विस्फोटक आरोप लगा दिए हैं। सीएम सरमा के बयान के अनुसार, कांग्रेस नेता बोरा ने कथित तौर पर इस बात को स्वीकार किया कि गोगोई की पत्नी वास्तव में पाकिस्तान सरकार के वेतन पर थी। सीएम सरमा ने खुलासे को बेहद चिंताजनक बताकर कहा कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर चिंताएँ पैदा हुई हैं।

सीएम सरमा ने पोस्ट किया कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता बोरा ने स्वीकार किया कि कांग्रेस सांसद गोगोई की ब्रिटिश पत्नी वास्तव में पाकिस्तान सरकार के वेतन पर काम कर रही थी। अगर यह सच है, तब यह राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में बहुत ही चिंताजनक सवाल है। उन्होंने दावा किया कि एक शत्रुतापूर्ण विदेशी राज्य से जुड़े व्यक्ति की लगातार मौजूदगी एक मौजूदा सांसद के अंदरूनी हलकों में भारत की संस्थाओं की अखंडता के लिए एक गंभीर और अस्वीकार्य खतरा है।

वहीं कांग्रेस पार्टी ने आरोपों को खारिज कर इन्हें 2026 के विधानसभा चुनावों को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की बढ़ती असुरक्षा से प्रेरित राजनीतिक रूप से प्रेरित हमले बताया।

कांग्रेस की असम इकाई ने कहा कि असुरक्षा की भावना सीएम सरमा को पाकिस्तान के साथ कथित संबंधों को लेकर जोरहाट सांसद पर निशाना साधने के लिए प्रेरित कर रही है।

राष्ट्रीय बीमा योजनाओ का लाभ देने के लिए ब्लॉक स्तर पर लगेंगे शिविर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। राज्य शासन की ट्रांसफर नीति के अनुसार विभागवार प्राप्त ट्रांसफर प्रकरणों की अपडेट जानकारी लेते हुए कलेक्टर मृणाल मीना ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक प्रारम्भ की। इस दौरान उन्होंने जिला योजना अधिकारी से अब तक प्राप्त ट्रांसफर के आवेदनों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने महिला बाल विकास अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया से ट्राईबल क्षेत्रों में आंगनवाड़ी केंद्रों के हाइड्रोवल की अपडेट जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि 24 आंगनवाडी केंद्रों में हाइड्रोवल होना है। कलेक्टर श्री मीना ने फॉलोअप करके अपडेट करने तथा 2 हफ्ते में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय बीमा योजनाओं का पात्र नागरिकों को लाभ दिलाने के लिए ब्लॉक स्तर पर शिविर आयोजित करने के एलडीएम संजीव कुमार को निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री मीना ने कहा हफ्ते में 3 दिन शिविर क्रियान्वित किये जाएं। इसके लिए एलडीएम बीसी के साथ समन्वय कर सुचारू कैम्प संचालित करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में जिपं सीईओ अभिषेक सराफ, एडीएम जीएस धुर्वे, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर एमआर कौल एवं सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही अन्य अमला गूगल मीट से जुड़ा रहा।

एसडीएम व सीएमएचओ समन्वय कर करवाएंगे एंटीवेनम ट्रेनिंग

कलेक्टर श्री मीना ने सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप के साथ ही सभी नक्सली क्षेत्र के एसडीएम को क्षेत्र की नर्सिंग स्टॉफ को एंटीवेनम लगवाने के प्रशिक्षण प्रदाय करने के निर्देश दिए है। उन्होंने विशेष तौर पर लांजी, बैहर व परसवाड़ा एसडीएम को तहसीलदारों के साथ समन्वय कर नर्सिंग स्टॉफ को सब सेंटर में प्रशिक्षण दिलवाने के निर्देश दिए गए है। जिले के इन क्षेत्रो में सर्पदंश के प्रकरण बड़ी संख्या में आते है ऐसे में तत्काल उपचार प्रदान करना बड़ी चुनोती है।

इस वर्ष वृहद स्तर पर होगा प्लांटेशन

कलेक्टर श्री मीना ने सभी विभागों को इस वर्ष वृहद स्तर पर प्लांटेशन करने के निर्देश दिए है। उन्होंने विभाग वार अधिकारियों से कहा कि जन-जन की भागीदारी एवं विभागों का समन्वय से इस बार बड़े पैमाने पर प्लांटिशन किया जाएगा।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग में प्रगति लाये सीएमओ

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना द्वारा जल गंगा संवर्धन अंतर्गत रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के स्ट्रक्चर को लेकर सभी सीएमओ से अपडेट जानकारी ली गई। जिसमें सीएमओ वारासिवनी ने बताया कि 600 के लक्ष्य में 85 रेन वाटर हार्वेस्टिंग के स्ट्रक्चर तैयार किये गए है। वही कटंगी में 300 में 15, बैहर में 300 में 50, मलाजखंड में 533 में 72 और लांजी में 335 में 65 स्ट्रक्चर तैयार किये गए है। कलेक्टर श्री मीना ने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के स्ट्रक्चर में तीव्रता लाने के लिए निर्देशित किया गया है।

विद्युत विभाग विद्युत आपूर्ति की समस्या में तत्परता से करेंगे कार्यवाही

कलेक्टर श्री मीना ने विद्युत विभाग के कार्यपालन यंत्री को आने वाले दिनों में सतर्कता व तन्मयता से कार्य करने के लिए निर्देशित किया है। चूँकि आने वाला समय बारिश का है, जिलेवासियों को बिजली की समस्या का अत्यधिक सामना करना पड़ता है। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक के दौरान विशेष रूप से खरपड़िया, धीरी, मऔझारी और बैरागढ़ में विद्युत आपूर्ति की समस्या को लेकर कितने घंटे तक विद्युत सप्लाई किया जा रहा है चेक करवाने के निर्देश दिए गए है।

समस्त आवश्यक दस्तावेजो के लिए समग्र इकेवायसी अनिवार्य

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि समस्त प्रकार के आवेदन जैसे आय प्रमाण पत्र, मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र एवं पेंशन संबंधित आदि सेवाएं प्राप्त करने के लिए आवेदकों के पास समग्र एवं आधार की इकेवायसी होना आवश्यक है। क्योंकि इकेवायसी न होने की स्थिति में आवेदकों के आवेदन पोर्टल पर दर्ज नहीं हो पाएंगे। इसलिए समस्त नागरिकों की इकेवायसी अत्यंत अनिवार्य है।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में अधिकारी सतर्क रहकर कार्य करे

कलेक्टर श्री मीना ने सीएम हेल्पलाइन की लंबित लंबित शिकायतों को लेकर सभी विभागों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने समाधान ऑनलाइन में रेवेन्यू के पेंडिंग प्रकरणों को लेकर एसडीओ बालाघाट, बैहर व लांजी से जानकारी ली। साथ ही संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को रिव्यू कर पेंडिंग प्रकरणों के शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी पूर्वक सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों को निराकरण करने के लिए कहा है, चूँकि यह अति आवश्यक है।

इंस्टाग्राम पर पेंसिल पैकिंग के लुभावने विज्ञापन दिखाकर हुई हजारों रुपए की ठगी

व्हाट्सएप पर अनजान लिंक किल्क करने से मोबाइल हैक , कोतवाली थाने में आ रही मोबाइल हैक होने की शिकायते

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में साइबर ठगी का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहा है। साइबर ठगों द्वारा नए-नए लुभावने वादे दिखाकर जिले की भोली भाली जनता को ठगी का शिकार बना रहे हैं। जिसमें इन दिनों इंस्टाग्राम के माध्यम से विज्ञापन दिखाकर साइबर ठगी हो रही है तो वही साइबर ठगों द्वारा जिले की जनता को मोबाइल पर लिंक भेज कर मोबाइल हैक कर रहे हैं । जिससे आमजन के अकाउंट कुछ ही पलों में खाली हो जा रहे हैं । ऐसे ही साइबर ठगी के कुछ मामले साइबर शाखा में आये हैं । जिसमें पुलिस द्वारा साइबर ठगी की इन घटनाओं में प्रार्थी से आवेदन लेकर आवश्यक कार्यवाहीं की जा रही है । साइबर पुलिस भी आमजन को जागरूक और सतर्क रहने की सलाह दे रही है । मोबाइल या व्हाट्सएप ग्रुप पर आने वाले किसी भी लिंक को खोलने से मना किया जा रहा है, क्योंकि अधिकतर मामले व्हाट्सएप पर आए मैसेज या लिंक को क्लिक करने के बाद ही आमजन के मोबाइल हैक होकर अकाउंट खाली हो रहे हैं।

आपको बता दे की जहां एक और पुलिस द्वारा साइबर ठगी से बचने के लिए नित्य नये जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं तो वहीं साइबर ठग भी अब नए-नए तरीके से जिले की भोली भाली जनता को अपना निशाना बनाया जा रहा है । ऐसे ही कुछ ताजे मामले कोतवाली थाने के साइबर शाखा में दर्ज हुए हैं। जहां साइबर ठगों द्वारा इंस्टाग्राम के माध्यम से एक युवक को पेंसिल पैकिंग करने के लिए धीरे-

धीरे से हजारों रुपए की साइबर ठगी कर ली गई, तो वहीं इन दिनों अधिकतर साइबर शाखा में अधिकतर मोबाइल हैक होने की शिकायतें लगातार आ रही है । जिसमें साइबर ठगों द्वारा सबसे पहले आमजन के मोबाइल को हैक कर लिया जाता है और उसके बाद उसके परिचितों के मोबाइल पर लिंक भेज कर मोबाइलों को हैक किया जा रहा है और परिचित बन कर उनके रिश्तेदारों से पैसे की मांग की जा रही है। जिससे आमजन भरोसे में आकर साइबर ठगी की शिकार हो रहे हैं । ऐसे ही कुछ मामले साइबर थाने में आये हैं जिसमें सभी ने बताया कि अपने परिचितों के मोबाइल से नई लिंक भेजी गई थी जिसे क्लिक करते ही उनके मोबाइल हैक हो रहे हैं और वह साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं।

पेंसिल पैकिंग के नाम पर हजारों रुपए की हुई ठगी

पेंसिल पैकिंग के नाम पर एक युवक से हजारों रुपए की ठगी की घटना घटी है । जिसमें साइबर शाखा में एक मामला आया है जिसमें साइबर ठगों द्वारा इस बार बढ़ती बेरोजगारी को टारगेट करते हुए इंस्टाग्राम पर काम देने को लेकर एक विज्ञापन चलाया गया। जिसमें एक युवक द्वारा इंस्टाग्राम पर पूरा विज्ञापन देखने के बाद पेंसिल पैकिंग करने वाली कंपनी से संपर्क किया गया । जिसमें साइबर ठगों ने युवक को पेंसिल पैकिंग का कार्य देने से पहले अलग-अलग प्रक्रिया के नाम पर चार्ज लिए गए। जिसमें रजिस्ट्रेशन शुल्क, आवेदन शुल्क सहित जमा राशि किए जाने को लेकर युवक से 80 से 85 हजार रूपये ठग लिए और बाद में युवक को रोजगार नहीं दिया गया। तब युवक को पता चला कि उसके साथ साइबर ठगों द्वारा साइबर ठगी की गई है उन्होंने इस पूरी घटना की साइबर शाखा में शिकायत की हैं ।

लगातार हो रहे मोबाइल हैक

इन दिनों कोतवाली थाने की साइबर शाखा में युवक युतियों द्वारा लगातार मोबाइल हैक होने की शिकायत की जा रही है। जिसमें एक पीड़ित ने बताया कि उसे उनके एक परिचित के द्वारा व्हाट्सएप पर लिंक भेजी गई थी , जिसे उनके द्वारा ओपन किया गया और लिंक को ओपन करने के बाद युवक का मोबाइल हैक हो गया। जिससे कुछ ही घंटे में साइबर ठगों ने युवक के अलग-अलग दोस्तों से व्हाट्सएप और अन्य एप के माध्यम से मैसेज कर फोन पे के माध्यम से पैसे मांग लिए । यह कोई पहला मामला नहीं था साइबर शाखा के पुलिसकर्मी बताते हैं कि इन दिनों लिंक भेज कर मोबाइल हैक होने की शिकायत अधिकतर आ रही है । और आए दिन शहर के लोग साइबर शाखा में आकर यही शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें लिंक ओपन करते ही उनका मोबाइल हैक हो जा रहा है और वह साइबर ठगी के शिकार हो रहे हैं । पुलिस कर्मियों ने यह भी बताया कि कोई भी लिंक को खोलने से पहले वह जागरूक और सतर्क हो जाए और अनजान नंबरों से आने वाले लिंग को ओपन ना करें क्योंकि अधिकतर लिंक भेज कर ही साइबर ठगों के द्वारा मोबाइल को हैक किया जा रहा हैं।

आईपीएल का सट्टा खिलाने तीन युवक गिरफ्तार-एक फरार

नगद 8000 रुपये, मोबाइल जप्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण पुलिस ने ग्राम कोसमी में छापामार कार्रवाई करते हुए आईपीएल का सट्टा खिला रहे तीन युवकों को मौके पर गिरफ्तार किया तो वही एक युवक फरार हो गया। ग्रामीण पुलिस ने मोके से आईपीएल सट्टे का हिसाब किताब करने का पर्चा एक मोबाइल और नगद 8000 रुपये जप्त की है। ग्रामीण पुलिस ने यह कार्रवाई 25 मई की रात्रि 11:00 बजे ग्राम कोसमी में स्थित गंगा जमुना मंदिर के पास खाली प्लाट में कि यहां पर चारों युवक हैदराबाद और कोलकाता के बीच खेले जा रहे आईपीएल मैच पर दाव लगाकर सट्टा खेल रहे थे। गिरफ्तार तीन युवक यशपाल उर्फ गोलू पिता तुलाराम बराडे, सादे पिता मेहतर दमाहे और युवराज उर्फ जवाई पिता तुलाराम लिल्हारे तीनों ग्राम कुसमी थाना ग्रामीण निवासी हैं जिन्हें 26 मई को बालाघाट की न्यायालय में पेश कर दिए जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। फरार युवक की तलाश की जा रही है तीनों सटोरियों के विरुद्ध धारा 4 का सट्टा एक्ट और धारा 112 भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई की गई है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

शासकीय उचित मूल्य की दुकान का ताला टूटा 20200 रुपये के गेहूं चावल चोरी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले आदिम जाति सेवा सहकारी समिति लेम्स दमोह के अंतर्गत आने वाले देवगांव की शासकीय उचित मूल्य की दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने 20,200 रुपये के गेंहू, चावल की चोरी कर ली। बिरसा पुलिस ने सेल्समेन हेमलाल पिता सम्मेलन रेले 44 वर्ष वार्ड नंबर 19 अंबेडकर चौक दमोह निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 22 मई को सेल्समेन हेमलाल रिले ने हितग्राहियों को गेहूं एवं चावल वितरण करने के बाद लेम्स में 7 बोरी में भरे कुल 3 क्विंटल 50 किलो गेंहू, और 12 बोरी में भरे 6 क्विंटल चावल लेम्स में बंद कर ताला लगाकर चले गए थे 24 में को 3:00 बजे सेल्समेन हेमलाल रेले ने देवगांव लेम्स में आकर देखा तो लेम्स का ताला टूटा हुआ था अंदर जाकर देखें तो चार बोरी गेहूं और चार बोरी चावल ही बचे हुए थे। अज्ञात चोरों ने लेम्स का ताला तोड़कर तीन बोरी गेहूं (1 कुंटल 50 किलो) कीमत 4200 रुपए एवं 8 बोरी चावल(4 कुंटल) कीमत 16000 रुपये की चोरी कर लिए। इस प्रकार चोरों ने 22 मई से 24 मई के दरमियान 20200 कीमत के चावल गेहूं की चोरी कर ली। बिरसा पुलिस ने सेल्समेन हेमलाल रेले द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी की विरोध धारा 331(4),305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

एक युवक ने जंगल में फांसी लगाकर की आत्महत्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। किरनापुर पुलिस थाना की लोढ़ागी पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम जोधीटोला के एक 25 वर्षीय युवक महासिंह पिता हीरालाल पन्द्रे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसकी ग्राम समीप जंगल से पेड़ में फांसी पर लटकी हुई लाश बरामद की गई और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया हैं। मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महासिंह पन्द्रे अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करता था जो अपने पांच भाइयों में सबसे छोटा था और अपने तीसरे नंबर के भाई रूप सिंह पन्द्रे भाभी हेमलता और मां के साथ में रहता था। जिसके तीन भाई बाहर रहते हैं। महासिंह हैदराबाद भी मजदूरी करने जाता था किंतु हाल ही में वह अपने गांव में ही था। यही बताया गया है कि महासिंह शराब पीने का भी आदि था । 25 मई को सुबह 6:00 बजे महासिंह शौच के लिए घर से निकला था किंतु वह घर वापस नहीं लौटा। 8:00 बजे जोधी टोला के जंगल में धावड़े के पेड़ में महासिंह को फांसी पर लटके हुये देखे । महासिंह ने पेड में नायलॉन की रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। जिसकी रिपोर्ट उसकी भाभी हेमलता पति दुरूप सिंह पन्द्रे 27 वर्ष ने लौढ़ाँगी पुलिस चौकी में की थी। जहां से चौकी प्रभारी मजहर खान अपने स्टाफ के साथ जोधीटोला का जंगल पहुंचे और मृतक महासिंह की पेड़ में फांसी पर लटकी हुई लाश नीचे उतरवाई। पंचनामा कार्यवाही पश्चात महासिंह की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है महासिंह ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अधिक पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। आगे मर्ग जांच चौकी प्रभारी मजहर खान

Kaira
तकनीक जापानी सोच हिन्दुस्तानी
आधुनिक तकनीकी का प्रीमियम काईरा राईस ट्रांसप्लांटर
विश्व की नं. 1 धान रोपाई मशीन एवं हार्वेस्टर पर विशेष अनुदान
फायनेंस सुविधा उपलब्ध

पिछले 3 वर्ष में सिवनी, बालाघाट एवं पूरे महाकौशल में 500 से भी ज्यादा संतुष्ट ग्राहक
ट्रे, सीडर स्टॉक उपलब्ध
14900/- में सीडर पायें
संतुष्ट ग्राहक पिछले 3 सालों से
नरेन्द्र पटले बरघाट मोबा. 9098152958
छामसिंग टेम्भरे सरेखा मोबा. 7067513385
चंद्रप्रकाश डहरवाल जराहमोहगांव मोबा. 6263440844
- 102 एच.पी. ईंजन
- 55 मिनट में 1 एकड़ काटने की क्षमता
- 1 घंटे में 7 लीटर की डीजल खपत
- नोट- बड़े हार्वेस्टर (टायर वाले) में 75 के.जी. प्रति एकड़ धान का नुकसान
- ट्रेक टाईप मे 5 के.जी. प्रति एकड़ का नुकसान 70 के.जी. धान की बचत
सीजन के पहले सर्विस करायें और पार्टस् में 10% से 15% की छूट पायें
के.के. इंटरप्राईजेस/ सांई ट्रेक्टर्स (पॉवरट्रेक ट्रेक्टर्स)
सांई ट्रेक्टर्स के बाजू में, मोती तालाब रोड, बालाघाट
के.के. इंटरप्राईजेस
बालाघाट रोड, पटेलटोला, बरघाट
मो. 9425138685, 8770334649, 9669674379

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

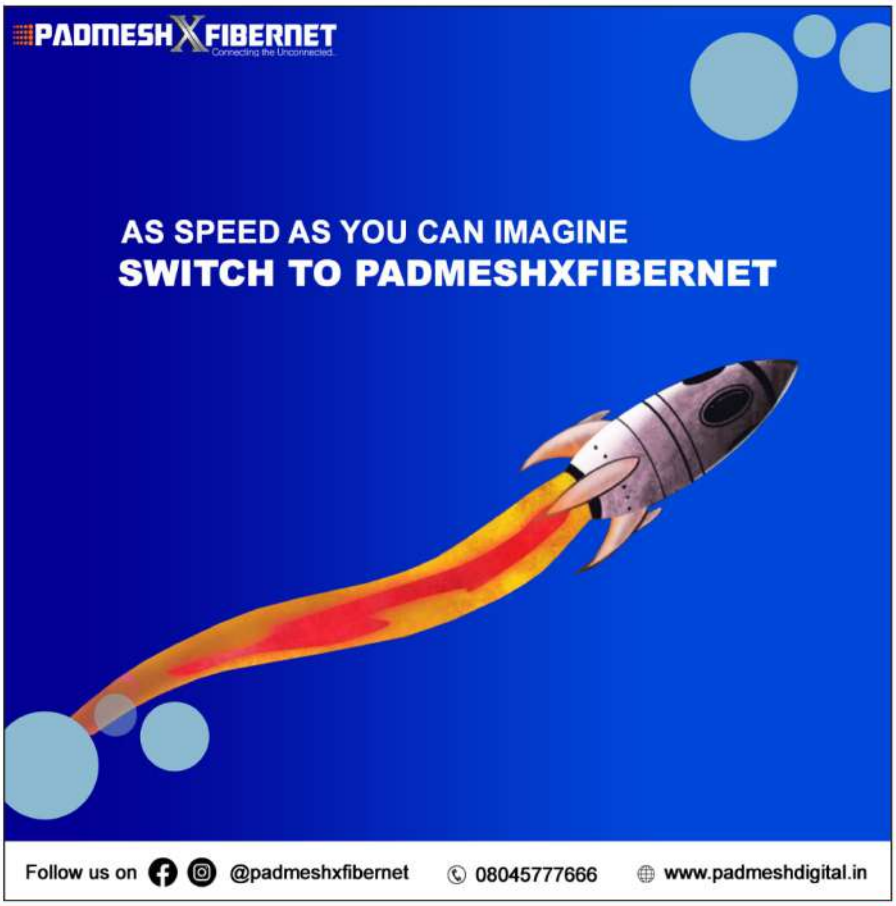

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट